राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

वर्ष : 12 , अंक : 364, पृष्ठ : 08, नई दिल्ली सोमवार 17 जूलाई 2023, मूल्य : 1.50/-

नई दिल्ली से प्रकाशित

RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

तालाब पाटकर बना दिया एक्सप्रेसवे, एनजीटी ने तीन अक्टूबर तक मांगा जवाब .... पेज 03

सबकी समस्या का निस्तारण सरकार की प्राथमिकता : योगी, जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने .... पेज 05

इजरायल में न्यायिक सुधार के विरोध में हजारों लोग सड़कों पर उतरे .... पेज 07

मौसम की वजह से रुकी अमरनाथ यात्रा बहाल

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में रविवार को खराब मौसम के कारण पहलगाम और बालटाल मार्गों से अस्थायी रूप से निलंबित रहने के बाद अमरनाथ यात्रा फिर से बहाल कर दी गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस बीच, शनिवार शाम तक 21401 तीर्थयात्रियों के पवित्र गुफा के दर्शन करने के साथ, एक जुलाई से शुरु हुई तीर्थयात्रा के बाद से गुफा मंदिर में दर्शन करने वाले यात्रियों की कुल संख्या दो लाख से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा कि खराब मौसम के कारण दक्षिण कश्मीर के पारंपरिक नुनवान पहलगाम आधार शिविर और मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले के बालटाल से यात्रा को रविवार तड़के एहतियात के तौर पर अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था। कई स्थानों पर यात्रा फिसलन भरी हो गई थी। अधिकारी ने कहा, जैसे ही मौसम में सुधार हुआ, तीर्थयात्रियों को दोनों ओर से रुकने वाले स्थानों से आगे बढ़ने की अनुमति दी गई। उन्होंने कहा, पहलगाम और बालटाल दोनों मार्गों पर अमरनाथ यात्रा सुचारू रूप से चल रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं और साधुओं सहित बड़ी संख्या में तीर्थयात्री सुबह बालटाल आधार शिविर से डुमैल के रास्ते अमरनाथ गुफा मंदिर की ओर रवाना हुए। हालांकि, बारिश के कारण एहतियात के तौर पर उन्हें पड़ाव स्थलों पर रोक दिया गया।

दिल्ली में यमुना खतरे से नीचे आई

- दिल्ली में बाढ़ नियंत्रण के लिए एक कमेटी बनाई गई है। पिछले दो साल से इस कमेटी की कोई बैठक ही नहीं हुई।
- आज को उत्तर हरियाणा के 7 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली। दिल्ली में 5 दिन बाद रविवार को यमुना का जलस्तर खतरे के निशान से नीचे आ गया। शाम 7 बजे तक यमुना का वाटर लेवल घटकर 205.91 मीटर पर आ गया। यमुना के वाटर लेवल का डेंजर मार्क 205.33 मीटर पर है। इधर, दिल्ली के एलजी ऑफिस ने एक बयान जारी किया। इसमें कहा गया कि दिल्ली में बाढ़ नियंत्रण के लिए एक कमेटी बनाई गई है। पिछले दो साल से इस कमेटी की कोई बैठक ही नहीं हुई। दिल्ली के सीएम इसके अध्यक्ष हैं। एलजी ऑफिस के मुताबिक जून में इस कमेटी की बैठक हो जानी चाहिए थी, जो नहीं की गई। इसमें केंद्र सरकार, राज्य सरकार, सेना और सेंट्रल वाटर कमीशन के अधिकारी शामिल होते हैं। इस मीटिंग के बाद ही फ्लड कंट्रोल को लेकर निर्देश जारी किए जाते हैं, लेकिन बिना बैठक और तैयारियों के ही राज्य सरकार ने निर्देश जारी कर दिए। आम आदमी पार्टी ने इन आरोपों को गलत बताया। आप ने कहा कि 6 जुलाई को कमेटी की बैठक हुई थी, जिसकी अध्यक्षता राजस्व मंत्री आतिशी ने की थी।

इन राज्यों में तेज बारिश होगी

हिमाचल, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, झारखंड, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गोवा, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मिजोरम, मणिपुर, त्रिपुरा, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक।

हरियाणा में बारिश का यलो अलर्ट

प्रदेश के अधिकतर जिलों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। 17 जुलाई को उत्तर हरियाणा के 7 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी है। 5 दिनों के लिए हरियाणा में यलो अलर्ट रखा गया है। 13 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। 403 गांव में घग्गर और यमुना नदी का पानी घुस चुका है। इससे 133 कच्चे-पक्के मकान गिर गए हैं। 26 लोगों की अब तक मौत हो चुकी है, दो लोग लापता हैं।

उत्तराखंड में अगले पांच दिन भारी बारिश की चेतावनी

मौसम विभाग ने उत्तराखंड के सभी तेरह जनपदों में मंगलवार तक अधिकांश और बुधवार से गुरुवार तक अनेक स्थानों पर बारिश की चेतावनी दी है। विभाग की ओर से रविवार शाम जारी पूर्वानुमान के अनुसार, मंगलवार यानी 18 जुलाई तक देहरादून, हरिद्वार, पौड़ी, टिहरी, उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, नैनीताल, उधमसिंह नगर, पिथौरागढ़, चंपावत, बागेश्वर और उत्तरकाशी समेत सभी तेरह जनपदों के अधिकांश स्थानों पर मध्यम से भारी बारिश का अनुमान है। जबकि 19 व 20 जुलाई को भी इसी तरह का मौसम रहने की आशंका है।

केजरीवाल ने हर बाढ़ पीड़ित परिवार को दस हज़ार रुपये देने का किया एलान

हर बाढ़ पीड़ित परिवार को दस हज़ार रुपये

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राजधानी में बाढ़ प्रभावित हर पीड़ित परिवार को दस हज़ार रुपये देने का एलान किया है। केजरीवाल ने ट्वीट कर रविवार को कहा, यमुना किनारे रहने वाले कई बेहद गरीब परिवारों का काफ़ी नुक़सान हुआ है। कुछ परिवारों का तो पूरे घर का सामान बह गया। उन्होंने कहा, आर्थिक मदद के तौर पर हर बाढ़ पीड़ित परिवार को दस हज़ार रुपये प्रति परिवार देंगे। जिनके काग़ज़ जैसे आधार कार्ड आदि बह गये, उनके लिए स्पेशल कैंप लगाए जायेंगे। जिन बच्चों की ड्रेस और किताबें बह गयीं, उन्हें स्कूलों की तरफ़ से ये दिलायेंगे। मुख्यमंत्री ने मोरीगेट स्थित एक स्कूल में बने राहत शिविर का आज दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित दिल्ली के छह जिलों लोगों के लिए सरकार ने स्कूलों या धर्मशालाओं में राहत शिविर लगाए हैं, जहां खाना-पानी और टॉयलेट्स का समुचित इंतज़ाम किया गया है।

हिमाचल के रोहडू में फटा बादल, कई घरों को नुकसान, कार बही

हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में बारिश से भारी नुकसान हुआ है। रोहडू के भलाड़ा पंचायत के तहत मलखून नाले में गत रात बादल फटने से घरों को नुकसान पहुंचा है। वहीं सड़क किनारे खड़ी एक कार भी पानी के तेज बहाव में बह गई। मंडी में सराज के गांव मिहाच संदोचा में सुबह 500 बजे घर पर पहाड़ी से गिरे मलबे में दबने से बाल कृष्ण (16) पुत्र डोला राम की मौत हो गई। उधर, मंडी के धर्मपुर क्षेत्र में कांढापत्तन के पास ब्यास नदी में एक शव मिला। मृतक कुल्लू जिले का रहने वाला था। उसकी बाजू पर राजकुमार नाम का टैटू था। कुल्लू के साढ़ाबाई थाना में राजकुमार के गुम होने की रिपोर्ट दर्ज है। रोहडू में बादल फटने के बाद शिकड़ी खड्ड का जलस्तर बढ़ने से रोहडू बाजार के साथ समाला में खड्ड किनारे बनीं झुग्गियों में पानी और मलबा घुसने से करीब दो दर्जन परिवार प्रभावित हुए हैं। सावड़ा कुडडू परियोजना की डैम साइट के साथ चामशू के लिए बनाई सड़क का एक किलोमीटर हिस्सा डैम में समा गया। इससे नकदी फसलों को मंडियों तक पहुंचाना बागवानों के लिए चुनौती बन गया है।

चंडीगढ़ में मिला बम शेल, सेना ने जांच के लिए कब्जे में लिया

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के सेक्टर 26 में बम शेल मिला है। जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। यह बम शेल बापूधाम कॉलोनी के पीछे पड़ा हुआ था। इसका पता चलते ही पुलिस ने इलाके को सील कर दिया। वहां सारा ट्रैफिक रोक दिया गया। बम शेल 51एमएम का बताया जा रहा है। जिसे सेना इस्तेमाल करती है।

इसके बाद सेना यहां जांच के लिए पहुंची। जिसके बाद बम को कवर कर वह अपने साथ चंडी मंदिर यूनिट में ले

गई। इसकी आगे की जांच वहीं होगी। शुरूआती जानकारी के मुताबिक इसे मिसगाइडेड बमशेल बताया जा रहा है।

चंडीगढ़ पुलिस के मुताबिक सुखना में कुछ बच्चे नहाने के लिए गए थे। इसी दौरान उनकी नजर बम शेल पर पड़ी। वह इसे उठाकर शास्त्री नगर की तरफ ले आए। जिसके बाद पता चला कि यह बम है। फिर सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। जिसके बाद ढ्ढञ्ज पार्क की पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर वहां जमा लोगों को हटाया। फिर बम शेल को रेत की बोरियों से कवर कर दिया गया ताकि अगर कहीं उसमें धमाका हो तो आसपास के इलाकों में कोई नुकसान न हो। उसके चारों तरफ भी पुलिस की तैनाती कर दी गई है।

सागर में ट्रक-कार में भिड़ंत, 6 लोगों की मौत

टक्कर के बाद चकनाचूर हो गई कार; एक घायल

सागर। सागर में ट्रक और कार की टक्कर हो गई। इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। हादसा सानौधा थाना क्षेत्र के बमोरी डूंडर गांव के पास हुआ। कार में ड्राइवर समेत 7 लोग सवार थे। 7 लोग कार से सागर से शाहपुर डैम में मछलियों को दाना डालने जा रहे थे। इसी दौरान सानौधा की ओर से आ रहे ट्रक से से कार भिड़ गई। घटना में कार के परखच्चे उड़ गए। ट्रक सड़क किनारे खंती में उतर गया। ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह से चकनाचूर हो गई। जबकि ट्रक सड़क से नीचे उतर गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। हादसे में एक शख्स घायल हुआ है। जिसे सागर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मरने वाले सभी कार सवार थे।

हादसे में इन लोगों की गई जान

1. मुकेश रैकवार (28) 2. पंकज रैकवार (35) 3. ब्रजेश ठाकुर (30) 4. अर्पित जैन (30) 5. गणेश रैकवार (45) 6. पवन रैकवार (35) कार सवार सभी लोग सागर से शाहपुर जा रहे थे। बताया जा रहा है कि वे शाहपुर डैम में मछलियों को दाना डालने जा रहे थे। तभी सानौधा की ओर से आ रहे ट्रक से उनकी कार टकरा गई। घटना के बाद ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

महाराष्ट्र विस सत्र आज से, फीका रहने की संभावना

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा का मानसून सत्र सोमवार से शुरू होगा। सत्र के हाल ही में कुछ विपक्षी सदस्यों के सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल होने के बाद फीका रहने की संभावना है। पिछले विधानसभा सत्र में सत्ता पक्ष हमेशा चिंतित नजर आया था और विपक्ष के आक्रामक रुख के कारण बैकफुट पर था, हालांकि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) में बगावत के बाद राजनीतिक समीकरणों में बदलाव आया है, जिससे सरकार मजबूत स्थिति में है।

कार ने महिलाओं के समूह को कुचला, तीन महिलाओं की मौत

चेन्नई। तमिलनाडु में विल्लुपुरम जिले में रविवार को चेन्नई-पुडुचेरी ईस्ट कोस्ट रोड पर कीझपुडुपट्टी जंक्शन रोड पर एक कार ने महिलाओं के एक समूह को कुचल दिया, जिससे तीन महिलाओं की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गईं। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि पुदुकुप्पम गांव के रहनी वाली महिलाएं मछली खरीदने के लिए इंतजार कर रही थी, तभी सुबह पांच बजे चेन्नई से पुदुचेरी की ओर जा रही तेज रफ्तार कार ने उन्हें कुचल दिया।

हादसे में लक्ष्मी (45), गोविंदम्मल (50) और गंगईअम्माल (45) की मौत हो गई। विज्ञप्ति में कहा गया है कि लक्ष्मी और गोविंदाम्मल की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई, वहीं गंगईअम्मल की अस्पताल ले जाने के बाद इलाज के बिना ही मौत हो गई।

असम के बिश्वनाथ जिले में बाढ़ से बिगड़े हालात

32 हजार से अधिक लोग प्रभावित; सात की मौत

गुवाहाटी। असम में बाढ़ से स्थिति गंभीर है। असम के बिश्वनाथ जिले में 32,400 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) ने बताया कि इन इलाकों में बाढ़ से जनजीवन व्यस्त हो गया है।

एसडीएमए ने कहा कि बाढ़ से गोहपुर क्षेत्रों में 22,417 लोग प्रभावित हुए हैं और हलेम क्षेत्रों में लगभग 10,000 लोग प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार, बिश्वनाथ उप-मंडल के अंतर्गत 47 गांव जलमग्न हो गए हैं, जबकि 858 हेक्टेयर फसल नष्ट हो गया है। गोहपुर इलाके के एक स्थानीय निवासी ने कहा कि उनके घर के अंदर पानी का स्तर 3 फीट तक बढ़ गया है। उनहोंने कहा कि अब हमें बहुत सारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। अब हम अपने घर में नहीं रह सकते हैं। जलस्तर अभी भी बढ़ रहा है। हम उम्मीद कर रहे हैं कि सरकार हमारी मदद करेगी। एएसडीएमए बाढ़ रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य में बाढ़ से 15 जिलों और दो उप-मंडलों के 31 राजस्व क्षेत्रों के तहत 385 गांवों के 1.08 लाख लोग प्रभावित हुए थे। बताया गया कि बाढ़ के पानी से 4168.40 हेक्टेयर फसल क्षेत्र डूब गया है। अधिकारियों के अनुसार, प्रशासन ने बाढ़ प्रभावित जिलों में 22 राहत शिविर और 71 राहत वितरण केंद्र स्थापित किए हैं, जहां अब 4,275 लोग शरण ले रहे हैं।

भारत-चीन सीमा क्षेत्र को जोड़ना वाला पुल क्षतिग्रस्त

चमोली। भारत-चीन सीमा को जोड़ने वाले मलारी हाईवे पर गिर्थी नदी पर बना पुल क्षतिग्रस्त हो गया है। जिससे सेना और सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की आवाजाही प्रभावित हो गई है। सीमा क्षेत्र होने के चलते इस पुल पर आम जनता का आवागमन नहीं होता है। जोशीमठ-मलारी हाईवे पर मलारी से सुमना की तरफ आठ किमी आगे ग्रेफ कैंप के पास गिर्थी नदी पर सेना की आवाजाही के लिए पुल बना हुआ है। रविवार सुबह करीब आठ बजे गिर्थी नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया, जिससे पुल की एप्रोच रोड पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है।

मणिपुर में महिला की हत्या, चेहरे पर गोलियां मारी

भीड़ ने ट्रकों में आग लगाई; 10 दिन पहले स्कूल के बाहर महिला को गोली मारी थी

इंफाल। मणिपुर में 3 मई से कुकी और मैतेई समुदाय के बीच हिंसक झड़प हो रही है। शनिवार को इंफाल पूर्वी जिले में एक महिला की घर के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, कुछ हथियारबंद लोग सावोमबुंग इलाके में आए और उन्होंने 50 साल की एक महिला का चेहरा गोलियों से भून दिया। घटना के बाद पुलिस हाई अलर्ट पर है और इलाके की घेराबंदी कर दी गई है। मणिपुर पुलिस के मुताबिक, महिला मरिंग नगा समुदाय से थी। 10 दिन पहले 6 जुलाई को मणिपुर के इंफाल वेस्ट जिले में ऐसी घटना सामने आई थी। जब स्कूल के बाहर एक महिला को गोली मार दी गई थी। शनिवार को मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले में तीन खाली ट्रकों में आग लगा दी गई। यह घटना सेकमाई थाना क्षेत्र के अवांग सेकमाई इलाके में हुई।

हिंसा में 150 से अधिक लोगों की मौत, हजारों घायल

मणिपुर में पिछले 75 दिनों से कुकी और मैतेई समुदाय के एक-दूसरे के खिलाफ हथियार लेकर खड़े हैं। पीटीआई के मुताबिक, हिंसा में अब तक 150 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 1000 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। 65,000 से अधिक लोग अपना घर छोड़ चुके हैं। आगजनी की 5 हजार से ज्यादा घटनाएं हुई हैं। 6 हजार मामले दर्ज हुए हैं और 144 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। राज्य में 36 हजार सुरक्षाकर्मी और 40 आईपीएस तैनात किए गए हैं।

चंद्रयान -3

मिशन चंद्रयान-3 का श्रीहरिकोटा के अंतरिक्षयान से शुक्रवार को प्रक्षेपण किया गया था

चंद्रयान -3 का पहला ऑर्बिट-रेजिंग का 'सफर' पूरा

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अद्वितीय निपुणता और कुशलता से चंद्रयान -3 को चंद्रमा की कक्षा की तरफ ले जाने का 'पहला कदम' (फर्स्ट ऑर्बिट रेजिंग मनूवर) रविवार को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया।

इसरो ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर चंद्रयान-3 को लेकर ताजा जानकारी दी। उसने कहा, चंद्रयान सामान्य स्थिति में है। फ़र्स्ट ऑर्बिट-रेज़िंग का काम पूरा हो गया है। अंतरिक्ष यान अब 41762 किमी × 173 किमी कक्षा में है।

इसरो के वैज्ञानिकों ने चंद्रयान -3 को चंद्रमा की 'पहली कक्षा' में बढ़ाने की

प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की। इस प्रकार की प्रक्रिया चार बार और की जाएगी, जिसके बाद यह चंद्रमा की कक्षा में पहुंचेगा। इसरो ने कहा, अंतरिक्ष एजेंसी 31 जुलाई तक पृथ्वी से जुड़े चार और 'अर्थ बाउंड मनूवर' करेगी जिसके बाद एक अगस्त को ट्रांस लूनर इंसर्शन होगा।

मिशन चंद्रयान-3 का श्रीहरिकोटा के अंतरिक्षयान से शुक्रवार को प्रक्षेपण किया गया था। चंद्रयान -3 के शुक्रवार को लॉन्च के साथ ही भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का तीसरा मून मिशन शुरू हुआ। चंद्रयान-3 को ले जा रहे 642 टन वजनी और 43.5 मीटर ऊंचे रॉकेट एलवीएम3-एम4 ने श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से उड़ान भरी। चंद्रयान-3 के पृथ्वी की कक्षा में पहुंचने के बाद लूनर ट्रांसफर ट्रेजेक्टरी में डाला गया। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यह अगले 42 दिनों में 3,84,000 किमी से अधिक की दूरी तय करते हुए चंद्रमा तक पहुंच जाएगा। इसरो के अध्यक्ष एस .सोमनाथ ने चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण के बाद कहा था, एजेंसी 23 अगस्त को शाम पांच बजकर 47 मिनट पर चांद की सतह पर चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान का तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण सॉफ्ट लैंडिंग की योजना बना रही है।

इसरो का चांद पर यान को 'सॉफ्ट लैंडिंग' कराने यानी सुरक्षित तरीके से यान उतारने का यह मिशन अगर सफल हो जाता है तो भारत चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो जाएगा। अमेरिका, तत्कालीन सोवियत संघ और चीन ने ही यह उपलब्धि हासिल की है। चंद्रयान-3 के चंद्रा की सतह पर 'कदम' रखते ही भारत ऐसी सफलता पाने वाला चौथा देश बन जायेगा।

बोम्मई ने जद (एस) के राजग में शामिल होने के दिए संकेत

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता बसवराज बोम्मई ने रविवार को जनता दल (सेक्युलर) के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल करने के संभावित संकेत दिए। जद (एस) के राजग में शामिल होने की संभावना पर मीडियाकर्मियों के सवाल का जवाब देते हुए बोम्मई ने कहा, यह हमारे नेतृत्व और जद (एस) अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के बीच चर्चा होनी है।

बोम्मई ने जद (एस) के दूसरे नंबर के नेता एचडी कुमारस्वामी द्वारा अपनी भावनाएं व्यक्त करने के बाद कहा कि

इस मुद्दे पर चर्चा होगी। यह घटनाक्रम इस महीने की शुरुआत में श्री अजित पवार सहित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नौ विधायकों के महाराष्ट्र सरकार में शामिल होने के बाद आया है।

इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा ने भी अगले साल लोकसभा चुनाव से पहले जद (एस) के राजग में शामिल होने की संभावना का संकेत दिया था। उन्होंने कहा था कि आने वाले दिनों में भाजपा और जद (एस) मिलकर राज्य में कांग्रेस सरकार से लड़ेंगी।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कुमारस्वामी ने कहा था कि इस संबंध में उचित समय पर फैसला लिया जाएगा।

पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा ने कर्नाटक की 28 में से 25 सीटें जीतकर प्रचंड जीत दर्ज की थी। कांग्रेस, जद (एस) और निर्दलीय ने एक-एक सीट जीती थी।

पटेल ने गिरनार पर्वत की 114 करोड़ की विकास योजना को दी मंजूरी

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सुप्रसिद्ध पर्यटन और तीर्थस्थान गिरनार पर्वत के विभिन्न विकास कार्यों के लिए 114 करोड़ रुपए की विकास योजना को सैद्धांतिक स्वीकृति दी है। सरकारी सूत्रों के अनुसार इन विकास कार्यों के अंतर्गत भवनाथ तलहटी का विकास तथा तलहटी से लेकर गोरखनाथ और दत्तात्रेय की चोटी तक के विकास कार्य शुरू किए जाएंगे। इतना ही नहीं यात्राधाम पावागढ़ की तर्ज पर ही पाथ-वे को दोनों ओर तीन मीटर चौड़ा कर नए सिरे से सीढ़ियों का विस्तार किया जाएगा।

शार्ट न्यूज

कश्मीर घाटी में बारिश, गर्मी से राहत

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कश्मीर घाटी में बारिश होने से गर्म तथा उमस भरे मौसम से लोगों को राहत मिली है और मौसम विभाग ने रविवार को घाटी और जम्मू में और बारिश होने के अनुमान जताए हैं। मौसम विभाग ने कहा कि फिलहाल श्रीनगर, बांदीपोर, गांदरबल, फालगाम-होलीकेव और बनिहाल में बारिश जारी है और अन्य स्थानों पर आसमान में बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग ने बताया कि कश्मीर में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे और जम्मू क्षेत्र के छिटपुट स्थानों पर बार बारिश होने के आसार हैं। मौसम विभाग द्वारा जारी दैनिक मौसम रिपोर्ट में कहा गया है कि 17-20 जुलाई की सुबह या देर दोपहर और शाम को जम्मू-कश्मीर के छिटपुट स्थानों पर बारिश या गरज के साथ बारिश होने के आसार हैं, जबकि 21-22 जुलाई तक जम्मू-कश्मीर के छिटपुट स्थानों पर रुक-रुक कर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान है। मौसम विभाग ने कहा, कुल मिलाकर, 25 जुलाई तक किसी बड़ी बारिश का कोई पूर्वानुमान नहीं है। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में न्यूनतम तापमान 21.6 डिग्री सेल्सियस, काजीगुंड में 19.4 डिग्री, पहलगाम में 16.2 डिग्री, कुपवाड़ा में 17.9 डिग्री, कोकेरनाग में 18.8 डिग्री और गुलमर्ग में 14.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

धार्मिक स्थलों के विकास के लिए प्रतिबद्ध राज्य सरकार : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने धार्मिक यात्रा को हमारे संस्कार और संस्कृति में बताते हुए कहा है कि इनसे दर्शनों के साथ श्रद्धालुओं में आपसी समन्वय, सहयोग और सद्भावना बढ़ती है। गहलोत ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए गांधी नगर रेलवे स्टेशन से कटरा मां वैष्णो देवी यात्रा के लिए जाने वाले दूदू के श्रद्धालुओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी इसी मूल भावना के अनुरूप वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना में प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों को नि:शुल्क तीर्थ यात्राएं करा रही है। उन्होंने श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थ स्थलों की यात्रा कराने के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि दूदू विधायक बाबूलाल नागर द्वारा अपने खर्च पर 1200 श्रद्धालुओं को स्पेशल ट्रेन से यात्रा कराना बड़ी और प्रेरणास्त्रोत पहल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगस्त, 2013 में वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना की शुरूआत की गई थी। उस समय 41 हजार 390 यात्रियों को विभिन्न स्थलों पर दर्शन कराए गए जबकि गत सरकार द्वारा वर्ष 2013 से 2018 में सिर्फ 47 हजार 742 यात्रियों को ही तीर्थ यात्रा कराई गई।

गहलोत ने दी महिला सेंट्रल पाइप बैंड के गठन सहित विभिन्न प्रस्तावों को मंजूरी

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पुलिस में महिला सेंट्रल पाइप बैंड का गठन ,बीकानेर का गुसाईसरबडा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में क्रमोन्नत एवं संचालन के लिए 14 नवीन पदों की स्वीकृति तथा 20 राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालयों में 200 पदों का सृजन करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। गहलोत ने राजस्थान पुलिस अकादमी में बैंड गठन करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस बैंड के लिए 11 नवीन पद सृजित होंगे। नवीन पदों में प्लाटून कमाण्डर (बैण्ड) का 1 पद, हैड कॉन्स्टेबल (बैण्ड) का 1 पद तथा कॉन्स्टेबल (बैण्ड) के 9 पद हैं। उल्लेखनीय है कि श्री गहलोत ने 22 मार्च 2023 को पुलिस अकादमी में आरपीएस प्रशिक्षुओं (53वां बैच) के दीक्षांत परेड समारोह में महिला पाइप बैंड गठन किए जाने की घोषणा की थी। बीकानेर जिले की पंचायत समिति श्रीडूंगरगढ़ का गुसाईसरबडा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में क्रमोन्नत होगा और श्री गहलोत ने इस संबंध के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इसके संचालन के लिए 14 पदों के सृजन को स्वीकृति भी दी है।

संगठन में संपर्क, संवाद,समर्पण और समरसता बढ़ाती है टिफिन बैठक : बाबूलाल मरांडी

रांची। भारतीय जनता पार्टी के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने आज गिरिडीह जिलांतर्गत तिसरी स्थित वर्णवाल धर्मशाला में मंडल एवम बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ टिफिन बैठक में भाग लिया। बैठक को संबोधित करते हुए श्री मरांडी ने कहा कि टिफिन बैठक हमारी कार्यपद्धति का अंग है। ऐसे ही छोटी छोटी बैठकों में संपर्क, संवाद और समर्पण के माध्यम से भाजपा सर्व व्यापी,सर्व स्पर्शी ,सर्व समावेशी बनी है। समाज में समरसता को बढ़ाया है।उन्होंने कहा कि मजबूत भाजपा से ही विकसित झारखंड के स्वप्न को साकार किया जा सकता है। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत विकसित राष्ट्र बनने की ओर तेजी से अग्रसर है। देश की बुनियादी सुविधाओं में गुणात्मक सुधार हो रहे। अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही। स्वावलंबी भारत बनाने केलिए देश की युवाशक्ति को लगातार अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। श्री मरांडी ने कहा कि विकास के साथ देश के सांस्कृतिक विरासत को भी प्रतिष्ठित किया जा रहा।

दरभंगा : पूर्व विधान पार्षद प्रोफेसर विनोद कुमार चौधरी का निधन

दरभंगा। वरिष्ठ समाज शास्त्री एवं पूर्व विधान पार्षद प्रोफेसर विनोद कुमार चौधरी का रविवार की सुबह निधन हो गया । वह 67 वर्ष के थे। चौधरी के अनुज एवं जनता दल यूनाईटेड के विधायक विनय कुमार चौधरी ने बताया कि आज सुबह नित्य क्रिया के बाद उनके भाई की तबियत बिगड़ने पर उन्हें तत्काल स्थानीय आर बी मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरो ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शिक्षा और सामाजिक कार्यों में उनका बड़ा योगदान रहा । वे अपने पीछे पत्नी, दो बेटी समेत भरापुरा परिवार छोड़ गये हैं। उल्लेखनीय है कि विनोद चौधरी ने संवाद एजेंसी भारती, बिहार के आर्यावर्त, इण्डियन नेशन, समकालीन तापमान समेत देश के कई समाचार पत्रों एवं पत्रिकाओं के लिए काम किया है। चौधरी ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष एवं समाज शास्त्र विभाग के अध्यक्ष भी रहे। चौधरी अपने जीवन काल में कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया और संबोधित भी किया। इस बीच श्री चौधरी के निधन पर बिहार विधान सभा अध्यक्ष अवध विहारी चौधरी ने विधान परिषद के पूर्व सदस्य विनोद कुमार चौधरी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

रेलवे ने 35 डीआरएम बदले

देश में कुल 68 रेल मंडल,आधे से अधिक डीआरएम बदले गए

एजेंसी

नयी दिल्ली। रेलवे ने देश के विभिन्न ज़ोनों के 35 मंडलों में नये मंडल रेल प्रबंधकों (डीआरएम) की नियुक्ति की है।

रेलवे बोर्ड ने शनिवार देर रात इस अहम प्रशासनिक फेरबदल के आदेश जारी किए। देश में कुल 68 रेल मंडल हैं। इस प्रकार आधे से अधिक डीआरएम बदले गए हैं।

जिन मंडलों में बदलाव किया गया है उनमें दिल्ली, लखनऊ, झांसी, आगरा, जयपुर, मुरादाबाद, आगरा, भोपाल, बेंगलुरु, हैदराबाद, समस्तीपुर, रांची और चेन्नई भी शामिल हैं।

पटियाला में तैनात मुख्य इलेक्ट्रिकल इंजीनियर सुखविंदर सिंह को डिंपी गर्ग की जगह दिल्ली का नया डीआरएम बनाया गया है। बतौर डीआरएम उनकी यह पहली तैनाती है।

मनीष टपलियाल को लखनऊ और देवाशीष त्रिपाठी को भोपाल का डीआरएम बनाया गया है।

रेलवे बोर्ड ने दीपक कुमार सिन्हा को झांसी, संजय साहू को फिरोजपुर, संजीव कुमार को हावड़ा, जयंत कुमार चौधुरी को दानापुर, विकास पुरवार को जयपुर, विनीत कुमार जैन को वाराणसी, राजकुमार सिंह को मुरादाबाद, तेज प्रकाश अग्रवाल को आगरा, अरुण कुमार चतुर्वेदी को पलक्कड़, विवेक भूषण सूद को सोनपुर, अश्विनी कुमार को राजको, इति पांडे को भुसावल, नरेंद्र आनंदराव पाटिल को विजयवाड़ा और आशीष कुमार को बीकानेर का डीआरएम नियुक्त किया है।

एचएस बाजवा को खुर्दा रोड, अनु मणि त्रिपाठी को भावनगर, शरद श्रीवास्तव को मदुरै, सौरभ प्रसाद को वाल्टेयर, योगेश मोहन को बंगलुरू, विनय श्रीवास्तव को समस्तीपुर, मनीष अग्रवाल को गुंटकल, चेतना नंद सिंह को आसनसोल, सुरेंद्र कुमार को कटिहार, लोकेश बिश्नोई को हैदराबाद, नीरज गुप्ता को रंगिया, अमरजीत गौतम को अलीपुरदुआर, एमएस अनबलगन को तिरुचिरापल्ली, सुधीर कुमार शर्मा को अहमदाबाद, भरतेश कुमार जैन को सिकंदराबाद, इरैया भुक्या विश्वनाथ को चेन्नई का डीआरएम बनाया गया है।

सूत्रों के अनुसार इन मंडलों के निवर्तमान डीआरएम की नयी तैनाती के आदेश जल्द ही जारी किये जाएंगे।

नकली नोट के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार

रतलाम। मध्यप्रदेश के रतलाम में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से पांच-पांच सौ के 70 नकली नोट और नकली नोट बनाने के उपकरण बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ बहुगुणा को सूचना प्राप्त हुई कि भारतीय मुद्रा की हुबहु दिखने वाली नकली मुद्रा बना कर उसे बाजार में चला कर लाभ कमाने के गोरखधंधे में संलिप्त लोग राजस्थान सीमा पर सक्रिय है। सूचना के आधार पर एसपी बहुगुणा ने अधीनस्थ अधिकारियो को नकली नोट बनाकर बाजार में चलाने वालो का भंण्डाफोड कर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसी तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश खाखा एवं अनुविभागीय अधिकारी , जावरा रविन्द्र बिलवाल के मार्गदर्शन में तथा थाना प्रभारी पिपलौदा रेवल सिंह बरडे के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम द्वारा सुखेडा में नकली भारतीय मुद्रा बना कर चलाने और बनाने वाले गिरोह के ठिकानों के बारे में सूचना एकत्रित कर उनके ठिकानों पर दबिश दी गयी।

बंगाल के तृणमूल के जंगल राज को समाप्त करना होगा : सुवेंदु

एजेंसी

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के नेता एवं पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद आतंकवादी गतिविधि का सहारा लेने का आरोप लगाया है और कहा है कि राज्य के तृणमूल के 'जंगल राज' को समाप्त करना होगा।

अधिकारी ने कहा, 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद तृणमूल ने आतंकवादी रणनीति को अपना लिया है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल के खात्मे का समय आ गया है।

शनिवार को हिंसा प्रभावित कई क्षेत्रों का दौरा करने वाले भाजपा नेता ने कहा कि उन्होंने पंचायत चुनाव से प्रभावित कई उम्मीदवारों और भाजपा के कार्यकर्ताओं से मुलाकात की, जो तृणमूल के गुंडों द्वारा की जा रही नासमझी भरी हिंसा का शिकार हो रहे

हैं। उन्होंने कहा, सबसे पहले मैंने हावड़ा जिले के अमता II ब्लॉक में अमोरागोरी ग्राम पंचायत क्षेत्र के काकरोल गांव का दौरा किया। मैं यह देखकर दंग रह गया कि कैसे दो महिला उम्मीदवारों और छह अन्य कार्यकर्ताओं के घर तृणमूल के गुंडों द्वारा जानबूझकर आग लगाए जाने के बाद जलकर राख हो गए।

उन्होंने कहा, हमेशा की तरह पुलिस ने मदद के लिए उनकी गुहार नहीं सुनी। मैंने उन्हें आश्वासन दिया है कि उनके घरों का पुनर्निर्माण किया जाएगा और मैं न्याय कानूनी लड़ाई लड़ने में उनकी मदद करूंगा।

मदुरै में नए आईटी भवन का उद्घाटन

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मदुरै के वडापलंजी के एल्कोसेज़ में पिनेकल इन्फोटेक सॉल्यूशंस के एक नए सूचना प्रौद्योगिकी भवन का उद्घाटन किया। राज्य के स्वामित्व वाली इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ तमिलनाडु (ईएलसीओटी) ने मदुरै में सुविधा के लिए 34.09 एकड़ भूमि आवंटित की है। पिनेकल इन्फोटेक सॉल्यूशंस ने 1,80,000 वर्ग फुट की कुल निर्मित जगह पर निर्माण का अपना पहला चरण पूरा कर लिया है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि 120 करोड़ रुपये का निवेश और 950 पेशेवरों के लिए रोजगार की पेशकश की गई है। यह अत्याधुनिक आईटी भवन वर्ष 2026 तक लगभग 6,000 पेशेवरों के लिए रोजगार की पेशकश करके स्थानीय समुदाय पर पर्याप्त प्रभाव पैदा करेगा, जो क्षेत्र के रोजगार परिदृश्य में महत्वपूर्ण योगदान देगा। आईटी भवन का उद्घाटन आईटी क्षेत्र के लिए एक उभरते केंद्र के रूप में मदुरै की यात्रा में एक महत्वपूर्ण क्षण का प्रतीक है, इसके अलावा क्षेत्र के तकनीकी बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना।

अमरनाथ मार्ग पर पत्थर गिरने से महिला तीर्थयात्री की मौत

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में अमरनाथ यात्रा मार्ग के संगम शीर्ष पर शनिवार को पत्थरों के गिरने की घटना में एक महिला तीर्थयात्री की मौत हो गई और जम्मू-कश्मीर पुलिस की माउंटेन रेस्क्यू टीम (एमआरटी) के दो जवान घायल हो गए।

अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। मृतक तीर्थयात्री की पहचान लक्ष्मी नारायण की बेटी उर्मिलाबेन (53) के रूप में हुई है जो अमरनाथ मार्ग पर संगम टॉप और निचली गुफा के बीच पत्थर गिरने गंभीर रूप से घायल हो गई थी।

घायल महिला का बचाने की कोशिश कर रहे जम्मू-कश्मीर पुलिस की दो सदस्यीय माउंटेन रेस्क्यू टीम, (एमआरटी) जिसमें वरिष्ठ ग्रेड कांस्टेबल मोहम्मद सलेम और मोहम्मद यासीन शामिल थे, के दोनों सदस्य भी ऑपरेशन के दौरान गंभीर रूप से घायल हो गए।

उन्होंने बताया कि घायल महिला तीर्थयात्री ने बाद में दम तोड़ दिया।

यात्रा ड्यूटी पर तैनात घायल पुलिस कर्मियों को सेना की ओर से एक निजी हेलीकॉप्टर से निकाला गया।

खराब मौसम के कारण रविवार को अमरनाथ यात्रा अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गई।

मार्ग में कई स्थानों पर बारिश के बीच फिसलन भरी स्थिति के कारण किसी भी तीर्थयात्री को नुनवान और बालटाल आधार शिविरों से गुफा मंदिर की ओर जाने की अनुमति नहीं दी गई।

जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) दिलबाग सिंह ने तीर्थयात्री की मौत पर शोक व्यक्त किया है और शोक संतप्त परिवार के प्रति सहानुभूति व्यक्त की है। डीजीपी ने दोनों पुलिसकर्मियों की प्रतिबद्धता की सराहना की और त्वरित निकासी में शामिल सभी लोगों को धन्यवाद दिया। उन्होंने जवानों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की।

चंद्रभागा नदी में बढा जलस्तर, जोबरंग पुल पर से पानी बहने से आवाजाही ठप

केलांग। हिमाचल प्रदेश में जाहलमा नाला में बढ़ रहे जलस्तर से चंद्रभागा नदी के बहाव में अवरोध पैदा होने के कारण जोबरंग पुल के ऊपर से बह रहा था जिससे देर रात तक पुल से आवाजाही अवरुद्ध हो गई।

यह जानकारी जनजातीय जिला लाहौल स्पीति के उपायुक्त राहुल कुमार ने रविवार को यहां दी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण भयभीत हो गए थे लेकिन रात को ही जलस्तर कम हो गया। घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन ने राजस्व विभाग की टीम को मौके पर भेजकर जायजा लेने के निर्देश जारी किए। पुल के साथ गांव की तरफ मार्ग धसने से हल्के वाहनों

की आवाजाही भी एतियात के तौर पर रोक दी गई थी।

उपायुक्त की अगुवाई में अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग, वन मंडल अधिकारी, सहायक आयुक्त, एसडीएम केलांग की संयुक्त टीम ने जोबरंग पुल का जायजा लिया और ग्रामीणों को कहा कि भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है जलस्तर बढ़ने से पुल को कोई भी नुकसान नहीं हुआ है, खतरे की कोई भी बात नहीं है।

गौरतलब है कि लाहौल घाटी में किसानों की नकदी फसल मटर आइसबर्ग लेट्यूस की फसल तैयार हुई और ग्रामीण इसे सब्जी मंडियों में लें जा रहें।

नदी में बने बांध से शव निकालने उतरे टीआई की डूबने से मौत

देवास। मध्यप्रदेश के देवास जिले के नेमावर थाने के टीआई राजराम वास्कले की आज दोपहर नदी में बने बांध में डूबने से मौत हो गयी। वह शव निकालने नदी में बने बांध में उतरे थे, तभी वह गहरे पानी में डूब गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार नेमावर थाना क्षेत्र स्थित जामनेर नदी के बांध में एक शव देखे जाने की सूचना मिली। इस पर थाना प्रभारी श्री वास्कले पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। वह और एक अन्य साथी शव निकालने के लिए नदी के बांध में उतरे, तभी वह गहरे पानी में डूब गए। उन्हें वहां खड़े लोगों ने निकाला और बेहोशी की हालत में हरदा जिला चिकित्सालय ले जाया गया, वहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

अवैध शराब के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई, 750 पेटी शराब जब्त

शिमला। हिमाचल राज्य कर एवं आबकारी विभाग ने अवैध शराब के कारोबार को पनपने न देने के लिए पूरे प्रदेश में अभियान को और तेज कर दिया है। इस अभियान के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों की गठित टीमें अलग-अलग जगह कारवाई कर रही हैं, वहीं विभाग की एक विशेष टीम ने भी पूरे प्रदेश में अवैध शराब के कारोबारियों पर शिकंजा कसा है।

आबकारी आयुक्त यूनुस ने रविवार को यहां बताया कि इस विशेष अभियान में टीम ने जिला बिलासपुर में गुप्त सूचना के आधार पर अलग-अलग जगह छापेमारी कर लगभग 408 पेटी अंग्रेजी व देशी अवैध शराब अपने कब्जे में ली। उन्होंने बताया कि इस कार्रवाई में आबकारी अधिनियम 2011 की धारा 43 के अन्तर्गत 20 मामले तथा धारा 39 के अंतर्गत एक मामला दर्ज किया गया।

विभाग ने धारा 39 के अंतर्गत दर्ज किए गए मामले में पुलिस थाना झंडूता जिला बिलासपुर में प्राथमिकी भी दर्ज कर दी है। इस मामले में टीम ने एक अवैध गोदाम में रखी 210 अंग्रेजी व देसी शराब की पेटियों को जब्त कर पुलिस के हवाले कर दिया।

आबकारी आयुक्त ने बताया कि अवैध शराब की इस धरपकड़ में सभी जिलों की टीमों द्वारा अलग-अलग 196 मामलों में लगभग 750 पेटियां अवैध शराब पकड़ी गई है। इसके अतिरिक्त 47087.00 लीटर लाहन भी पकड़ी गई तथा आबकारी अधिनियम के अंतर्गत करवाई कर नष्ट की गई।

साहा ने की प्लास्टिक मुक्त अभियान की शुरुआत

अगरतला। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने रविवार को मुख्य सचिव से सरकारी कार्यालयों, अदालतों, विद्यालयों, महाविद्यालयों और संस्थानों को प्लास्टिक मुक्त बनाने के अभियान को सख्ती से लागू करने के लिए निर्देश जारी करने को कहा।

साहा ने कहा कि प्लास्टिक मुक्त त्रिपुरा मिशन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फैसले के अनुरूप है जिन्होने पिछले साल जुलाई से पूरे देश में एकल-उपयोग प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध की घोषणा की थी। उन्होंने अभियान की शुरुआत करते हुए राज्य के लोगों से प्लास्टिक का उपयोग बंद करने का आग्रह किया, जो समाज के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा, प्लास्टिक पर निर्भर जीवन शैली शरीर में विभिन्न बीमारियों को जन्म दे सकती है, जो इसे लत से भी अधिक हानिकारक बनाती है। प्लास्टिक के जहरीले कणों से कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

तमिलनाडु ने राज्य में एमबीबीएस की रैंक सूची जारी की

चेन्नई। तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री मा.सुब्रमण्यम ने रविवार को मेडिकल और डेंटल पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए रैंक सूची जारी की।

सुब्रमण्यम ने पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों 6,326 एमबीबीएस सीटें इस साल प्रवेश के लिए उपलब्ध हैं।राज्य के डेंटल कॉलेजों में बीडीएस सीटों की कुल संख्या 1,768 है।पिछले साल राज्य ने सरकारी कोटे के तहत कुल 6,067 एमबीबीएस सीटें और 1,380 बीडीएस सीटें आवंटित की थीं।इस वर्ष मेडिकल कॉलेजों में 7.5 प्रतिशत

कोटा के लिए यूजी मेडिकल सीटों की कुल संख्या एमबीबीएस के लिए 473 सीटें और बीडीएस के लिए 133 सीटें हैं। मंत्री ने कहा कि 2020-21 में 7.5 प्रतिशत सरकारी कोटा के तहत 435 सीटें आवंटित की गईं, जबकि 2021-22 में 555 और 2022-23 में 584 सीटें आवंटित की गईं। सुब्रमण्यन ने कहा कि एमबीबीएस के लिए 1,509 प्रबंधन कोटा सीटें और बीडीएस के लिए 395 सीटें उपलब्ध हैं। 36 सरकारी मेडिकल कॉलेज, एक ईएसआई मेडिकल कॉलेज, 21 स्व-वित्तपोषण मेडिकल कॉलेज और 13 डीम्ड विश्वविद्यालय हैं, जो 11,475 एमबीबीएस सीटों और 2,150 बीडीएस सीटों के साथ तमिलनाडु में कुल 71 मेडिकल कॉलेज हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लगातार एनईईटी का विरोध कर रही है और उन्होंने देहरादून में राष्ट्रीय स्वास्थ्य सम्मेलन के दौरान एनईईटी छूट की मांग करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडव्य को एक ज्ञापन दिया है। एनईईटी छूट की मांग के लिए हमारी याचिका के आधार पर स्पष्टीकरण मांगने के बाद राज्य सरकार ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को जवाब दिया है और राज्य स्वास्थ्य विभाग उच्च शिक्षा विभाग और आयुष मंत्रालय ने स्पष्टीकरण दिया है। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि इस पर निर्णय लेने के लिए मुझे और स्वास्थ्य सचिव को जल्द ही नई दिल्ली बुलाया जाएगा। हमारा मानना है कि संबंधित विभागों के साथ एक संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी।

कांग्रेस केवल मां-बेटे की पार्टी बाकी सब कांट्रेक्ट पर : नड्डा

यूपीए में यू का मतलब उत्पीड़न, पी का मतलब पक्षपात और ए का मतलब अत्याचार

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने कांग्रेस की यूपीए सरकार का मतलब उत्पीड़न, पक्षपात और अत्याचार बताते हुए कहा है कि कांग्रेस केवल मां-बेटे की पार्टी बनकर रह गई और उसके मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट सहित अन्य सब नेता कांट्रेक्ट पर हैं।

नड्डा रविवार को यहां बीलवा में भाजपा के राज्य की कांग्रेस सरकार के खिलाफ नहीं सहेगा राजस्थान आंदोलन की शुरुआत करने के बाद रैली को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने यूपीए के बारे में बताते हुए कहा कि यूपीए में यू का मतलब उत्पीड़न, पी का मतलब पक्षपात और

ए का मतलब अत्याचार है, इसलिए यूपीए की सरकार उत्पीड़न, पक्षपात और अत्याचार करने वाली सरकार है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने प्रोग्रेसिव डेमोक्रेटिक अलायंस (पीडीए) का नया शिगूफा छोड़ा है लेकिन पीडीए का मतलब है- प्रोटेक्शन ऑफ़ डायनेस्टिक अलायंस। ये अपने-अपने परिवार को बचाने के लिए गठबंधन बना रहे हैं। कांग्रेस माँ, बेटा और बेटी की पार्टी है, बाकी सब कॉन्ट्रैक्ट पर है। अशोक गहलोत भी कॉन्ट्रैक्ट पर हैं और सचिन पायलट भी। नड्डा ने राज्य की कांग्रेस पर उसके शासन में भ्रष्टाचार, लूटने, दलितों एवं महिलाओं पर अत्याचार होने का

> ▸ कांग्रेस माँ, बेटा और बेटी की पार्टी है, बाकी सब कॉन्ट्रैक्ट पर है, अशोक गहलोत भी कॉन्ट्रैक्ट पर हैं और सचिन पायलट भी

आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा ने तय किया है कि अगले 15 दिनों तक नहीं सहेगा राजस्थान अभियान को लेकर पूरे प्रदेश में हर विधानसभा में अभियान चलाया जाएगा क्योंकि कांग्रेस की गहलोत सरकार लूटने वाली सरकार है। गरीबों का हिस्सा चोरी करना, सरेआम भ्रष्टाचार करना, भ्रष्टाचार के नित नए रिकॉर्ड बनाना - यही कांग्रेस की गहलोत सरकार का चाल, चलन और चरित्र है। उन्होंने कहा कि लूटने वाली, अत्याचारी और कुशासन वाली राजस्थान की कांग्रेस सरकार को सत्ता में रहने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि ऐसी सरकार को आगामी नवंबर माह में जनता इसे बाहर का रास्ता दिखा देगी। उन्होंने कांग्रेस की गहलोत सरकार का "फेल कार्ड" भी जारी किया। उन्होंने कहा कि आज से शुरु हुए नहीं सहेगा राजस्थान यह अभियान पूरे प्रदेश में चलाया जायेगा और इसके तहत भाजपा राज्य के दो करोड़ लोगों से संपर्क साधेगी और कांग्रेस की गहलोत सरकार की पोल-पट्टी खोलेगी।

बारिश के कारण प्रभावित रेल यातायात सुचारू

जयपुर। उत्तर रेलवे द्वारा भारी बारिश के कारण प्रभावित रेल यातायात को बहाल कर दिया गया है । उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार उत्तर पश्चिम रेलवे पर प्रभावित रेल यातायात के बहाल होने के बाद गाडी संख्या 14322 भुज-बरेली रविवार से संचालित की गई है। इसी तरह गाडी संख्या 14321 बरेली-भुज 17 जुलाई , गाडी संख्या 14723 कानपुर-भिवानी, गाडी संख्या 14724 भिवानी-कानपुर एवं गाडी संख्या 15014 काठगोदाम-जैसलमेर रविवार से संचालित की जा रही है। गाड़ी संख्या 15624 कामाख्या भगत की कोठी, जो 14 जुलाई को कामाख्या से रवाना हुई है, वह परिवर्तित मार्ग के स्थान पर अपने निर्धारित मार्ग पर ही संचालित की जा रही है।

बाढ़ प्रभावित उत्तर बंगाल में भेजी जा रही है आपदा प्रबंधन टीम : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बाढ़ प्रभावित उत्तर बंगाल में सोमवार को एक उच्च स्तरीय आपदा प्रबंधन टीम भेज रही हैं। बनर्जी ने रविवार को ट्विटर पर कहा, मैं अपने सिंचाई मंत्री के नेतृत्व में बाढ़ प्रभावित उत्तर बंगाल में कल एक उच्च स्तरीय आपदा प्रबंधन टीम भेज रही हूं, जिसमें आपदा प्रबंधन, सिंचाई और कृषि सचिव भी शामिल होंगे। उत्तर बंगाल के जिलों में भारी बारिश हुई है, नदियां उफान पर हैं, सड़कें बाधित हो गई हैं, संपत्तियों को नुकसान पहुंचा है, लोग फंस गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, डीएम और एसपी एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की मदद से युद्ध स्तर पर राहत और बचाव कार्य कर रहे हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से निगरानी कर रही हूं और अपने सीएस

को चौबीसों घंटे क्षेत्र की स्थिति की निगरानी करने का निर्देश दिया है। कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि तीव्र मानसूनी बारिश के कारण असम, सिक्किम और उत्तरी बंगाल के कई हिस्सों में भूस्खलन और बाढ़ आई है, जिससे अधिकारियों को बचाव प्रयास और राहत अभियान चलाने पड़े।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने उत्तर बंगाल और सिक्किम के लिए रेड अलर्ट जारी किया है।

शार्ट न्यूज

यमुना नदी में नहाने उतरे दो किशोर लापता

जेवर। जेवर के दनकौर कोतवाली क्षेत्र में स्थित मकनपुर खादर गांव के नजदीक यमुना नदी में नहाने के लिए उतरे किशोर समेत 2 लोग लापता हो गए हैं। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और एसडीआरएफ की टीम दोनों की तलाश में जुटी हुई है। लेकिन समाचार लिखे जाने तक दोनों का कोई सुराग नहीं लग पाया है। दनकौर कोतवाली क्षेत्र के मकनपुर खादर गांव निवासी 21 वर्षीय धीरज व उनका पड़ोसी संजीत (17) वर्ष रविवार की सुबह घर से यमुना नदी में आ रही बाढ़ को देखने गए थे। जिनके साथ कुछ और अन्य लोग भी मौजूद थे। उसी दौरान दोनों कपड़े उतार के यमुना नदी में नहाने के लिए घुस गए। नहाते वक्त अचानक दोनों को दिखाई देना बंद हो गया। काफी देर तक जब दोनों का कोई पता नहीं चल पाया तो किनारे खड़े लोगों ने मामले की सूचना उनके परिवार के लोगों को दी। जिसके बाद परिवार के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस और एनडीआरएफ की टीम दोनों की तलाश में जुटी हुई है। लेकिन अभी तक दोनों का कोई सुराग नहीं चल पाया है। बताया जाता है कि यमुना नदी काफी गहराई में गांव के नजदीक है। साथ ही बाढ़ के आने की वजह से यमुना उफान पर है। मौके पर ग्रामीण और पुलिस विभाग के अधिकारी पहुंच गए हैं।

वाट्सएप पर लिंक भेजकर एक लाख की ठगी

जेवर। जेवर के दनकौर कोतवाली क्षेत्र में एक युवक के व्हाट्सएप पर लिंक भेजकर आरोपी ने उसके खाते से करीब 1 लाख रुपये उड़ा दिए। मामले की जानकारी होने पर पीड़ित ने कोतवाली में स्थित साइबर सेल में मामले की शिकायत की है। उसने पुलिस से आरोपी को पकड़कर रुपये वापस दिलाने की मांग की है। पीड़ित राजेंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि शनिवार को एक युवक की कॉल आई। जिसमें कॉल करने वाले ने उनको अपना परिचित बताते हुए उनके खाते में कुछ रकम भेजने की बात कही। जिसके बाद आरोपी ने पीड़ित को व्हाट्सएप पर एक लिंक भेजा। जिसको ओपन करने के बाद आरोपी द्वारा बताए गए तरीके पीड़ित ने अपनाएं। जिसके बाद उनके खाते से करीब 1 लाख रुपये की रकम गायब हो गई। इसके बाद पीड़ित ने आरोपी को फोन किया। लेकिन आरोपी ने फोन रिसीव नहीं किया। पीड़ित ने कोतवाली पहुंचकर रविवार को आरोपी के खिलाफ शिकायत की। इस बारे में कोतवाली प्रभारी दनकौर संजय सिंह का कहना है कि पीड़ित की शिकायत ले ली गई है। जिसके आधार पर जांच कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साइबर अपराध के मामले आए दिन बढ़ते जा रहे हैं। उसके बावजूद भी लोग जागरुक नहीं हो रहे हैं। अधिकांश मामले ऐसे देख गए हैं, जिनमें आरोपियों के झांसे में फंसकर लोग लालच के चक्कर में अपनी रकम उड़ा देते हैं। इसके बावजूद भी लोग ध्यान नहीं दे रहे हैं।

बाढ़ से निपटने के लिए दो साल से नहीं हुई एपेक्स कमेटी की बैठक

नई दिल्ली। राजधानी में बाढ़ से निपटने लायक बुनियादी ढांचे को तैयार करने के लिए दो साल से एपेक्स कमेटी की बैठक ही नहीं हुई। इस कारण बिना रणनीति तैयार किए राजस्व विभाग बाढ़ रोकने में जुटा हुआ है। इसे लेकर उपराज्यपाल कार्यालय ने दिल्ली सरकार पर निशाना साधा है। उपराज्यपाल कार्यालय के सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनके मंत्री दिल्ली में आई बाढ़ के लिए दूसरों को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं, जबकि वे खुद इसके लिए दोषी हैं। दिल्ली में बाढ़ नियंत्रण और बचाव के लिए एपेक्स कमेटी की बैठक होनी चाहिए। यह बैठक जून के अंत तक हर हाल में हो जानी चाहिए, लेकिन मुख्यमंत्री ने दो साल से बैठक ही नहीं बुलाई। बिना बैठक के ही राजस्व विभाग की एक फाइल आगे बढ़ा दी। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली इस हाई पावर कमेटी में दिल्ली सरकार के सभी मंत्री, सांसद, चार विधायक, मुख्य सचिव, पुलिस आयुक्त, डीडीए के उपाध्यक्ष, एमसीडी कमिश्नर, एनडीएमसी के चेयरमैन, सीईओ-डीजेबी जीओसी, भारतीय सेना, केंद्र सरकार के अधिकारी सहित अन्य शामिल होते हैं। ये कमेटी बाढ़ के खतरे व अन्य का आकलन कर तैयारियां करती हैं। मंडलायुक्त ने जून में मुख्यमंत्री से सुझाव देने का अनुरोध किया। साथ ही, बैठक के लिए समय मांगा। यह फाइल राजस्व मंत्री आतिशी के माध्यम से सीएम को सौंपी गई, लेकिन मुख्यमंत्री ने इस फाइल को देखा तक नहीं। चार दिनों तक फाइल को रोकने के बाद मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री की इच्छा है कि राजस्व मंत्री बैठक बुलाएं।

दूधेश्वरनाथ पांच लाख से अधिक कांवड़ियों ने चढ़ाया हाजिरी का जल

गाजियाबाद। शिवरात्रि पर शनिवार को शहर के प्राचीन शिव मंदिर दूधेश्वरनाथ में दो लाख से अधिक कांवड़ियों ने हाजिरी का चल चढ़ाया। पूरा शहर हर-हर महादेव और बम-बम से गूंज उठा। लोगों ने आस्था का जल चढ़ाकर अपनी और परिवार की खुशहाली का आशीर्वाद लिया। कांवड़ियों की सुविधा के लिए स्थानीय प्रशासन की ओर से पांच कॉरिडोर बनाकर भक्तों के भगवान भोलेनाथ के दर्शन कराए। शुक्रवार रात से ही शहर में बनाए गए शिविरों में कांवड़िये जुटने लगे थे। शनिवार को सुबह छह बजे रात साढ़े आठ बजे तक हाजिरी का जल चढ़ाया गया। रात 8.32 बजे के बाद चतुर्दशी का जल चढ़ना शुरू हुआ जो पूरी रात चला। कई कांवड़ियों के जल भीड़ में छलक गए तो पुलिस की ओर से गंगाजल मुहैया कराया गया। मंदिर परिसर और बाहर जलाभिषेक का एलईडी पर लाइव प्रसारण कराया गया। व्यवस्था पर निगरानी रखने के लिए पुलिस-प्रशासन और नगर निगम के अधिकारी मुस्तैद रहे। मंदिर प्रबंधन और सिविल डिफेंस के लोगों ने व्यवस्था संभाली। पुलिस कमिश्नर अजय मिश्रा, महापौर सुनीता दयाल, डीएसपी निपुण अग्रवाल, नगर आयुक्त डॉ. नितिन गौड़ ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया और व्यवस्था का जायजा लिया। महंत ने बताया कि रविवार को पूरे दिन चतुर्दशी का जल चढ़ेगा। करीब दो लाख श्रद्धालुओं के और पहुंचने की उम्मीद है।

कंपनी को लगाई 15 लाख की चपत

गुरुग्राम। आईएमटी मानेसर थाना क्षेत्र में एचआर स्टाफ व सुपर वाइजर ने रिश्तेदारों को वेतन देकर कंपनी को 15 लाख की चपत लगाने का मामला सामने आया है। शिकायत के बाद आईएमटी थाना पुलिस ने गबन का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में एक कंपनी के एचआर प्रबंधक बिजेंद्र पाल ने बताया कि उनकी कंपनी ने आर एस इंटरनेशनल कंपनी को कांट्रेक्टर दिया हुआ है। कांट्रेक्टर कंपनी के सुपरवाइजर अनिल कुमार और एचआर कर्मचारी ने मिलकर कंपनी में 15 लाख रुपये का गबन किया है। जब कंपनी में ऑडिट कराई गई तो सामने आया कि एचआर स्टाफ सतपाल, निर्मल ने अनिल से मिलकर अपने कई रिश्तेदारों को कर्मचारी दिखाया हुआ है। आरोपियों की ओर से रिश्तेदारों के खाते में वेतन ट्रांसफर किया गया है। कंपनी प्रबंधन की ओर से जब आरोपियों को फोन फोन किया गया तो उनके फोन बंद मिले। वहीं 9 जून को सतपाल ने उन्हें बताया कि उन्होंने यह गलती की है और वह ठगी किए गए रुपयों को वापस कर देगा।

तालाब पाटकर बना दिया एक्सप्रेसवे, एनजीटी ने तीन अक्टूबर तक मांगा जवाब

गुरुग्राम। दिल्ली- मुंबई एक्सप्रेस वे के निर्माण के लिए गुरुग्राम में पेड़ों को काटने और नूंह में तालाब की जमीन का इस्तेमाल करने के मामले में राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को तीन अक्टूबर तक तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा है। साथ ही इस मामले में कार्रवाई करने के लिए भी कहा है। एनजीटी अध्यक्ष शेओ कुमार सिंह, न्यायिक मजिस्ट्रेट अरुण कुमार त्यागी और विशेषज्ञ सदस्य डॉ. ए. सेंथिल वेल की तीन न्यायाधीशों की पीठ मामले की सुनवाई कर रही है। अगली सुनवाई तीन अक्टूबर को होनी है। इस संबंध में पर्यावरण कार्यकर्ता प्रेम मोहन गौड़ ने एनजीटी के समक्ष याचिका प्रस्तुत की थी। इसमें आरोप लगाया है कि एनएचएआई ने छह लेन दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे बनाने के लिए नूंह के किरंज गांव में दो एकड़ के तालाब के जल ग्रहण क्षेत्र का उपयोग किया है। राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने भी स्वीकार किया है कि इस संबंध में एनएचएआई से प्रतिक्रिया मांगी जानी चाहिए और उपचारात्मक उपाय करने के लिए निर्देशित किया जाना चाहिए।

केजरीवाल को मिला कांग्रेस का साथ

विपक्षी एकता मीटिंग से एक दिन पहले फैसला; आप बोली- बैठक में शामिल होंगे

नई दिल्ली। 2024 लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी दल 17-18 जुलाई को बेंगलुरु में मीटिंग करेंगे। मीटिंग से एक दिन पहले रविवार को कांग्रेस ने दिल्ली में अफसरों के ट्रांसफर-पोस्टिंग को लेकर केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ आम आदमी पार्टी का समर्थन करने की घोषणा कर दी।

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा- केंद्र सरकार के अध्यादेश के खिलाफ हम संसद में आप का समर्थन करेंगे। कल बेंगलुरु में होने वाली विपक्षी एकता की मीटिंग में आप भी शामिल होगी। कांग्रेस के फैसले पर आप सांसद राघव चड्ढा बोले- यह एक अच्छी पहल है।

कांग्रेस के इस ऐलान के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक हुई। जिसमें राघव चड्ढा, गोपाल राय, आतिशी पार्टी जैसे कई नेता मौजूद रहे।

बैठक में आप ने तय किया कि वो विपक्ष की बैठक में शामिल होगी।

20 जुलाई को संसद का मानसून सत्र शुरू होने वाला है। केंद्र सरकार इस सत्र में 21 बिल लाने वाली है, जिसमें दिल्ली में अफसरों के ट्रांसफर-पोस्टिंग के अधिकार को लेकर 20 मई को लाया गया अध्यादेश भी शामिल है। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल इस अध्यादेश के खिलाफ विपक्ष का समर्थन जुटा रहे हैं।

इससे पहले 23 जून को पटना में बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने विपक्षी दलों की बैठक बुलाई थी। इसमें आप समेत 17 दल शामिल हुए थे। तब बैठक में केजरीवाल ने कहा था कि कांग्रेस ने अगर अध्यादेश पर हमारा समर्थन नहीं किया तो हम विपक्ष की बैठक में नहीं आएंगे।

यमुना बैंक मेट्रो स्टेशन पर एंट्री-एग्जिट फिर शुरू

नई दिल्ली। यमुना नदी के जलस्तर में कमी आने के बाद दिल्ली मेट्रो के ब्लू लाइन कॉरिडोर पर स्थित यमुना बैंक मेट्रो स्टेशन के एंट्री और एग्जिट गेट यात्रियों के लिए फिर से खोल दिए गए हैं। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने रविवार को ट्वीट कर इस बारे में जानकारी दी है। यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण गुरुवार 13 जुलाई को स्टेशन पर एंट्री और एग्जिट बंद कर दिया गया था। जानकारी के अनुसार, यमुना नदी पिछले एक सप्ताह से उफान पर है, जो बुधवार को बढ़कर खतरे के निशान को पार करते हुए 207.71 मीटर तक पहुंच गई, जिसने 1978 में बनाए गए 207.49 मीटर के अपने सर्वकालिक रिकॉर्ड को तोड़ दिया और दिल्ली के कई प्रमुख इलाकों में बाढ़ आ गई। दिल्ली में यमुना का जलस्तर गुरुवार के 208.66 मीटर से घटकर शुक्रवार रात 11 बजे 207.98 मीटर पर आ गया, जो खतरे के निशान 205.33 मीटर से तीन मीटर ऊपर है। रविवार को नदी का जलस्तर 205.98 मीटर दर्ज किया गया।

दाखिले के लिए मिली सीट नहीं स्वीकारी तो हो जाएंगे प्रक्रिया से बाहर

नई दिल्ली। संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) का परिणाम जारी होने के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में शैक्षणिक सत्र 2023-2024 के लिए दाखिला प्रक्रिया तेज हो गई है। स्नातक पाठ्यक्रम में कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम (सीएसएएस) के तहत छात्रों को मिली सीट को स्वीकार करना होगा। ऐसे में कोई छात्र चयन के बाद भी सीट को नहीं स्वीकार करता है तो वह दाखिला प्रक्रिया से बाहर हो जाएगा।

डीयू ने छात्रों को दाखिले के लिए दस्तावेज तैयार करने के लिए कहा है। दाखिले से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि छात्र को सीट मिलने के बाद उसे स्वीकार करना चाहिए। अगर वह ऐसा नहीं करता है तो वह दाखिला प्रकिया से बाहर हो सकता है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने दिल्ली के केंद्रीय विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2023-2024 में सीयूईटी से प्रवेश लेने वाले छात्रों की सहूलियत के मद्देनजर हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। डीयू के लिए 6202627366, जेएनयू के लिए 8808508809, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के लिए 8340799704 व लालबहादुर शास्त्री नेशनल संस्कृत यूनिवर्सिटी के लिए 8826905727 नंबर जारी किए हैं। इन नंबर पर छात्र संपर्क कर किसी भी समस्या व जानकारी से संबंधित सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

अभाविप ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय में कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम के तहत प्रवेश होगा, जिसकी प्रक्रिया सामान्य से थोड़ी जटिल है। ऐसे में डीयू आने वाले छात्रों को उलझन का सामना करना पड़ सकता है।

डा. महेश शर्मा ने बाढ़ से प्रभावित इलाकों का दौरा किया

गौतमबुद्धनगर। सांसद गौतमबुद्धनगर एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री डा. महेश शर्मा ने बाढ से प्रभावित जेवर विधानसभा के रामपुर बांगर, जेवर खादर, गोविंदगढ़, कानीगढ़ी, झुप्पा एवं पूरननगर, चौरोली, लतीफ्पुर, मकनपुर खादर, अट्टा फ्तेहपुर एवं औरंगपुर गांवों का दौरा कर क्षेत्रवासियों से मिलकर उनका हालचाल जाना व स्थानीय जिला-प्रशासन के उच्चाधिकारियों के साथ बाढ़ की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की और आगामी राहत एवं बचाव कार्यक्रमों के बारे में चर्चा किया उनके समस्याओं के निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। केन्द्र की सरकार एवं प्रदेश कि सरकार के मुखिया भी बाढ़ प्रभावित क्षेत्र को लेकर चिंतित है। किसान / ग्रामवासियों ने बताया कि हमारी फसल का भी बाढ़ एवं जलमग्न से बहुत बड़ा नुकसान हुआ है। क्षेत्र के गौषाला एवं मवेषियों को भी एवं खेत में काम करने वाले मजदूर इस बाढ़ से प्रभावित हुये है जिसकी वजह से इन सबको खाने-पीने एवं रहने की समस्या उत्पन्न हो गयी है। हमारा माननीय सांसद जी से अनुरोध है कि हमारे इस नुकसान की भरपाई के लिये जिला प्रषासन एवं राज्य सरकार द्वारा हमे जल्द से जल्द आर्थिक मदद एवं सहायता प्रदान की जायें। हमारी फसल का आकलन कर उसका भुगतान कराया जाये क्योंकि हम किसान खेती मजदूर फसल पर ही आश्रित रहते है। चौरोली गांव में पोखर की सफाई एवं सौन्दर्यीकरण के लिये भी अधिकारियों को जल्द से जल्द कार्य पूरे करने के निर्देष दिये।

सांसद ने इस मुश्किल वक्त में क्षेत्र के किसानों एव खेती मजदूरों के हर संभव मदद कर इस समय उत्पन्न हुयी प्राकृतिक आपदा की समस्या से जो भी लोगो की क्षति हुयी है उसको शासन एवं प्रदेष सरकार से वार्ता कर जल्द ही समस्या का समाधान किया जायेगा। कई वर्षो के बाद ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई है इसके लिये भी उच्चाधिकारियों से वार्ता की जायेगी कि आने वाले समय में ऐसी आपदाओं से निपटने के लिये पहले से ही उचित इंतजाम किये जाये जिससे जनता को कम से कम नुकसान हो। एक दिन पहले नोएडा सैक्टर 135 की तरफ जलभराव से गौषाला में जाकर वहां के हालात जाने वहां पर गायों की स्थिति देख अधिकारियों को निर्देषित किया कि तत्काल गायों को उचित स्थान पर रखा जायें जिससे मवेषियों को किसी प्रकार कि कोई घटना न हो और उनके हरे चारे का भी इंतजाम किया जायें इसके लिये मैं स्वयं जो मदद होगी वह करूंगा और कई संस्थाओं से भी कहकर इसमें मदद करायी जायेगी। जो लोग इस बाढ के कारण प्रभावित हुये है प्रषासन के सहयोग से उनको पूरी मदद दिलायी जायेगी। क्षेत्र में दौरा करने के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, देवा भाटी, सतपाल तालान सांसद प्रतिनिधि जेवर, अशोक शर्मा, मनोज जैन, धर्मेन्द्र भाटी, संजीव शर्मा, अरविन्द शर्मा, गुड्डू एडवोकेट ओमकार भाटी, नरेष त्यागी, ओमदत्त शर्मा, बॉबी शर्मा, हरिओम एवं पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं शासन व प्रशासन के उच्चाधिकारी उपस्थित रहें।

बाढ़ की स्थिति का सामना कर रही है दिल्ली सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली इस वर्ष गंभीर बाढ़ की स्थिति का सामना कर रही है और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार इस परिदृश्य को नियंत्रित करने के सभी प्रयास कर रही है। सभी सरकारी विभाग संयुक्त रूप से बाढ़ प्रभावित नागरिकों के बचाव और पुनर्वास के लिए काम कर रहे हैं।

मुख्य सचिव नरेश कुमार एवं संभागीय आयुक्त (राजस्व) श्री अश्वनी कुमार की अध्यक्षता में आज एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। दिल्ली के सभी जिलाधिकारियों की मौजूदगी में मीडिया को वर्तमान स्थिति के साथ-साथ सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों के बारे में जानकारी दी गई।

संभागीय आयुक्त (राजस्व) श्री अश्वनी कुमार ने निम्नलिखित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की और मीडिया को जानकारी दी।

1. दिल्ली को पिछले साल की तुलना में इस साल बाढ़ के बेहद खतरनाक स्तर का सामना करना पड़ा है। दिल्ली में 9 और 10 जुलाई को भारी बारिश हुई। कई इलाकों में तो 200 मिमी से भी ज्यादा बारिश हुई। चूंकि वर्षा का सारा पानी यमुना नदी में चला गया, इसलिए यमुना नदी का जल स्तर 208.66 मिमी के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, जबकि वर्ष 1978 में उच्चतम जल स्तर 207.49 मिमी था। यमुना नदी का जल चेतावनी स्तर 204.50 है और खतरे का स्तर 205.33 मिमी पर निर्धारित है।

2. यमुना नदी का जलस्तर अब घट रहा है। शनिवार सुबह 11 बजे 207.43 मिमी के स्तर पर था और शनिवार रात तक यह घटकर 206.72 मिमी के स्तर पर आ सकता है। रविवार सुबह तक स्थिति में सुधार हो सकता है।

3. कई आवासीय कॉलोनियों में भी पानी कम हो रहा है। कई इलाकों में लोग अपने घरों को वापस चले गए हैं॥

4. कई प्रभावित क्षेत्रों से कुल 25478 लोगों को निकाला गया। इनमें से 22803 को विभिन्न राहत शिविरों में लाया गया।

5. भोजन, पेयजल और स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं सहित सभी बुनियादी सुविधाओं के साथ कुल 44 राहत शिविर स्थापित किए गए हैं।

6. कुल 27 एम्बुलेंस तैनात हैं और 23 एम्बुलेंस स्टैंडबाय पर हैं।

7. एनडीआरएफ की 18 टीमों (प्रत्येक टीम में 25 कर्मियों को शामिल किया गया है) को आवश्यक राहत उपकरणों जैसे नाव/ओबीएम, लाइफ जैकेट, रस्सी, बचाव के सामान, जनरेटर, ड्रैगन लाइट, संचार उपकरण, चिकित्सा किट और दवाओं के साथ सहायता के लिए तैनात किया गया है।

8. एनडीआरएफ की टीमों ने अब तक 1524 लोगों को बचाया है, 4445 को निकाला गया है और 550 मवेशियों को बचाया गया है।

9. सेना के इंजीनियरिंग समूह के 60 कार्मिकों एवं अधिकारियों ने नालियों के उफान को संभालने में सहायता की।

10. ओखला जल संयंत्र शुक्रवार को 12 एमजीडी क्षमता के साथ बहाल हो गया। शेष क्षमता आज रात तक चालू होने की उम्मीद है। दिल्ली जल बोर्ड रविवार तक वजीराबाद और चंद्रावल प्लांट को दोबारा शुरू करने पर काम कर रहा है।

11. कई प्रभावित इलाकों में बिजली आपूर्ति भी बहाल हो गई है और स्थिति में सुधार हो रहा है.

12. इस मिशन में जिला प्रशासन के सभी फील्ड अधिकारी, पुलिस, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के इंजीनियर संयुक्त रूप से काम कर रहे हैं. 13. विभिन्न जिलों में राहत कार्यों और पुनर्वास कार्यों तक पहुंच प्राप्त करने में जिला प्रशासन की सहायता के लिए 66 वरिष्ठ आईएएस और दानिक्स अधिकारी भी तैनात किए गए हैं। इन टीमों को वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा जानकारी दी गई है और वे मैदान में हैं। 14. हालात पर कड़ी नजर रखी जा रही है। मीडियाकर्मियों से भी दिल्ली की स्थिति में सुधार के लिए सुझाव और टिप्पणियां मांगी गयी हैं।

लुटियन दिल्ली में पेयजल संकट बरकरार

नई दिल्ली। लुटियन दिल्ली क्षेत्र में तीन दिन बाद भी पेयजल का संकट बना हुआ है। वजीराबाद और चंद्रावल जल शोधन संयंत्र के ठप पड़ने के बाद एनडीएमसी को हो रही कम जल आपूर्ति के चलते कई इलाकों में पानी की कमी का सामना करना पड़ रहा है। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद के उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने रविवार को पानी का उपयोग देखकर करने की अपील की। मालूम हो कि बाढ़ का पानी घुसने के चलते दिल्ली जल बोर्ड के जल शोधन संयंत्र ठप पड़ गए थे। इसके चलते एनडीएमसी समेत दिल्ली के तमाम इलाकों में जलापूर्ति प्रभावित हुई थी।

दिल्ली जल बोर्ड की ओर से कम पानी की आपूर्ति की सूचना मिलने के बाद एनडीएमसी ने अपने क्षेत्र के निवासियों के लिए भी इसकी सूचना जारी की थी। रविवार तक भी लुटियन दिल्ली में जलापूर्ति सामान्य नहीं हो सकी। इस क्षेत्र में मंत्रियों, सांसदों, गणमान्य व्यक्तियों आदि के बंगले हैं। पेयजल संकट के चलते पूरे एनडीएमसी क्षेत्र में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

रविवार को जारी अपील में एनडीएमसी उपाध्यक्ष ने सभी मंत्रियों, सांसदों, गणमान्य व्यक्तियों, होटल-रेस्टोरेंट संचालकों, बाजार-व्यापार संगठनों, आरडब्लूए, निजी और सरकारी संगठनों से जल के उपयोग को कम से कम करके सहयोग करने को कहा। उन्होंने कहा कि समुदाय की समझदारी और समर्थन से इस स्थिति का सामना किया जा सकता है। जरूरत पड़ने पर लोग एनडीएमसी के मोबाइल एप्लीकेशन एनडीएमसी 311 का उपयोग कर सकते हैं।

दिल्ली में हर बाढ़ पीड़ित परिवार को मिलेंगे 10 हजार रुपये

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बाढ़ पीड़ितों को हुए भारी नुकसान को देखते हुए दिल्ली सरकार ने उनकी मदद को लेकर कई घोषणाएं की हैं। दिल्ली सरकार का कहना है कि यमुना किनारे रहने वाले कई गरीब परिवारों का काफी नुकसान हुआ है। कुछ परिवारों का तो पूरे घर का सामान बह गया है। ऐसे में दिल्ली सरकार ने फैसला किया है कि वह हर बाढ़ पीड़ित परिवार को आर्थिक मदद के तौर पर दस हजार रुपये प्रति परिवार की आर्थिक मदद प्रदान करेगी। यही नहीं जिन लोगों के आधार कार्ड आदि दस्तावेज बाढ़ के पानी में बह गए हैं, उनकी मदद के लिए स्पेशल कैंप लगाए जायेंगे।

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि जिन बच्चों की ड्रेस और किताबें बाढ़ के पानी में बह गई हैं, उन्हें स्कूलों की तरफ से किताबें और ड्रेस दिलाई जाएंगी। दिल्ली सरकार उनके लिए विशेष कैंप लगाएगी, जिनके आधार कार्ड और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज बाढ़ के पानी में बह गए हैं। केजरीवाल ने उत्तरी दिल्ली के मोरी गेट में एक राहत शिविर का दौरा करने के दौरान कहा कि हर बाढ़ पीड़ित परिवार को आर्थिक मदद के तौर पर दस हजार रुपये प्रति परिवार की आर्थिक मदद मुहैया कराई जाएगी।

केजरीवाल ने संवाददाताओं से कहा कि जलभराव की समस्या से जूझ रही सड़कों से पानी निकाल रही है। बाढ़ प्रभावित इलाकों में हालात सामान्य हो रहे हैं।

बीजेपी ने भ्रष्टाचार को बताया बाढ़ का कारण

दिल्ली। यमुना में पानी का उफान कम हो रहा है तो सियासी घमासन चढ़ता जा रहा है। पानी को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का करंट तेजी से दौड़ने लगा है। प्रदेश भाजपा ने दिल्ली में आई बाढ़ का मुख्य कारण भ्रष्टाचार बताया है ना कि हथनीकुंड का पानी। भाजपा ने कहा कि सरकार के इस भ्रष्टाचार की न्यायिक जांच होनी चाहिए। जिम्मेदारी से बचने के लिए आम आदमी पार्टी के नेता हथनीकुंड बैराज से छोड़े गये पानी को लेकर अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री बताएं कि फ्लड कंट्रोल ऑर्डर के अंतर्गत जून तक अनिवार्य रूप से की जाने वाली एपेक्स कमेटी की बैठक पिछले दो साल से क्यों नहीं हुई।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि दिल्ली सरकार कितनी लापरवाह है इसका प्रमाण है एपेक्स कमेटी की बैठक न होना। इससे साबित होता है। एपेक्स कमिटी के नोडल अधिकारी डीएम ईस्ट ने मुख्यमंत्री को जून में 3 बार मीटिंग बुलाने के लिए लिखा, बताया गया कि गंभीर स्थिति की चेतावनी है बावजूद मुख्यमंत्री ने बैठक नहीं बुलाई।

सचदेवा ने कहा है कि पानी कब और कितना छोड़ा जायेगा इसका निर्णय जल विशेषज्ञ करते हैं। पानी छोड़े जाने में इस वर्ष दिल्ली सरकार को राजनीति इसलिए दिख रही है क्योंकि इस वर्ष दिल्ली में मानसून पूर्व यमुना तटों की सफाई में, नालों एवं नालियों की सफाई में दिल्ली सरकार के बाढ़ विभाग, लोक निर्माण विभाग, जल बोर्ड एवं नगर निगम ने घोटाला किया। मंत्री आतिशी व सौरभ भारद्वाज ने यमुना सफाई के साथ नालों की सफाई का सारा फंड पार्टी कोष में जमा करा दिया। मुख्यमंत्री जवाब दें क्या यह सच नहीं की यदि यमुना की सफाई पर पैसा लगाया गया होता तो यमुना के पास बहने की गहराई होती, उसका डूब क्षेत्र साफ होता तो शहरी इलाकों में बाढ़ का पानी ना आता।

भाजपा नेता बांसुरी स्वराज ने दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी को कटघरे में खड़ा किया। कहा कि केजरीवाल सरकार में मंत्री आतिशी खुद को ऑक्सफोर्ड से पढ़ी हुई बताती हैं जबकि इतनी पढ़ाई के बावजूद उनके बयान से यह लगता है कि उन्हें बैराज और डैम के बीच में अंतर नहीं पता है। आतिशी बताने की कोशिश कर रही हैं कि हथनिकुंड दिल्ली के लिए अभिशाप है जबकि दिल्ली की 60 फीसदी पानी की अपूर्ति इसी से होती है। हथनिकुंड में लगे दो कैनाल ईस्टर्न जिससे उत्तर प्रदेश की ओर पानी जाता है और वेस्टर्न जिससे पानी हरियाणा और दिल्ली की ओर आता है। ईस्टर्न कनाल से अधिकतम पानी जाने की क्षमता 4000 से 6000 क्यूसेक है और वेस्टर्न कनाल से 15000 से 18000 क्यूसेक पानी जा सकता है।

बांसुरी ने कहा कि आतिशी को पता होना चाहिए कि सेंट्रल वाटर पॉल्यूशन गाइडलाइन्स है जिसके अनुसार अगर एक लाख क्यूसेक से अधिक पानी आता है तो उस पानी को नदी में छोड़ना अनिवार्य है ना कि नहर में और यही हरियाणा सरकार द्वारा किया गया।

ग्रेटर-नोएडा में 31 हफ्ते से घर खरीदारों का प्रदर्शन जारी

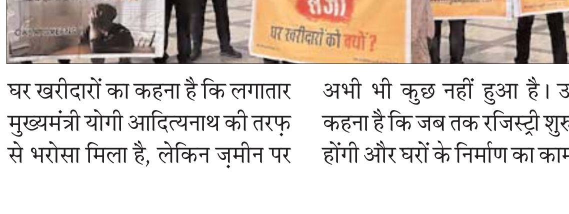

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में घर खरीदार पिछले 31 हफ्ते से हर रविवार को प्रदर्शन करते हुए आ रहे हैं। इस रविवार भी घर खरीदारों ने जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान बिल्डरों और प्राधिकरण के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। घर ख़रीदारों का प्रदर्शन हर रविवार को जारी है। मौसम की परवाह किए बिना बड़ी संख्या में जुटे घर खरीदारों ने सरकार से रजिस्ट्री और घरों के पजेशन की मांग की।

घर खरीदारों का कहना है कि लगातार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तरफ़ से भरोसा मिला है, लेकिन ज़मीन पर अभी भी कुछ नहीं हुआ है। उनका कहना है कि जब तक रजिस्ट्री शुरु नहीं होंगी और घरों के निर्माण का काम पूरा नहीं होगा तब तक वो शांतिपूर्ण तरीके से अपनी आवाज़ उठाते रहेंगे।

नेफ़ोवा अध्यक्ष अभिषेक कुमार ने कहा है कि 31 हफ्ते से शांतिपूर्ण प्रदर्शन ये बताता है कि घर खरीदार कितने अनुशासित हैं। 13 साल से सब कुछ सहने के बाद भी वो सरकार से बार-बार बस यही अपील कर रहे हैं कि उन्हें इंसाफ मिले। अभिषेक शांतिपूर्ण प्रदर्शन हमारी ताक़त है और इसे लगातार जारी रखा जाएगा।

कश्मीरी गेट के बाहर से शुरू हुई अंतरराज्यीय बस सेवा

नई दिल्ली। रिंग रोड में पानी उतरने से कश्मीरी गेट आईएसबीटी के बाहर से अंतरराज्यीय बस सेवा शुरू हो गई है। बस अड्डे के अंदर हालांकि अब भी पानी जमा है। ऐसे में बसें बाहर से ही यात्रियों के लिए बसें संचालित की जा रही हैं। अभी यहां उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड की बसें पहुंच रहीं हैं। यात्रियों को इससे थोड़ी राहत मिली है। बस अड्डे से पानी पंप से निकाला जा रहा है। जल्द ही सभी बस सेवाओं को शुरू कर दिया जाएगा। कश्मीरी गेट बस अड्डे से कोटद्वार की बस लेने आए दीपक ने बताया कि दो दिन पहले भी यहां आए थे, लेकिन बस नहीं मिलने से रिश्तेदार के घर लौट गए थे।

संपादकीय

कचरा प्रबंधन की चुनौती

सही तरह निस्तारण न हो पाना भी शहरों में प्रदूषण का स्तर बढ़ने का कारण

स्वच्छ भारत अभियान को सफल बनाने के लिए जितना आवश्यक यह है कि नगर निकाय गीले कचरे को सही तरह एकत्र कर बायो गैस प्लांट में उसका उपयोग करें उतना ही यह भी कि वे सूखे कचरे के निस्तारण की भी कोई उपयुक्त व्यवस्था करें। यह एक तथ्य है कि स्वच्छ भारत अभियान पर तमाम जोर दिए जाने के बाद भी कचरा प्रबंधन एक चुनौती बना हुआ है।

यह संतोषजनक है कि शहरों में कचरा प्रबंधन की दृष्टि से उपयोगी मानी जाने वाली गोबरधन योजना के प्रति राज्यों ने उत्साह दिखाया। इस योजना के तहत विभिन्न राज्यों में बायो गैस प्लांट के 79 प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई है, लेकिन कोई भी समझ सकता है कि ऐसे प्लांट बड़ी संख्या में लगाने की आवश्यकता है। इस आवश्यकता का रेखांकन इस वर्ष बजट में भी किया गया था। बजट में गोबरधन योजना के तहत देश में पांच सौ बायो गैस प्लांट लगाने की घोषणा की गई थी। स्पष्ट है कि इस योजना को गति देने की आवश्यकता है, ताकि यथासंभव अधिक से अधिक गीले कचरे को बायो गैस में तब्दील किया जा सके। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि अभी बहुत कम मात्रा में गीले कचरे यानी फल, सब्जियों, अनाज आदि के अवशेष का सही से निस्तारण हो पाता है। इसका एक बड़ा कारण यह है कि नगर निकायों के पास इस तरह के कचरे के निस्तारण के लिए उपयुक्त व्यवस्था ही नहीं है। स्थिति यह है कि वे गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग एकत्र करने की भी व्यवस्था नहीं कर पा रहे हैं। स्पष्ट है कि जब यह बुनियादी काम हो सकेगा, तभी बायो गैस प्लांट उपयोगी साबित हो सकेंगे। स्वच्छ भारत अभियान को सफल बनाने के लिए जितना आवश्यक यह है कि नगर निकाय गीले कचरे को सही तरह एकत्र कर बायो गैस प्लांट में उसका उपयोग करें, उतना ही यह भी कि वे सूखे कचरे के निस्तारण की भी कोई उपयुक्त व्यवस्था करें। यह एक तथ्य है कि स्वच्छ भारत अभियान पर तमाम जोर दिए जाने के बाद भी कचरा प्रबंधन एक चुनौती बना हुआ है। देश की राजधानी समेत अन्य महानगरों के पास कचरे के भंडारण के लिए पर्याप्त स्थान तक नहीं हैं। परिणाम यह है कि महानगरों में कचरे के पहाड़ खड़े हो रहे हैं। यह समझा जाना चाहिए कि कचरा प्रबंधन तब तक चुनौती बना रहेगा, जब तक उसके निस्तारण की ठोस व्यवस्था नहीं की जाती।

यदि इस चुनौती का सामना नहीं किया जा सका तो फिर देश को स्वच्छ बनाने का अभियान अपनी मंजिल तक नहीं पहुंच सकेगा। ध्यान रहे शहरों में प्रदूषण का स्तर बढ़ने का एक कारण कचरे का सही तरह प्रबंधन न हो पाना भी है। कचरा प्रबंधन के मामले में सरकारों को जैसी इच्छाशक्ति का परिचय देना चाहिए, उसका अभाव देखने को मिल रहा है। हर कोई इससे परिचित है कि पालिथीन और प्लास्टिक का कचरा पर्यावरण के लिए बेहद हानिकारक है, लेकिन कोई नहीं जानता कि पालिथीन और प्लास्टिक के वे उत्पाद क्यों बन एवं बिक रहे हैं, जिन पर रोक लगाने की बातें होती रहती हैं? इस प्रश्न का उत्तर देने के साथ ही इस पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि अब ई-कचरे के निस्तारण की भी ठोस योजनाएं बनाने का समय आ गया है।

एआई अब मानव जीवन में और हो सकता है खतरनाक

अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नफ्ज़ पढ़कर आपके मस्तिष्क की बात तुरंत पकड़कर उस पर अमल करने लगेगा। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पल्स रेट द्वारा आपके मन की हर बात जानने में सक्षम हो सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को वैज्ञानिकों ने मानव की सहायता के लिए और देश की बेहतरी के लिए अविष्कार किया है।

अभी तक तो अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, इजरायल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में काफी आगे पर अब खाड़ी के देशों विगत 5 साल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति केवल तेल के कुए पर न रह कर अन्य योजनाओं पर भी काम करना शुरू कर दिया है और आश्चर्यजनक रूप से यूएई ,सऊदीअरबिया, कतर, मिस्त्र ,जॉर्डन,

मोरक्को और अन्य देशों में यूरोप की तुलना में अब और ज्यादा खर्च करके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को अपने देश में बहुत मजबूत बना लिया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जितने फायदे हैं उससे ज्यादा विकासशील देशों के लिए यह नुकसान देह भी हो सकता है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आपकी पल्स रीडिंग और मानसिक विचारधारा को केवल थंब इंप्रेशन में ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का डिवाइस पढ़ कर उस पर अमल कर सकता है ।इस टेक्नोलॉजी से अमेरिका तथा यूरोपीय देश अब तक दुश्मन की अनेक सूचनाएं बड़ी आसानी से प्राप्त कर उसका सामरिक उपयोग करने में लगे हुए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग रूस अपनी टेक्नोलॉजी का उपयोग कर मिसाइल दागने में यूक्रेन यूक्रेन के विरुद्ध कर रहा है और अब तक यूक्रेन यूरोपीय तथा नाटो देश की मदद से इसी तकनीक के सहारे रूस के विरुद्ध अब तक टिका हुआ है वैसे तो यूक्रेन और रूस का युद्ध में काफी नुकसान हुआ है पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भरपूर उपयोग दोनों देश एक दूसरे पर कर रहे हैं। विकासशील देशों में इस टेक्नोलॉजी का विकास अभी काफी एडवांस नहीं है इन परिस्थितियों में उनके लिए उनके सामरिक महत्व की चीजें छुपाना दुश्मन देशों के सामने कठिन हो जाएगा और उनकी खुफिया जानकारी शक्तिशाली देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक सूत्र प्राप्त करने के बाद ही पूरी प्राप्त कर सकते हैं. खाड़ी के देश जिनमें सऊदी अरबिया, कतर ,मिस्त्र, जॉर्डन, यूएई अपने बजट का 34त्न बढ़ा हुआ हिस्सा एआई तकनीक पर लगातार कर रहे हैं। खाड़ी के देश इस टेक्नोलॉजी का उपयोग इस वजह से कर रहे हैं क्योंकि यह उनकी भविष्य की योजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है जिससे वे तेल की कमाई से हटकर अन्य साधनों से अपनी अर्थव्यवस्था में सुधार ला सकेंद्य यूं एई पहला देश है जिसने 2017 ने इस तकनीक को अपनाया था इसके बाद खाड़ी के देशों में अब टेक्नोलॉजी को अपनाने में होड़ हो गई हैद्य यह सभी देश एआई टेक्नोलॉजी पर लगभग 3 अरब डॉलर खर्च कर चुके हैंद्य दूसरी तरफ यदि इसका इस्तेमाल अति विशेषज्ञों द्वारा नहीं किया गया तो इसका दुरुपयोग जिन देशों के पास इन टेक्नोलॉजी से एडवांस टेक्नोलॉजी है वह पूरी जानकारी निकालने में सक्षम होंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग यूरोपीय देश न सिर्फ सामरिक महत्व की चीजों में कर रहे हैं बल्कि मेडिकल साइंस और अंतरिक्ष विज्ञान में भी पूरी तरह हो रहा है और इससे बहुत फायदे भी मिल रहे हैंद्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मानव प्रजाति के लिए जितना फायदेमंद है दूसरी तरफ उतना ही नुकसान दे और इससे वैश्विक शांति को खतरा भी हो सकता हैद्य राइट एक्टिविस्ट मानते हैं कि रोबोट की तरह इस तरह की विज्ञान पर आधारित चीजें माननीय प्रजाति को खत्म कर सकती है बल्कि उनकी चिंता डेटा सुरक्षा प्रपो गेंडा सर्विलांस के विरुद्ध होने वाले नुकसान पर भी ज्यादा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर खाड़ी के देशों ने एआई के इस्तेमाल पर दिशा निर्देश तय कर उसे जारी किया है हालांकि इस पर कोई कानूनी बाध्यता नहीं है फिर भी इसका दुरुपयोग होने से मानव को खतरा भी हो सकता है यह एक वैश्विक चिंता की बात है।

17 जुलाई अंतर्राष्टीय न्याय दिवस पर विशेष

आशा और उम्मीद का प्रतीक होता है न्याय

रमेश सर्राफ धमोरा

न्याय शब्द एक आशा और उम्मीद का प्रतीक है। जब किसी को लगता है कि उसकी बात अच्छी तरह सुनी जाएगी तथा उन्हें अपनी बात कहने का पूरा अवसर मिलेगा वह न्याय है। न्याय शब्द एक नई रोशनी लेकर आता है। व्यक्ति के मन में एक उम्मीद जगाता है कि उनकी बात को पूरी तरह सुनकर ही निर्णय किया जाएगा। न्याय एक बहुत ही सम्मानित वह संतुष्टि प्रदान करने वाला शब्द है। आज भी जब दो व्यक्तियों के बीच में झगड़ा होता है तो दोनों एक दूसरे से कहते हैं कोर्ट में आ जाना फैसला हो जाएगा। यह लोगों की न्याय के प्रति आस्था का एक जीता जागता उदाहरण है।

न्याय पाना हर व्यक्ति का मौलिक अधिकार होता है। कोई भी सरकार या व्यवस्था तभी सफल मानी जाती है। जिसमें हर व्यक्ति को निष्पक्ष रुप से न्याय मिल सकें। हमारे देश में तो सदियों से न्यायिक प्रणाली बहुत मजबूत रही है। राजा महाराजाओं के जमाने में भी लोगों के साथ न्याय किया जाता था। जिनके उदाहरण हम आज भी देते हैं। भारत के महान सम्राट राजा विक्रमादित्य की न्याय प्रणाली की आज भी हर जगह चर्चा और सराहना होती है।

हमारा देश जब स्वतंत्र हुआ तो संविधान के निर्माताओं ने न्यायपालिका को कार्यपालिका और विधायिका से अलग रखा। न्याय के लिए सशक्त कानून बनाए गए थे। देश के लोगों को सही व निष्पक्ष न्याय मिल सके इसके लिए लोअर कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक की स्थापना की गई थी। जो आज भी न्यायिक प्रक्रिया में संलग्न है। हमारे देश में न्यायपालिका की स्वतंत्रता का उदाहरण श्रीमती इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री रहते उन्हें इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा पद के अयोग्य ठहरा दिया जाना था। इससे अधिक न्यायपालिका की स्वतंत्रता और मजबूती कहां देखने को मिल सकती है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में कानून के शासन के तहत अदालतों को न्याय एवं अन्याय में फर्क करने का अधिकार हासिल हैं। सही क्या है तथा गलत क्या है यह अदालत विधान की पुस्तकों के आधार पर तय करती हैं। आज लम्बित मामलों की संख्या को देखकर कहा जा सकता है इंसाफ चाहने वाले पीड़ित लोगों की संख्या दिन ब दिन बढ़ती जा रही हैं। हमारे देश की विधायी व्यवस्था में न्याय की शीर्षस्थ संस्था न्यायालय हैं।

विश्व न्याय दिवस अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्याय की उभरती प्रणाली को मान्यता देने के प्रयास के तहत 17 जुलाई को दुनिया भर में मनाया जाने वाला एक अंतर्राष्ट्रीय दिवस है। हर साल दुनिया भर के लोग इस दिन का उपयोग अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्याय को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रमों का आयोजन करने के लिए करते हैं। यह दुनिया में आधुनिक न्यायालय प्रणालियों की स्थापना का भी स्मरण कराता है। यह दिन मौलिक मानवाधिकारों की वकालत और अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्याय को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

अंतर्राष्ट्रीय न्याय के लिए विश्व दिवस का उद्देश्य आईसीसी के प्रयासों की सराहना करना और अंतरराष्ट्रीय अपराधों के पीड़ितों के लिए न्याय को बढ़ावा देने के लिए सभी को एकजुट करना है। 17 जुलाई 1998 को 120 देशों ने अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के रोम संविधि नामक एक संधि पर हस्ताक्षर करने के लिए एक साथ आए थे। रोम संविधि पर हस्ताक्षर करने का दिन मनाने के लिए विश्व अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस तब से हर साल मनाया जाता रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय या आईसीसी विश्व अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस में शामिल एक महत्वपूर्ण प्राधिकरण है। यह न्यायालय सबसे गंभीर अंतरराष्ट्रीय अपराधों वाले व्यक्तियों का विश्लेषण करता है और उन पर आरोप लगाता है। इनमें नस्लीय हत्याएं, युद्ध के दौरान अपराध, मानवता के अपराध और आक्रामकता के अपराध शामिल हो सकते हैं। आईसीसी राष्ट्रीय अदालतों का विकल्प नहीं हो सकता है लेकिन यह तब उपलब्ध होता है जब कोई देश जांच नहीं कर सकता है।

हमें बहुत से लोगों से अक्सर यह सवाल सुनने को मिलता है कि न्याय कहां मिलता हैं। इस प्रश्न का होना भी यह बताता है कि आज भी आम आदमी को आसानी से न्याय नहीं मिल पा रहा हैं।

न्याय के बारे में एक पुरानी अंग्रेजी कहावत है कि न्याय में देरी करना न्याय को नकारना है और न्याय में जल्दबाजी करना न्याय को दफनाना है। यदि इस कहावत को हम भारतीय न्याय व्यवस्था के परिपेक्ष्य में देखे तो पाएगे कि इसका पहला भाग पूर्णत: सत्य प्रतीत होता हैं। सीमित संख्या में हमारे जज और मजिस्ट्रेट मुकदमों के बोझ तले दबे प्रतीत होते हैं। एक मामूली विवाद कई सालों तक चलता रहता है तथा पीड़ित को दशकों तक न्याय का इतजार करना पड़ता हैं। यही वजह है कि लोगों में न्याय के प्रति गहरे असंतोष के भाव हैं। वे अपने साथ हुए अन्याय के विरुद्ध इसलिए कोर्ट नहीं जाते क्योंकि उनके यह भरोसा नहीं रहा कि न्याय उसके लिए मददगार होगा।

आज भी न्यायपालिका परेशान लोगों के लिए सांत्वना का माध्यम है। निराश लोगों के लिए आशा की किरण है। गलत काम करने वाले लोगों के लिए भय का कारण है तथा कानून का पालन करने वाले लोगों को राहत देती है। यह बुद्धिमान और संवेदनशील लोगों के लिए एक घर के समान है। एक ऐसी शरण स्थली है जहां गरीब और अमीर दोनों को ही आसानी से न्याय मिलता है। न्यायाधीश की कुर्सी पर बैठने वाले लोगों के लिए यह एक सम्मान और गर्व का स्थान होता है।

परन्तु आज के समय में गरीब लोगों की न्यायालय में पहुंच बहुत कम हो गयी है। आज स्थिति यह हो चुकी है कि धूर्त लोग न्यायालयों का दुरूपयोग समाज के सम्मानित लोगों के विरुद्ध हथियार के रूप में करने लगे हैं। वे किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सच्चा या झूठा मुकदमा दायर कर देते हैं और मुकदमा झेलने वाला व्यक्ति सारा जीवन स्वंय को निर्दोष सिद्ध करने में लगा देता है।

संविधान ने न्याय व्यवस्था की जिम्मेदारी अदालतों पर डाल दी है। वे ही न्याय के एकमात्र एवं सर्वोपरी स्रोत माने जाते हैं। एक अनुमान के मुताबिक़ भारत में उच्च न्यायालय एक मुकदमें का निर्णय सुनाने में लगभग चार वर्ष से अधिक का समय लेते हैं। उच्च न्यायालय से निम्न स्तरीय अदालतों का हाल तो इससे कही बुरा हैं। जिला कोर्ट से सुप्रीम कोर्ट तक चलने वाले एक मुकदमें का अंतिम फैसला 7 से 10 साल में आता हैं। लोगों का मानना है कि भारत की न्याय प्रणाली में अधिक समय खर्च होने का मूल कारण मामलों की अधिकता हैं। लेकिन असल समस्या है मामलों का शीघ्र निपटान न हो पाना। केवल यह कहकर कि हमारे न्यायिक तन्त्र में खामियां बताकर उसे कोसते रहना उचित नहीं हैं।

देश दे सभी सभी नागरिकों, जजो, वकीलों तथा हमारी सरकारों का यह दायित्व है कि हम न्याय व्यवस्था को दुरुस्त करे। कोर्ट की तारीख पर तारीख देने की प्रवृत्ति पर रोक लगायें। मुकदमो के फैसलों की सीमा भी निर्धारित होनी चाहिए। आज अदालतो में मुकदमों का अम्बार लग रहा है इसका कारण न्यायाधीशों की कमी भी है। सरकार को इस समस्या का हल निकालने के लिए त्वरित प्रयास कर हमारी न्यायिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाना चाहिए। तभी सभी को समय पर न्याय मिलने का सपना साकार हो सकेगा।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है। इनके लिए देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं)।

भारत की बाढ़ प्रबंधन योजना का क्या हुआ ?

-डॉ सत्यवान सौरभ

राष्ट्रीय बाढ़ आयोग की प्रमुख सिफ़ारिशें जैसे बाढ़ संभावित क्षेत्रों का वैज्ञानिक मूल्यांकन और फ्लड प्लेन ज़ोनिंग एक्ट का अधिनियमन अभी तक अमल में नहीं आया है। सीडब्ल्यूसी का बाढ़ पूर्वानुमान नेटवर्क देश को पर्याप्त रूप से कवर करने के लिए पर्याप्त नहीं है। इसके अलावा, अधिकांश मौजूदा बाढ़ पूर्वानुमान स्टेशन चालू नहीं हैं। 2006 में केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) द्वारा गठित एक टास्क फोर्स ने बाढ़ जोखिम मानचित्रण का कार्य पूरा नहीं किया। बाढ़ क्षति का आकलन पर्याप्त रूप से नहीं किया गया। बाढ़ प्रबंधन कार्यक्रमों के तहत परियोजनाओं के पूरा होने में देरी मुख्य रूप से केंद्र की सहायता की कमी के कारण होती है। बाढ़ प्रबंधन के कार्य एकीकृत तरीके से नहीं किये जाते हैं। भारत के अधिकांश बड़े बांधों में आपदा प्रबंधन योजना नहीं है- देश के कुल बड़े बांधों में से केवल 7त्न के पास आपातकालीन कार्य योजना/आपदा प्रबंधन योजना है।

चूंकि बाढ़ से हर साल जान-माल को बड़ा नुकसान होता है, इसलिए अब समय आ गया है कि केंद्र और राज्य सरकारें एक दीर्घकालिक योजना तैयार करें जो बाढ़ को नियंत्रित करने के लिए तटबंधों के निर्माण और ड्रेजिंग जैसे टुकड़ों-टुकड़ों के उपायों से आगे बढ़े। इसके अलावा, एक एकीकृत बेसिन प्रबंधन योजना की भी आवश्यकता है जो सभी नदी-बेसिन साझा करने वाले देशों के साथ-साथ भारतीय राज्यों को भी साथ लाए। बाढ़ पर भारत के पहले और आखिरी आयोग के गठन के कम से कम 43 साल बाद, देश में अब तक कोई राष्ट्रीय स्तर का बाढ़ नियंत्रण प्राधिकरण नहीं है। राष्ट्रीय बाढ़ आयोग (आरबीए), या राष्ट्रीय बाढ़ आयोग, की स्थापना 1976 में कृषि और सिंचाई मंत्रालय द्वारा भारत के बाढ़-नियंत्रण उपायों का अध्ययन करने के लिए की गई थी, क्योंकि 1954 के राष्ट्रीय बाढ़ नियंत्रण कार्यक्रम के तहत शुरू की गई परियोजनाएं ज्यादा सफलता हासिल करने में विफल रहीं। हाल ही में, उत्तरी राज्यों में बाढ़ ने जीवन और संपत्ति की तबाही मचाई है, जो इस क्षेत्र में एक समस्या है। हालाँकि, बाढ़ केवल उत्तर-पूर्वी भारत तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के कई अन्य क्षेत्रों को प्रभावित करती है। मानसून के दौरान लगातार और भारी वर्षा जैसे प्राकृतिक कारकों के अलावा, मानव निर्मित कारक भी हैं जो भारत में बाढ़ में योगदान करते हैं। भारत अत्यधिक असुरक्षित है, क्योंकि इसके अधिकांश भौगोलिक क्षेत्र में वार्षिक बाढ़ का खतरा रहता है। बाढ़ के कारण होने वाली उच्च हानि और क्षति भारत की खराब अनुकूलन और शमन स्थिति और आपदा प्रबंधन और तैयारियों में अपर्याप्तता को दर्शाती है। अत-एक एकीकृत बाढ़ प्रबंधन प्रणाली की आवश्यकता है। 1980 में, राष्ट्रीय बाढ़ आयोग ने 207 सिफारिशें और चार व्यापक टिप्पणियाँ कीं। सबसे पहले, इसने कहा कि भारत में वर्षा में कोई वृद्धि नहीं हुई और इस प्रकार, बाढ़ में वृद्धि मानवजनित कारकों जैसे वनों की कटाई, जल निकासी की भीड़ और बुरी तरह से नियोजित विकास कार्यों के कारण हुई।

ऐ जिंदगी तू इतनी हसीन क्यों है?

ऐ जिंदगी तू इतनी हसीन क्यों है?
हर कदम पर उलझी सी ही क्यों है?
मन को मन जैसा ना मिला,
किस्से कहानियों में फंसी क्यों है?
ऐ जिंदगी तू इतनी हसीन क्यों है?
किसी मझधार में डूबी जैसी,
हर तकल्लुफ में सुकून भरे दर्द जैसी,
कविता में लिखे किसी खास पंक्ति जैसी क्यों है?
ऐ जिंदगी तू इतनी हसीन क्यों है?
ना जाने तू इस ग़ज़ल जैसी क्यों है?
कि तुझे मौत की कफन सा संवारना चाहूं,
बिखरी हूं जितना भी जिंदगी में,
खुद से ही खुद को संभालना चाहूं,
कोई पूछे कि कैसी है जिंदगी?
तो मुस्कुरा कर उसको कहना चाहूं,
के खुशियों और दुखों की हिसाब जैसी,
किसी अनसुनी कहानियों की किताब जैसी,
गरीबों के लिए गर्मी की बरसात जैसी,
मिट्टी में मिली किसी राख जिंदगी,
फिर भी 'मंजू' कहे किसी हसीन ख्वाब जैसी,
बता क्यों है इतनी खास तू ऐ जिंदगी?

मंजू धपोला
कपकोट, बागेश्वर
उत्तराखंड

महिलाएं : समाज की वास्तविक वास्तुकार

-प्रियंका सौरभ

हमारा समाज कहता है, पृथ्वी पर सबसे मूल्यवान वस्तु स्त्रियाँ हैं। आइए इस धरती पर हर महिला को सलाम करें। महिलाएं समाज की वास्तविक वास्तुकार हैं, वे जो चाहें वह बना सकती हैं। एक महिला क्या चाहती है? – समय, देखभाल और बिना शर्त प्यार, आदि। इस धरती पर प्रत्येक महिला गरिमा, संस्कृति और सम्मान का प्रतीक है। नारी के बिना यह संसार सूना और अंधा है। महिलाएं समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। निजी जीवन में महिला की भागीदारी काफी प्रभावशाली है। कई समाज घरों और समुदायों में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को नजरअंदाज करते हैं। महिलाओं के अवैतनिक श्रम को अक्सर न तो महत्व दिया जाता है और न ही जीडीपी में शामिल किया जाता है, जो अक्सर अनदेखा और गैर-मान्यता प्राप्त रहता है। अब यह पहचानने का समय आ गया है कि उनकी भूमिका और योगदान कितने महत्वपूर्ण हैं। आइए सुनिश्चित करें कि दोनों लिंग एक-दूसरे को भागीदार के रूप में देखें।

महिलाएं एक सशक्त शब्द है. यह आकर्षक है क्योंकि यह प्यार, देखभाल, पोषण, दायित्वों, जिम्मेदारियों, शक्ति, अनंत काल, मातृत्व आदि को दर्शाता है। नारी समाज का दर्पण है। जब उसे हाशिये पर धकेल दिया जाता है, तो उस पर अत्याचार किया जाता है; यदि इसे पाला जाता है, तो समाज को पाला जाता है; यदि इसे मजबूत किया जाता है, तो यह सशक्त होता है। वह संस्कृति और रीति-रिवाजों को बनाए रखती है और उन्हें सामने लाती है। वह वह है जो अपने पति और उसके परिवार की परवाह करती है।

दूसरे शब्दों में, वह समाज में सब कुछ बनाती है। एक महिला (माँ) उसकी संतान होती है, पहली शिक्षक; वह अपने बच्चों का प्यार से इलाज करने वाली पहली डॉक्टर हैं। वह अपने बच्चों को पढ़ाने वाली पहली शिक्षिका हैं, अपने बच्चों के साथ खेल खेलने वाली पहली साथी हैं। अपने बच्चे के विकास में उसका कार्य बहुत बड़ा है।

हमारे समाज में कई सालों से महिलाओं को पुरुषों से कमतर समझा जाता रहा है। इस प्रकार की हीनता के कारण उन्हें अपने जीवन में विभिन्न मुद्दों और समस्याओं का सामना करना पड़ता है। खुद को पुरुषों के बराबर साबित करने के लिए उन्हें पुरुषों से ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। मध्य युग में लोग महिलाओं को विनाश की कुंजी मानते थे, इसलिए उन्होंने कभी भी महिलाओं को पुरुषों की तरह बाहर जाने और सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने की अनुमति नहीं दी। फिर भी आधुनिक युग में महिलाओं को अपने दैनिक जीवन में कई सारी समस्याओं का सामना करना पड़ता है और अपना करियर स्थापित करने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ता है। कई माता-पिता केवल लड़का पैदा करना पसंद करते हैं और केवल लड़कों को ही शिक्षा देने की अनुमति देते हैं। उनके लिए महिलाएं परिवार को खुश और स्वस्थ रखने का माध्यम मात्र हैं।

एक महिला को समाज में अधिक उपहास की दृष्टि से देखा जाता है और यदि वह प्रेम विवाह या अंतरजातीय प्रेम विवाह में शामिल होती है तो उसे ऑनर किलिंग का खतरा अधिक होता है।

महिलाओं को पुरुषों की तुलना में स्वायत्तता, घर से बाहर गतिशीलता, सामाजिक स्वतंत्रता आदि तक समान पहुंच नहीं है। महिलाओं द्वारा सामना की जाने वाली कुछ समस्याएं उनकी घरेलू जिम्मेदारियों और सांस्कृतिक और सामाजिक निर्दिष्ट भूमिकाओं के कारण हैं।

भारत सरकार ने लैंगिक समानता और सभी महिलाओं और लड़कियों की आर्थिक स्वतंत्रता को आगे बढ़ाने के लिए हाल के वर्षों में कई नई नीतियां और सुधार लागू किए हैं। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए, कुछ प्रमुख पहलों में 22 करोड़ महिलाओं के लिए जन धन खाते बनाना और उन्हें मुद्रा योजना के तहत कम ब्याज पर ऋण प्रदान करना शामिल है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ पहल शिक्षा के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई थी।

जनसंख्या की आवश्यकताओं के प्रति जिम्मेदार और उत्तरदायी निष्पक्ष, सस्ती और उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुंच प्राप्त करने का लक्ष्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन का प्राथमिक फोकस है। महिलाओं को सशस्त्र सेवाओं में स्थायी कमीशन प्रदान करना और मातृत्व अवकाश की अवधि 12 से बढ़ाकर 26 सप्ताह करना सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए अनुकूल माहौल को बढ़ावा देता है और एक सक्षम वातावरण स्थापित करता है। बलात्कार को रोकने के लिए बनाए गए कानूनों को भी और अधिक सख्त बनाया जा रहा है। इसके अलावा, उज्ज्वला कार्यक्रम, स्वाधार गृह कार्यक्रम और महिला शक्ति केंद्र उन मुद्दों से निपटने के लिए केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई नीतियों और कार्यक्रमों के कुछ महत्वपूर्ण उदाहरण हैं जिनका महिलाओं को आम तौर पर सामना करना पड़ता है। ये उन नीतियों और कार्यक्रमों के कुछ महत्वपूर्ण उदाहरण हैं जिन्हें लागू किया गया है।

देश में महिलाओं के व्यापक सशक्तिकरण की गारंटी के लिए, सरकार, व्यापारिक समुदाय, गैर-लाभकारी संस्था और आम जनता सभी को मिलकर काम करना चाहिए। जन आंदोलन और जन भागीदारी के माध्यम से सामूहिक व्यवहार परिवर्तन भी आवश्यक है।

हमारा समाज कहता है, पृथ्वी पर सबसे मूल्यवान वस्तु स्त्रियाँ हैं। आइए इस धरती पर हर महिला को सलाम करें। महिलाएं समाज की वास्तविक वास्तुकार हैं, वे जो चाहें वह बना सकती हैं। एक महिला क्या चाहती है? – समय, देखभाल और बिना शर्त प्यार, आदि। इस धरती पर प्रत्येक महिला गरिमा, संस्कृति और सम्मान का प्रतीक है। नारी के बिना यह संसार सूना और अंधा है। महिलाएं समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। निजी जीवन में महिला की भागीदारी काफी प्रभावशाली है। कई समाज घरों और समुदायों में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को नजरअंदाज करते हैं।

महिलाओं के अवैतनिक श्रम को अक्सर न तो महत्व दिया जाता है और न ही जीडीपी में शामिल किया जाता है, जो अक्सर अनदेखा और गैर-मान्यता प्राप्त रहता है। अब यह पहचानने का समय आ गया है कि उनकी भूमिका और योगदान कितने महत्वपूर्ण हैं। आइए सुनिश्चित करें कि दोनों लिंग एक-दूसरे को भागीदार के रूप में देखें।

शार्ट न्यूज

गड्ढे में फंसकर ट्रक में घुसी कार एक की मौत

कौशाम्बी । त्तर प्रदेश में जिले के मंझनपुर थाना क्षेत्र में रविवार को टेवा चौराहे के पास अनियंत्रित कार खड़े ट्रक के नीचे घुस गई। इस दुर्घटना में कार सवार युवती की मौके पर मृत्यु हो गई जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। पुलिस सूत्रों के अनुसार झारखंड के झरिया धनबाद निवासी पूनम देवी (22) पुत्री राम विलास प्रयागराज के सिविल लाइन स्थित एक होटल में नौकरी करती है। पूनम अपनी सहेली ममता (20) सनी (35) तथा संजीव (32) के साथ चित्रकूट घूमने कार से गई थी। चित्रकूट घूमने के बाद कार सवार शनिवार की रात्रि वापस प्रयागराज लौट रहे थे जैसे ही कार सवार मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के टेवा चौराहे के पास पहुंचे सड़क पर गड्ढे में फंसकर अनियंत्रित होकर ट्रक में पीछे से घुस गई । दुर्घटना की तेज आवाज सुनकर आसपास के घरों के लोग बाहर निकले और घटना कि सूचना स्थानीय पुलिस को दिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची टेवा पुलिस ने कार सवार यात्रियों को बड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला तब तक पूनम की मृत्यु हो चुकी थी हादसे में ममता, सनी ,संजीव गंभीर रूप से घायल हो गए पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस के जरिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है और मृतक पूनम के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है । हादसे की जानकारी पुलिस ने मृतका के परिजनों को फोन के जरिए दे दी है।

पुलिस लाइन में लगाए गए 2000 पौधे

मऊ। उत्तर प्रदेश में मऊ के पुलिस लाइन परिसर में आयोजित पांच दिवसीय ध्यान योग शिविर समापन समारोह के अवसर पर धर्मगुरु मिलन जी महाराज व पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडेय के नेतृत्व में आज एक साथ 2000 पौधे रोपित किए गए। औषधीय गुणों से युक्त लगाए गए पौधों के पालन पोषण की जिम्मेदारी भी अधिकारियों के ऊपर तक कर दी गई। पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडेय ने कहा आज समूचा विश्व पर्यावरण के साथ खिलवाड़ का प्रतिफल झेल रहा है। हमारे द्वारा पर्यावरण के साथ की जा रही अनदेखी का परिणाम यह निकल रहा है अब मौसम के समय तक में परिवर्तन होता नजर आने लगा है। जिससे समूचा मानव जीवन का अस्तित्व खतरे में नजर आने लगा है। ऐसे में अब से भी समय है की सभी लोग जिम्मेदारियों को समझते हुए पेड़ पौधे लगाए जिससे पर्यावरण बना रहे। इस अवसर पर सहायक पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी नगर धनंजय मिश्र, क्षेत्राधिकारी मोहम्मदाबाद अजय विक्रम सिंह, क्षेत्राधिकारी घोसी उमाशंकर उत्तम, प्रतिसार निरीक्षक रमाकांत पांडे और मिलन मेहता और भानु मिश्रा उपस्थित रहे।

फर्रुखाबाद में गंगा में डूबकर युवक की मौत

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश में फर्रुखाबाद जिले के राजेपुर थाना क्षेत्र में रविवार गंगा स्नान करते समय एक युवक की डूब कर मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि जिले के नवाबगंज थाना क्षेत्र के ग्राम उखरा का निवासी सुरजीत उम्र करीब (22) कल शनिवार को अपनी ससुराल राजेपुर थाना क्षेत्र के ग्राम रामपुर जोगराजपुर निवासी ससुर संतोष शर्मा के यहां आया था। आज करीब 9ः30 बजे युवक सुरजीत अपने साले आलोक,व अजय के साथ गांव से करीब 100 मीटर दूर, गंगा में स्नान करने गया। जहां साले –बहनोई सभी, गंगा स्नान करने लगे। इसी दौरान बहनोई, सुरजीत की स्नान करते–करते गहरे जल में डूब करमौत हो गई। बहनोई के गंगा में डूबते ही मची चीख पुकार पर परिजन एवं ग्रामीण मौके पर एकत्र हुए तथा पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की कड़ी मशक्कत के करीब 02 घंटे बाद मृतक सुरजीत के शव को गंगाजल से बाहर निकाला। थाना प्रभारी निरीक्षक दिवाकर प्रसाद सरोज ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल फतेहगढ़ को भिजवाया गया।

मऊ में नाली के विवाद में हत्या

मऊ। मऊ जनपद में नाली के विवाद को लेकर कुछ दबंगों ने एक व्यक्ति लाठी–डंडों से पीट पीटकर हत्या कर दी। रविवार की सुबह बीबीपुर गांव में नाली के विवाद को लेकर दो पक्षों में कहासुनी हुई। देखते ही देखते बात इतनी बढ़ गई कि एक पक्ष से लगभग 4 से 5 लोगों ने मिलकर दूसरे पक्ष के ऋषिकेश यादव पर लाठी–डंडों से हमला कर दिया, जिससे 53 वर्षीय ऋषिकेश यादव की मौके पर ही मौत हो गई। पूरा मामला थाना दोहरीघाट क्षेत्र के बीबीपुर गांव का है। जहां रविवार की सुबह लगभग 9ः00 बजे नाली के विवाद को लेकर गांव के ही दो पक्षों में कहासुनी होने लगी। देखते ही देखते मामला तूल पकड़ लिया और दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। मारपीट में बीबीपुर गांव निवासी ऋषिकेश यादव (53) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने घटना की जानकारी पुलिस के आला अधिकारियों को देते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नव विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

महोबा। महोबा में नव विवाहिता की फांसी के फंदे से लटक कर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। ससुराल पक्ष के लोग इस मौत को आत्महत्या बता रह हैं, लेकिन मायके का आरोप है कि दहेज में ढाई लाख रुपए की नगदी न दिए जाने पर नव विवाहिता की हत्या कर उसे फांसी पर लटकाया गया। एक माह पूर्व लाल जोड़े में दुल्हन बन कर आई विवाहिता को सफेद कफन ओढ़ाया गया है। जिससे उसके मायके में मातम पसरा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मामला पनवाड़ी थाना क्षेत्र के रिछा गांव का है। रिछा गांव में एक माह पूर्व दुल्हन बन कर आई नव विवाहिता की फांसी के फंदे से लटक कर मौत हुई है। नव विवाहिता के हाथों की मेहंदी भी ना छूट पाई थी और उसकी मौत होने से परिवार में कोहराम मच गया है। कुलपहाड़ कोतवाली क्षेत्र के बेलाताल कस्बे में रहने वाले बाबूलाल ने एक माह पूर्व 11 जून को अपनी 22 वर्षीय पुत्री आरती का विवाह रिछा गांव निवासी चंद्रप्रकाश के साथ किया था।

शामली में तालाब में डूबने से किशोर की मौत

शामली। शामली में खेलते समय पैर फिसलने से एक किशोर तालाब में गिर गया। जिससे उसकी मौत हो गई। किशोर के परिजनों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी और स्थानीय लोगों और गोताखोर की मदद से शव को बाहर निकाला और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दी। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के सिंभालका गांव की है। सिंभालका में शौकीन का बेटा अरमान अपने दोस्तों के साथ तालाब के पास गया था। अचानक उसका खेल के दौरान पैर फिसला और वह तालाब में जा गिरा। जहां उसकी तालाब में डूबने से मौत हो गई। जबकि पास में खेल रहे बच्चों का शोर–शराबा सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और परिजनों ने पुलिस को सूचना दी और पुलिस ने गोताखोर और स्थानीय लोगों की मदद से शव को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। अरमान के चाचा का कहना है कि यह मेरा भतीजा है। जो अपने दोस्तों के साथ तालाब के पास अकेला था। इसका पैर फिसल गया और यह तालाब में डूब कर मर गया। वह 9वीं कक्षा में पढ़ता था।

बेकाबू बस ने 5 लोगों को रौंदा, एक की मौत

हरदोई। हरदोई शहर में बेकाबू बस ने सनसनी फैल दी। डीएम चौराहा से पहले मजार के पास बस ने बाइक में टक्कर मार दी और बाइक सवार घायल हो गया, जबकि फुटपाथ पर मौजूद लोग भी बस की चपेट में आने से चोटिल हो गए। बस इसके बाद कार में मारते हुए कूड़ाघर में जा घुसी। हादसे में एक की मौत हो गई। नुमाइश चौराहा जिंदपीर बाबा की मज़ार के पास अचानक बस का ब्रेक फेल होने से बेकाबू हुई बस ने सड़क किनारे खड़ी मारूति वैन और एक बाइक में टक्कर मार दी। इस हादसे में सड़क के किनारे बैठे एक युवक की वहीं पर मौत हो गई। जबकि बस का ड्राइवर व एक अन्य बुरी तरह जख्मी हो गया। ड्राइवर के मुताबिक बस का ब्रेक फेल होने की वजह से हादसा हुआ। इसका पता होते ही एसपी राजेश द्विवेदी ने हादसे में ज़ख्मी हुए लोगों को मेडिकल कालेज भिजवाया। शव मोर्चरी में रखवा दिया गया है। साण्डी रोड सुरजीपुर कालोनी निवासी बस ड्राइवर ककेड़ी बस से सवारियां उतारने के बाद खाली बस को मजार के सामने सड़क के फुटपाथ पर खड़ी करने जा रहा था। ड्राइवर के मुताबिक इसी बीच बस का ब्रेक फेल हो गया।

सबकी समस्या का निस्तारण सरकार की प्राथमिकता : योगी

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने सुनीं 400 लोगों की समस्याएं

गोरखपुर । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में 400 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। सभी को आश्वस्त किया सबकी समस्या का निस्तारण करना उनकी प्राथमिकता है और सभी के साथ न्याय किया जाएगा। लोगों की समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र लेकर उसे अधिकारियों को इस निर्देश के साथ हस्तगत किया कि समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक निस्तारण सुनिश्चित करें।

गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में सीएम योगी ने एक–एक कर सभी लोगों से मुलाकात की।

इत्मीनान से उनकी बात सुनी और उनके प्रार्थना पत्र लिए। उन्होंने सभी को समस्या निस्तारण का भरोसा देते हुए कहा कि उनके रहते किसी की चिंता करने या परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। सबकी समस्या पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित कराई जाएगी। कुछ लोगों की बिजली बिल संबंधी परेशानी पर उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ओटीएस योजना से लोगों को राहत प्रदान की जाए।

जनता दर्शन में कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में इस्टीमेट की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण कर शासन को भेजें।

इलाज के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। लोगों को आश्वस्त किया कि धन के अभाव में किसी का इलाज बाधित नहीं होगा।

सिद्धपीठ हथियाराम मठ पर मोहन भागवत का आगमन 19 जुलाई को

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश में गाजीपुर जनपद स्थित सिद्धपीठ हथियाराम में 19 जुलाई को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत का आगमन होने जा रहा है, इसे लेकर मठ व प्रशासन की तरफ से जोर–शोर से तैयारी की जा रही है। संघ प्रमुख मोहन भागवत बेसो नदी के रमणीय तट पर स्थित अति प्राचीन सिद्धपीठ हथियाराम मठ के 26वें पीठाधिपति महामंडलेश्वर स्वामी श्री भवानीनन्दन यति जी महाराज के सानिध्य में बुढ़िया माता का दर्शन–पूजन व अन्य कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। 19 जुलाई को हथियाराम मठ के महंत एवं जूना अखाड़ा के वरिष्ठ महामंडलेश्वर स्वामी भवानीनंदन यति महाराज से मुलाकात का कार्यक्रम है । उनके आगमन कार्यक्रम को लेकर जोर–शोर से तैयारियां चल रही है। संघ प्रमुख विगत वर्ष भी हथियाराम स्थित बुढ़िया माता मंदिर आये थे। सरसंघचालक कुछ वर्षों से पूर्वांचल में संघ कार्य, विचार और समसामयिक विषयों पर चर्चा के लिए प्रवास पर निकलते हैं।

सड़क पर नमाज पढ़ने पर इमाम सहित 25 पर एफआईआर

जुम्मे के दिन रास्ता रोककर पढ़ी थी नमाज, लोगों को हुई थी परेशानी

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर में सड़क पर जुमे की नमाज पढ़ने के मामले में पुलिस ने इमाम सहित 25 अज्ञात लोगों पर मुकदमा दर्ज किया है।सार्वजनिक रास्ता रोककर सड़क पर जुमे की नमाज पढ़े जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसके बाद पुलिस ने ये कार्रवाई की है। मुजफ्फरनगर में 14 जुलाई को शहर की सैकड़ों मस्जिदों में जुमे की नमाज अदा हुई थी। शनिवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें कुछ लोग सार्वजनिक रास्ता रोककर सड़क पर नमाज पढ़ते नजर आए। वायरल वीडियो शहर कोतवाली क्षेत्र के रहमत नगर स्थित रहमान मस्जिद के बाहर का बताया जा रहा था। वीडियो वायरल होने के बाद शहर कोतवाली पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी थी। एएसपी आयुष विक्रम सिंह ने बताया था कि शहर कोतवाली पुलिस को इस मामले में जांच के आदेश दिए

गए हैं। जिसके बाद शहर कोतवाली में सब इंस्पेक्टर धर्मेंद्र श्योरण ने सड़क पर नमाज पढ़ने के मामले में मुकदमा दर्ज कराया। उन्होंने मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर जांच की गई तो पता चला कि शुक्रवार को रहमत नगर फवारा चौक के पास रहमान मस्जिद के इमाम नसीम पुत्र नूर मोहम्मद ने मस्जिद के बाहर 20–25 लोगों को सार्वजनिक रास्ता रोक सड़क पर नमाज पढ़ाई। जिससे आने–जाने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। इस मामले में मस्जिद के इमाम 20–25 अज्ञात नमाजियों के विरुद्ध आईपीसी की धारा 341 में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई।

थाने के पास हिस्ट्रीशीटर को मारी गोली, मौत

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली शहर में थाना प्रेमनगर थाने से चंद कदम दूरी पर एक हिस्ट्रीशीटर की गोली मारकर हत्या कर दी गयी है। मोटर साइकिल पर सवार तीन हमलावर ने तमंचों से आठ फायर कर मौके से फरार हो गये हैं। एसपी सिटी बरेली राहुल भाटी ने बताया कि हिस्ट्रीशीटर अजय वाल्मीकि(26) की गोली मारकर हत्या कर दी गयी है।अजय पर अलग थानों में कई प्राथमिकी दर्ज है। उसकी हत्या के एक आरोपी को पकड़ लिया गया है। उससे पूछताछ हो रही है। उन्होंने बताया बताया कि आपसी

रंजिश लेकर घटना हुयी है। जाटवपुरा मोहल्ला निवासी अजय वाल्मीकि (26) शनिवार शाम सात बजे दोस्त लकी के घर गया था। परिजनों के अनुसार शनिवार साढ़े आठ बजे मोटर साइकिल से अजय वाल्मीकि और लकी दोनों डीडीपुरम में एक अन्य दोस्त के घर मिलने जा रहे थे।

कांवडियां हादसे में नियमों की अनदेखी को लेकर उठ रहे हैं सवाल

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में हाई वोल्टेज लाइन की चपेट में आने से छह कांवड़ियों की मौत के बाद यात्रा के दौरान डीजी की ऊंचाई को लेकर स्पष्ट नियमों की अनदेखी किये जाने की बात उठ रही है और इस कारण पुलिस की कार्यशैली सवालों के घेरे में आ रही है।

इस मामले में मेरठ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सजवाण ने आज बताया कि इस बात की जांच कराई जा रही है कि ट्रैक्टर ट्राली पर रखे 22 फुट ऊंचे डीजे को आखिर कैसे कांवड़ यात्रा में शामिल होने दिया गया। उन्होंने कहा कि लापरवाही बरतने वाले पुलिस कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई की जायेगी। दूसरी तरफ इस

मामले में ऊर्जा निगम की एक उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया गया है जो हाई वोल्टेज लाइन से करंट फैलने के बारे में विस्तार से जांच करेगी।

पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक चैत्रा वी ने बताया कि इस जांच समिति में मुख्य अभियंता, सुरक्षा अधिकारी और एक अधिशासी अभियंता शामिल हैं। उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

गौरतलब है कि कांवड़ यात्रा शुरु होने से पूर्व ही चार राज्यों के आला पुलिस अधिकारियों की हाई प्रोफाइल मीटिंग में तय कर दिया गया था कि 12 फुट से ऊंचे डीजे (म्यूजिक सिस्टम) को कांवड़ यात्रा में शामिल नहीं होने दिया जायेगा।

इसके बावजूद 22 फुट ऊंचे डीजे को कैसे अनुमति दी गई और किसी भी जगह उसे नहीं रोका गया।

मेरठ में भावनपुर क्षेत्र के राली चौहान गांव से 22 फुट ऊंचे डीजे को ट्रैक्टर ट्राली में रखकर हरिद्वार तक ले जाया गया और फिर वहां से वापस लाया गया। उत्तराखंड के अलावा उत्तर प्रदेश के इस बीच में मुजफ्फरनगर और मेरठ जिले में दर्जनों थाने और पुलिस चौकियां हैं लेकिन कहीं भी इतने ऊंचे डीजे को रोकने का प्रयास भी नहीं किया गया।

हैरानी की बात है कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर तैनात किसी भी पुलिस कर्मी या अधिकारी को यह जानकारी क्यों नहीं थी कि कि 12 फुट से ऊंचे डीजे पर प्रतिबंध है। इतना ही नहीं मेरठ में जेल चुंगी पर कांवड़ियों के दो ग्रुपों में होड़ को देखते हुए इस डीजे को कुछ देर रोका भी गया था लेकिन उसकी ऊंचाई को पूरी तरह अनदेखा कर दिया गया।

पहले प्रेमिका की हत्या, फिर खुद जान दी

रामपुर। रामपुर में शनिवार को सिरफिरे प्रेमी ने प्रेमिका की सिर में गोली मारकर हत्या कर दी। फिर खुद की कनपटी में गोली मारकर सुसाइड कर लिया। गोली की आवाज सुनकर लड़की के घरवाले आ गए। आनन–फानन में दोनों को अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था युवक

मामला शहर पॉश इलाके ईदगाह का है। मृतक लड़की का नाम ताईबा (18) है। उसकी दो बहनें और 3 भाई हैं। उसके पिता का 1 महीने पहले निधन हो गया था। जबकि मृतक लड़के का नाम तालिब (20) है। वह प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। तालिब और ताईबा के घरों के बीच की दूरी 100 मीटर है।

दरवाजा खोलते ही मार दी गोली

लड़की के परिजनों ने बताया कि शनिवार रात करीब 11: 30 बजे तालिब ने घर का दरवाजा खटखटाया। इसके बाद बेटी ताईबा ने दरवाजा खोला। दरवाजा खोलते ही तालिब ने बेटी के सिर में गोली मार दी। ताईबा मौके पर गिर गई और तड़पने लगी। इसके बाद तालिब घर के बाहर आया और खुद को भी कनपटी में गोली मार ली।

परिजनों ने बताया कि गोली की आवाज सुनकर हम लोग दरवाजे पर पहुंचे, देखा तो बेटी खून से लथपथ तड़प रही थी। बेटी से 10 फीट दूरी तालिब भी गिरा पड़ा था। उसके सिर से खून बह रहा था। इसके बाद हम लोग दोनों को अस्पताल ले गए। जहां दोनों की मौत हो गई।

आकाशीय बिजली की चपेट में आकर 20 भेड़ों की मौत

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश में सोनभद्र के चोपन थानाक्षेत्र में बीती रात में हुई तेज बारिश के समय में गिरी आकाशीय बिजली के चपेट में आने से 20 भेड़ों की मौत हो गई। पुलिस सूत्रो ने बताया कि अदलगंज गांव निवासी रामजतन ,शिवकुमार ,रामबली ,रामदयाल, जगन्नाथ पाल ,बलवंत पाल रामवृक्ष पाल ,गणेश पाल और शिवनारायण पाल आदि लोगों की भेड़ रात में एक ही जगह एक साथ खड़ी थी। देर रात शुरू हुई बरसात एवं गरज चमक के बीच आकाशीय बिजली गिरने से लगभग 20 भेड़ उसकी चपेट में आ गए।

रायबरेली : जलभराव के कारण ट्रेनें की गयीं निरस्त

रायबरेली। उत्तर प्रदेश के रायबरेली से होकर गुजरने वाली जनता एक्सप्रेस और योग नगरी ट्रेन जलभराव के कारण निरस्त कर दी गयी है।

रेलवे विभाग के सूत्रों से रविवार को मिली जानकारी के अनुसार रायबरेली से होकर गुजरने वाली जनता एक्सप्रेस ट्रेन और योग नगरी को लक्सर के पास जलभराव के कारण निरस्त किया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक ट्रेन संख्या 15119 व 15120 जनता एक्सप्रेस जो कि देहरादून बनारस मार्ग पर निर्धारित है 16 व 17 जुलाई तक निरस्त रहेगी। इसी प्रकार देहरादून से प्रयागराज संगम के लिए निर्धारित योग नगरी ऋषिकेश ट्रेन जिसकी संख्या 14229 व 14230 है आज के लिए निरस्त किये जाने की सूचना है।

इनके अलावा अन्य मार्गो से होकर जाने वाली करीब एक दर्जन ट्रेन उत्तराखंड में हुई भारी बारिश के कारण प्रभावित हुई है।

सपा कार्यकर्ताओं ने सब्जियों का माला पहनकर किया विरोध प्रदर्शन

▸ सपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि आने वाले दिनों में लगातार हर चौराहे पर समाजवादी पार्टी महंगी सब्जी के विरोध में प्रदर्शन करेगी

कानपुर। कानपुर में सब्जी के आसमान छूते दामों के विरोध में समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने मिर्च और भिंडी की माला पहनकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस से कार्यकर्ताओं के बीच धक्का मुक्की भी हुई।

कार्यकर्ताओं का कहना है कि वह जनता की आवाज उठाने के लिए सड़क पर उतरे थे। सब्जी बेचने के लिए वह चौराहे–चौराहे जाना चाहते थे। लेकिन पुलिस ने उनके साथ धक्का–मुक्की की। सपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि आने वाले दिनों में लगातार हर चौराहे पर समाजवादी पार्टी महंगी सब्जी के विरोध में प्रदर्शन करेगी।

कानपुर के किदवई नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत मार्बल मार्केट में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने महंगी सब्जी के विरोध में जमकर प्रदर्शन किया। महंगी सब्जी होने के विरोध में महिलाओं ने भिंडी और मिर्च की माला बनाकर गले में पहनकर विरोध किया। सरकार के खिलाफ कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की।

सपा जिलाध्यक्ष फजल महमूद ने बताया कि जनता की आवाज उठाने के लिए समाजवादी पार्टी के लोग सड़क पर निकले। लेकिन पुलिस ने कार्यकर्ताओं के साथ धक्का–मुक्की की ।उन्हें प्रदर्शन करने से रोका। उन्होंने बताया कि किदवई नगर मार्बल मार्केट से जैसे ही महिलाओं और पुरुष कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन शुरू किया।

मथुरा–आगरा में उफान पर यमुना, कई जिलों में बाढ़

वाराणसी में घाटों तक पहुंचा गंगा का पानी; 12 शहरों में बारिश का यलो अलर्ट

कानपुर/वाराणसी/आगरा/मथुरा / गाजियाबाद। यूपी में बारिश से हाहाकार मचा हुआ है। गाजियाबाद, नोएडा और सहारनपुर में नदियों के तटबंध टूटने से कई गांवों और कॉलोनियों में बाढ़ आ गई। वाराणसी में गंगा का जलस्तर बढ़ने से घाटों तक पानी आ गया है। कुछ छोटे मंदिरों में भी पानी आ गया है। वहीं, कानपुर में गंगा नदी का जलस्तर भी लगातार बढ़ रहा है। खतरे के निशान से नदी बस 1 मीटर नीचे बह रही है।

मथुरा में यमुना खतरे के निशान को पार कर गई है। 40 गांव और 12 कॉलोनी में पानी भर गया है। आगरा से आई ताजा तस्वीरों में दिख रहा है, बेलनगंज स्ट्रेची ब्रिज तक यमुना का पानी आ चुका है। लोगों को यहां चलना भी मुश्किल है। दरअसल, यमुना का जलस्तर 495.80 तक पहुंच चुका है। फ्लड लेवल 495 फीट से

यमुना ऊपर बह रही है। आगरा में पिछली बार 1978 में बाढ़ आई थी। यमुना का जलस्तर 508 मीटर तक पहुंच गया था।

मुरादाबाद के बिलारी में बारिश की वजह से दो मंजिला मकान भरभराकर गिर गया। हादसे में 3 नाबालिग भाई मकान के मलबे के नीचे दब गए। ग्रामीणों ने तीनों को बमुश्किल मलबे से बाहर निकाला। मलबे में दबे भाइयों के हाथ– पैर में फ्रैक्चर हो गया है। तीनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है।

गंगा में 10 मिलीमीटर की रफ्तार से हो रही बढ़ोतरी

गंगा के जलस्तर में दूसरे दिन रविवार को भी वृद्धि दर्ज की गई। 10 मिलीमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से पानी बढ़ रहा है। पर्वतीय इलाकों में बारिश के चलते जलस्तर में वृद्धि हो रही है। पानी बढ़ने से कई घाटों की सीढ़ियां डूबने लगी हैं। इस समय गंगा खतरे से बिंदु से लगभग 10 मीटर नीचे बह रही हैं। यहां गंगा का चेतावनी बिंदु 70.262 मीटर, खतरे का बिंदु 71.262 मीटर है।

बाढ़ और बारिश से बिगड़ रहे हैं हालात

भारी बारिश से नोएडा में बाढ़ आ गई है। मथुरा में यमुना खतरे के निशान से सिर्फ 20 सेंटीमीटर दूर है। मथुरा–वृंदावन के 35 गांव में नदी का पानी घुस गया है। लोगों को राहत शिविर में भेजा गया है। पशुओं को रेस्क्यू किया जा रहा है। गांवों में बाढ़ का पानी आने से 1 हजार लोग घरों में फंसे हुए हैं। विश्राम घाट तक पानी पहुंच चुका है। यमुना का जलस्तर 166 मीटर तक पहुंच गया है। आगरा में श्मशान घाट तक डूब गए हैं। दिल्ली–आगरा नेशनल हाई–वे को यमुना एक्सप्रेस–वे से जोड़ने वाले रोड पर आ गया है।

जालौन: अवैध खनन माफियाओं की संपत्ति जब्त, मचा हड़कंप

जालौन । उत्तर प्रदेश के जनपद जालौन में रविवार को जिला प्रशासन ने अवैध बालू खनन और अवैध परिवहन में लिप्त माफियाओं की संपत्ति जब्तीकरण की कार्रवाई की। इस कार्रवाई से अवैध खनन और अवैध परिवहन के कारोबार में लिप्त माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है।

जिला मजिस्ट्रेट के आदेश पर यह कार्रवाई माधौगढ़ तथा रामपुरा इलाके में की गई है। प्रशासन ने 04 करोड़ 62 लाख की संपत्ति को कुर्क किया है।

माधौगढ़ और रामपुरा इलाके में अवैध तरीके से माफिया कई सालों से गैंग बनाकर एमपी और यूपी के बॉर्डर पर अवैध बालू परिवहन और अवैध खनन को अंजाम देने में लगे थे, जिससे शासन को करोड़ों के राजस्व का चूना भी लग रहा था। जिनके खिलाफ जिला प्रशासन ने एक अभियान चलाया गया था, जिसके तहत ओवरलोड में लिप्त ट्रकों के खिलाफ कार्रवाई कर ट्रकों को मंडी परिसर पर खड़ा करा दिया गया। जिसके बाद जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय ने अवैध खनन व परिवहन में लिप्त माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे।

जैन मुनि की हत्या के विरोध में जैन समाज ने निकाली रैली

फिरोजाबाद । उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में जैन समाज ने कर्नाटक के जिला बेलगामी के गांव हिल कोडी में आचार्य 108 काम कुमार नंदी महाराज की निर्मम हत्या के विरोध में एक आक्रोश रैली रविवार को निकाली। भारतीय जैन मंच हिंद ग्रुप के तत्वाधान में मुनि श्री अमित सागर महाराज आर्यका 105 दिव्य मति माताजी के सानिध्य में निकाली गयी रैली आटा वाला जैन मंदिर से प्रारंभ होकर मोहल्ला गंज सिनेमा चौराहा कंपनी बाग होते हुए छदामी लाल जैन मंदिर पहुंची।

आजमगढ़ में मुठभेड़, 25 हजार का इनामी गिरफ्तार

आजमगढ़। आजमगढ़ पुलिस ने मुठभेड़ के बाद 25 हजार के इनामी हिस्ट्रीशीटर चन्द्रजीत उर्फ पत्तर को गिरफ्तार किया है।

आरोपी के कब्जे से लूट का 45200 रुपया, तमंचा, बाइक और मोबाइल बरामद किया गया है। चन्द्रजीत यादव मेंहनगर थाने का हिस्ट्रीशीटर है और आरोपी पर 18 से अधिक गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। मामले का खुलासा करते हुए जिले के एसपी सिटी शैलेन्द्र लाल ने बताया कि मेंहनगर थाने की पुलिस को सूचना मिली थी कि लूट की घटना में शामिल बदमाश बाइक से कहीं जाने वाला है। पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए चेकिंग शुरू की। इसी बीच एक बाइक आती दिखी। पुलिस रुकने का इशारा किया तो बाइक सवार ने फायरिंग शुरू कर दी।

शार्ट न्यूज

विदेशी मुद्रा भंडार 1.23 अरब डॉलर बढ़कर 596.3 अरब डॉलर पर

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में बढ़ोतरी होने से 07 जुलाई को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.23 अरब डॉलर बढ़कर 596.3 अरब डॉलर पर पहुंच गया जबकि इसके पिछले सप्ताह यह 1.9 अरब डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 595.1 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 07 जुलाई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 98.9 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 528.9 अरब डॉलर पर पहुंच गयी। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार 22.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 44.1 अरब डॉलर हो गया। वहीं, आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में 40 करोड़ डॉलर की गिरावट आई और यह घटकर 18.2 अरब डॉलर पर आ गया। इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित निधि 1.5 करोड़ लाख डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 5.02 अरब डॉलर हो गई।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

नयी दिल्ली। वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में गिरावट आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतें आज भी यथावत रही, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर आज जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 2.11 प्रतिशत की गिरावट लेकर 75.27 डॉलर प्रति बैरल पर और लंदन ब्रेंट क्रूड गिरकर 79.87 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

ब्रिटेन ट्रांस पैसिफिक फ्री ट्रेड ब्लॉक में हुआ शामिल

नई दिल्ली। ब्रिटेन ने ट्रांस पैसिफिक फ्री ट्रेड ब्लॉक में शामिल होने के लिए रविवार को औपचारिक रूप से ट्रांस-पैसिफिक पार्टनरशिप (सीपीटीपीपी) व्यापार ब्लॉक पर हस्ताक्षर किए। यह एक व्यापक और प्रगतिशील समझौता है। ब्रिटेन की ओर से इस समझौते पर कहा गया कि इससे ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में मदद मिलेगी। समझौते के बाद ब्रिटेन के बिजनेस 50 करोड़ से अधिक की आबादी तक अपना संपर्क स्थापित कर पाएंगे। भारत के साथ चल रहे मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की वार्ता का नेतृत्व कर रही ब्रिटेन की व्यापार व वाणिज्य मंत्री केमी बडेनोच ने इस साल की शुरुआत में ऑकलैंड की यात्रा के दौरान समझौते पर हस्ताक्षर किए और इसे ब्रेक्जिट के बाद देश की बड़ी जीत बताया। ब्रिटेन अब समझौते की पुष्टि करने की कोशिश करेगा, जिसमें संसदीय जांच शामिल होगी क्योंकि सीपीटीपीपी के सदस्य देशों को ब्रिटेन को व्यापारिक ब्लॉक में शामिल करने के लिए अपनी विधायी प्रक्रियाओं को पूरा करना होगा, बता दें कि भारत इसका सदस्य नहीं है।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से मिले गौतम अदाणी, बिजली देने को लेकर की चर्चा

ढाका। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने शनिवार को बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से ढाका में मुलाकात की। अदाणी समूह ने एक बयान में कहा कि अदाणी की बांग्लादेश यात्रा झारखंड के गोड्डा में समूह के अल्ट्रा सुपर-क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट से पड़ोसी देश को पूर्ण क्षमता से बिजली आपूर्ति शुरू होने के बाद हुई है। मुलाकात के बाद अदाणी ने ट्वीट किया, 1600 मेगावाट क्षमता के बिजली संयंत्र के शुभारंभ और बिजली हस्तांतरण पर बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से मुलाकात कर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं भारत और बांग्लादेश की समर्पित टीमों को सलाम करता हूं, जिन्होंने कोविड-19 महामारी का सामना करते हुए भी साढ़े तीन साल के रिकॉर्ड समय में इस संयंत्र को चालू किया। अदाणी पावर लिमिटेड (एपीएल) ने 1,600 मेगावॉट की अपनी गोड्डा बिजली परियोजना से बांग्लादेश को बिजली आपूर्ति 10 अप्रैल से शुरू की थी। जून में कंपनी का 800 मेगावॉट का दूसरा प्लांट चालू हुआ। यह भारत की ऐसी पहली सक्रिय अंतरराष्ट्रीय बिजली परियोजना है, जहां पैदा होने वाली 100 प्रतिशत बिजली दूसरे देश को आपूर्ति की जाती है।

डिफेंस कंपनियों के शेयरों को अर्निंग ग्रोथ से नहीं मिल रही मदद

चालू कैलेंडर वर्ष के शुरू से सूचीबद्ध रक्षा उपकरण निर्माताओं के शेयर भाव में भारी तेजी आई है। हालांकि इस तेजी में इन कंपनियों के वित्तीय प्रदर्शन का असर दिखना अभी बाकी है। सार्वजनिक क्षेत्र 6 रक्षा कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण इस साल अब तक आधार पर 45 प्रतिशत तक बढ़ा है और पिछले साल में दोगुना हुआ। इसके विपरीत, संयुक्त आय वित्त वर्ष 2023 में सिर्फ 15.8 प्रतिशत तक बढ़ी थी। बिजनेस स्टैंडर्ड के नमूने में शामिल 6 रक्षा कंपनियों के शेयरों का मूल्यांकन मंगलवार को 2.93 लाख करोड़ रुपये पर था, जो दिसंबर 2022 के 2.04 लाख करोड़ रुपये और जून 2022 के 1.4 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले 44 प्रतिशत ज्यादा है। तुलनात्मक तौर पर, बीएसई का सेंसेक्स YTD आधार पर 7.8 प्रतिशत तक और पिछले साल जून के अंत से 23.7 प्रतिशत तक चढ़ा है। इससे रक्षा कंपनियों के शेयरों का प्रदर्शन पिछले साल में शेयर बाजारों में शानदार रहा।

शीर्ष आठ रियल एस्टेट कंपनियों पर कर्ज का बोझ तीन साल में 43 प्रतिशत घटा

रियल एस्टेट क्षेत्र की शीर्ष आठ कंपनियों पर शुद्ध कर्ज का बोझ वित्त वर्ष 2019-20 के लगभग 40,000 करोड़ रुपये से 43 प्रतिशत घटकर बीते वित्त वर्ष (2022-23) में 23,000 करोड़ रुपये रह गया है। रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी एनारॉक ने बताया कि घरों की भारी मांग से रियल एस्टेट कंपनियों पर कर्ज घटा है। एनारॉक के अनुसार, देशभर में घरों की भारी मांग ने प्रमुख बड़े और सूचीबद्ध डेवलपर अपना कर्ज कम कर सके हैं। एनारॉक ने आवासीय रियल एस्टेट में कार्यरत शीर्ष आठ कंपनियों के वित्तीय प्रदर्शन का विश्लेषण किया। इन कंपनियों में डीएलएफ, मैक्रोटेक डेवलपर्स (लोढ़ा ब्रांड), गोदरेज प्रॉपर्टीज, प्रेस्टीज एस्टेट प्रोजेक्ट्स, शोभा, ब्रिगेड एंटरप्राइजेज, पूर्वांकर और महिंद्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स लिमिटेड हैं। शीर्ष आठ सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनियों पर शुद्ध कर्ज वित्त वर्ष 2019-20 में 40,500 करोड़ रुपये से वित्त वर्ष 2022-23 में घटकर लगभग 23,000 करोड़ रुपये रह गया है। इन आठ कंपनियों पर कर्ज की औसत लागत 2019-20 के 10.3 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में नौ प्रतिशत रह गई। वित्त वर्ष 2020-21 में ब्याज दर 9.05 प्रतिशत थी जबकि 2021-22 में कर्ज लागत 7.96 प्रतिशत थी।

खाद्य तेल और दाल-दलहन में मिलजुला रुख

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों में पाम ऑयल की तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर उठाव कमजोर रहने से बीते सप्ताह खाद्य तेल और दाल-दलहन में मिलजुला रुख रहा वहीं अनाज और मीठे के भाव स्थिर रहे। तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जुलाई वायदा सप्ताहांत पर 59 रिंगिट उबलकर 3818 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 2.59 सेंट की तेजी लेकर 61.34 सेंट प्रति पौंड बोला गया। सप्ताहांत पर सरसों तेल 147 और सोया रिफाइंड 147 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गया जबकि सूरजमुखी तेल 146 रुपये प्रति क्विंटल गिर गया। वहीं, मूंगफली तेल, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पुराने स्तर पर पड़े रहे। सप्ताहांत पर सरसों तेल 12088 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 20732 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 13773 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 11868 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 9000 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 11000 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा। दाल-दलहन: बीते सप्ताह दाल-दलहन के बाजार में मिलाजुला रुख रहा। सप्ताहांत पर मसूर दाल 100 रुपये और मूंग दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती रही जबकि उड़द दाल 150 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गई। वहीं, चना, दाल चना और अरहर दाल में कोई बदलाव नहीं हुआ।

कंपनियों के तिमाही परिणाम तय करेंगे बाजार की चाल

मुंबई। अमेरिकी फेड रिजर्व के ब्याज दर नहीं बढ़ाने की उम्मीद में हुई दमदार लिवाली की बदौलत बीते सप्ताह एक प्रतिशत से अधिक की छलांग लगा चुके घरेलू शेयर बाजार की चाल अगले सप्ताह कंपनियों के चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के नतीजे से तय होगी।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 780.45 अंक अर्थात 1.2 प्रतिशत की उछाल लेकर सप्ताहांत पर पहली बार 66 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 66060.90 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 232.7 अंक यानी 1.2 प्रतिशत की तेजी लेकर 19564.50 अंक पर पहुंच गया।

समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों में भी लिवाली का जोर रहा। इससे सप्ताहांत पर मिडकैप 393.98 अंक मजबूत होकर 29393 अंक और स्मॉलकैप 572.46 अंक की छलांग लगाकर 33701.90 अंक पर रहा।

विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिका में इस वर्ष जून में खुदरा महंगाई घटी है। इससे फेडरल रिजर्व से उम्मीद की जा रही है कि वह इस साल ब्याज दरों में जारी बढ़ोतरी के सिलसिले पर विराम लगा सकता है। इससे बीते सप्ताह सेंसेक्स ऊंचाई के नए शिखर पर पहुंचा। बाजार पर इसका असर अगले सप्ताह भी देखा जा सकेगा। इसके साथ ही विदेशी संस्थागत निवेशकों का रुख, कच्चे तेल की कीमत और डॉलर सूचकांक का असर भी बाजार पर रहेगा।

स्थानीय स्तर पर अगले सप्ताह रिलायंस, इंफोसिस, जेएसडब्ल्यूएस स्टील, हिंदुस्तान यूनिलीवर, अल्ट्रासिमको, एचडीएफसी बैंक, सेंट्रल बैंक, इंडसइंड्स बैंक, इंडियन बैंक, यूनियन बैंक और महाराष्ट्र बैंक समेत कई अन्य दिग्गज कंपनियों के पहली तिमाही के परिणाम जारी होने वाले है। बाजार को दिशा निर्धारित करने में इन कारकों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

बीते सप्ताह शेयर बाजार में चार दिन तेजी जबकि एक दिन गिरावट रही। विश्व बाजार की तेजी के बीच स्थानीय स्तर पर रिलायंस, टाटा स्टील और आईसीआईआई बैंक समेत आठ कंपनियों में 3.78 प्रतिशत तक की बढ़त को बदौलत सोमवार को सेंसेक्स 63.72 अंक चढ़कर 65,344.17 अंक और निफ्टी 24.10 अंक बढ़कर 19,355.90 अंक पर रहा।

एशियाई बाजारों के सकारात्मक रुझान से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर सीडी, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, इंडस्ट्रियल्स और दूरसंचार समेत चौदह समूहों में हुई लिवाली की बदौलत मंगलवार को सेंसेक्स 273.67 अंक की छलांग लगाकर 65,617.84 अंक और निफ्टी 83.50 अंक उछलकर 19,439.40 अंक पर पहुंच गया।

वहीं, वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर ऊंचे भाव पर हुई मुनाफावसूली के दबाव में बुधवार को सेंसेक्स 223.94 अंक लुढ़ककर 65,393.90 अंक और निफ्टी 55.10 अंक फिसलकर 19,384.30 अंक पर आ गया।

वैश्विक बाजार में आई तेजी के बीच स्थानीय स्तर पर औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि और तिमाही परिणाम मजबूत रहने से टीसीएस समेत तेरह कंपनियों में हुई दमदार लिवाली की बदौलत गुरुवार को सेंसेक्स 164.99 अंक की तेजी लेकर 65,558.89 अंक और निफ्टी 29.45 अंक चढ़कर 19,413.75 अंक पर पहुंच गया।

अमेरिकी फेड रिजर्व के ब्याज दर में बढ़ोतरी के सिलसिले को विराम देने की उम्मीद में स्थानीय स्तर पर आईटी और टेक समेत 16 समूहों में आई 4.30 प्रतिशत तक की तेजी की बदौलत शुक्रवार को सेंसेक्स 502.01 अंक की छलांग लगाकर 66,060.90 अंक और निफ्टी 150.75 अंक चढ़कर 19,564.50 अंक पर रहा।

बहुपयोगी बांस बनेगा और खास

खेती बढ़ाने, उत्पादों की भरपूर रेंज के साथ इनके बाजार पर भी योगी सरकार का फोकस

लखनऊ। लोच और टिकाऊपन में लाजवाब, बहुपयोगी बांस को योगी सरकार और खास बना रही है। बांस को किसानों व शिल्पियों की समृद्धि का जरिया बनाने के लिए सरकार का फोकस समानांतर कई आयामों पर है। बांस की खेती को बढ़ावा देने, कामन फैसिलिटी सेंटर खोलकर इसके उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला व बाजार तैयार करने के साथ बांस उपचार के संयंत्र भी लगाए जा रहे हैं। इन सभी कामों में नेशनल बैम्बू मिशन काफी कारगर साबित हो रही है।

32 जिलों में चल रहा नेशनल बैम्बू मिशन

खेती से लेकर मार्केटिंग तक के लिए राष्ट्रीय बांस मिशन एक बहुद्देश्यीय योजना है। यह योजना उत्तर प्रदेश में बांस विकास को बढ़ावा दिये जाने, नई किस्मों को विकसित करने, अनुसंधान को प्रोत्साहन करने, हाईटेक नर्सरी स्थापित किये जाने, पौधों में कीट एवं बीमारी प्रबंधन, बांस हस्तकला को बढ़ावा दिये जाने, बांस उत्पादकों की आय में वृद्धि किये जाने, बांस उत्पादों के लिए विपणन नेटवर्क विकसित करने तथा कारीगरों हेतु कच्चा माल उपलब्ध कराये जाने हेतु प्रारम्भ की गयी है। वर्तमान में राष्ट्रीय बांस मिशन योजना बुंदेलखण्ड और विंध्याचल क्षेत्र सहित 32 जिलों (38 वन प्रभाग) तथा बिजनौर सामाजिक वानिकी, नजीबाबाद (बिजनौर), सहारनपुर सामाजिक वानिकी, शिवालिक (सहारनपुर), मुजफ्फरनगर, रामपुर, बरेली, शाहजहांपुर, सीतापुर, पीलीभीत सामाजिक वानिकी, पीलीभीत टाइगर रिजर्व, उत्तर खीरी, दक्षिण खीरी, बहराईच, बाराबंकी, रायबरेली, सुल्तानपुर, प्रयागराज, प्रतापगढ़, फतेहपुर, काशी वन्यजीव (चन्दौली), जौनपुर, वाराणसी, आजमगढ़, गोरखपुर, सोहागीबरवा वन्यजीव (महराजगंज), बलिया, ललितपुर, महोबा, हमीरपुर, बाँदा, झाँसी, उरई (जालौन), चित्रकूट, मिर्जापुर, सोनभद्र, ओबरा तथा रेनूकूट में क्रियान्वित की जा रही है।

कई प्रजातियों के पौध उगान पर जोर

इस योजना के अंतर्गत प्रदेश में मुख्यत: बैम्बूसा बाल्कोआ, बैम्बूसा न्यूटन्स, बैम्बूसा बैम्बोस, डैन्ड्रोक्लेमस हैमिल्टोनी और डैन्ड्रोक्लेमस जाइजेन्टियस आदि प्रजातियों के पौध उगान की कार्यवाही एवं वृक्षारोपण कार्य कराये जा रहे हैं।

कृषकों, संस्थाओं को 50 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि

योजना के अंतर्गत राजकीय भूमि और निजी कृषक भूमि में बांस पौधशाला की स्थापना, सामान्य सुविधा केंद्र (सीएफसी), बैम्बू बाजार, बांस उपचार संयंत्र की स्थापना कराया जाना एवं वृक्षारोपण तथा अन्य सहकार्य (कृषको , कारीगरों एवं उद्यमियों का प्रशिक्षण) आदि को बढ़ावा दिये जाने का कार्य किया जा रहा है। निजी कृषकों, निजी संस्थाओं द्वारा कराये जाने वाले कार्यों हेतु निर्धारित मानकों के सापेक्ष 50 प्रतिशत प्रोत्साहन भी धनराशि दी जा रही है।

पांच जिलों में खुल चुकी हैं सीएफसी

राष्ट्रीय बांस मिशन योजना के अंतर्गत बांस आधारित शिल्प कला को बढ़ावा देने, निकटवर्ती कृषकों को बांस आधारित खेती तथा उसकी व्यापारिक गतिविधियों से अवगत कराये जाने, कृषकों, बांस शिल्पकारों तथा बांस आधारित उद्यमियों को आवश्यक प्रशिक्षण दिये जाने तथा बांस क्षेत्र विकास से संबंधित आवश्यक तकनीकों को जन सामान्य तक पहुंचाए जाने के लिए पांच जिलों यथा सहारनपुर, बरेली, झाँसी, मीरजापुर तथा गोरखपुर में सामान्य सुविधा केंद्रों कॉमन फेसिलिटी सेंटर (सीएफसी) की स्थापना की गयी है। सामान्य सुविधा केंद्रों में कृषकों, बांस शिल्पकारों तथा बांस आधारित उद्यमियों को प्रशिक्षण दिये जाने की दृष्टि से विभिन्न प्रकार की मशीनों यथा क्रॉस कट, बाहरी गांठ हटाने, रेडियल स्प्लिटर, स्लाइसर, सिलवरिंग, स्टिक मेकिंग और स्टिक साइजिंग आदि मशीनें स्थापित की गयी हैं। ये केंद्र या तो बांस कारीगरों के समूहों, स्वयं सहायता समूहों, कृषक उत्पाद संगठनों या वन विभाग की संयुक्त वन प्रबंधन समिति की स्थानीय इकाइयों द्वारा संचालित किये जाएंगे। इन केंद्रों द्वारा क्षेत्र के कृषकों, कारीगरों, उद्यमियों को प्रशिक्षण एवं रोजगार सृजन के अवसर प्राप्त होंगे।

अपनी बहुपयोगिता की वजह से बांस हर घर में किसी न किसी रूप में नजर आता था। आज से करीब पांच दशक पहले जब घर कच्चे होते थे, लगभग हर दरवाजे पर एक झोपड़ी होती थी। पशुओं को बांधने लिए घारी, साल भर का भूसा एकत्र करने के लिए भुसौला और अनाज के संरक्षण के लिए बखारी होती थी। तब खूंटा, लाठी, डंडा, पैना, चंगेरी, बेड़ी, बसखट, चचरा आदि के रूप में बांस हर जगह दिखता था।

हर ठीकठाक किसान की अपनी बंसवारी होती थी। कई स्थानों के नाम भी बांस या इनसे बने उत्पादों के नाम पर हैं। अब इनका इतिहास क्या है? यह दीगर बात है। पर, सामान्य आदमी इन जगहों को बांस से जोड़ सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गृह जिले की एक तहसील का नाम ही बांसगांव है।

बांसस्थान, बांसपार, बांसी, खुटभार, खुटहन, पैना, बांस बरेली जैसे तमाम नामों को बांस से जोड़ा जा सकता है। उल्टे बांस बरेली को लेकर एक मुहावरा भी प्रचलित है।

सर्राफा बाजार: सोना तथा चांदी में तेजी

इंदौर। सप्ताहांत सोना तथा चांदी में तेजी दर्ज की गई। इस दौरान सोना 400 रुपये तथा चांदी 2600 रुपये महंगी बिकी। कारोबार की शुरुआत में सोना 60050 रुपये पर खुलने के बाद शनिवार के दिन 60450 रुपये प्रति दस ग्राम होकर थमा। चांदी में व्यापार की शुरुआत 71200 रुपये पर हुई वहीं शनिवार के दिन 73900 रुपये बिकी। कामकाज में सोना ऊंचे में 60600 नीचे में 60000 रुपये प्रति 10 ग्राम बिका। व्यापार में चांदी ऊपर में 73950 तथा नीचे 71100 रुपये प्रति किलोग्राम बिकी। चांदी सिक्का पूछपरख से मजबूत बताया गया। विदेशी बाजार में सोना 1995 डॉलर तथा चांदी 2492 सेन्ट प्रति औंस बिकी।

इन्दौर. खाद्य तेल: मूंगफली तेल, सोयाबीन रिफाइंड, पाम तेल में तेजी

इंदौर, 16 जुलाई (वार्ता)। सप्ताहांत खाद्य तेलों में खरीद से भाव मजबूती लिए रहे। कारोबार में मूंगफली तेल, सोयाबीन रिफाइंड एवं पाम तेल में भाव ऊंचे हुए। तिलहनों में भाव ऊंचे बोले ? गए। कपास्या खली ? सामान्य बताई गई। कारोबार की शुरूआत में मूंगफली तेल 1730 से 1750 रुपये प्रति किलोग्राम खुला जो शनिवार को 1770 से 1790 रुपये प्रति 10 किलोग्राम होकर बंद हुआ। सोयाबीन रिफाइंड 930 से 935 रुपये पर खुलकर 925 से 930 रुपये बिका। पाम तेल 925 से 930 रुपये खुलकर 910 से 915 रुपये होकर बंद हुआ। तिलहन जिन्सों में भाव मजबूत बताए गए। पशु आहार कपास्या खली में साधारण लिवाली से नरमी रही।

इंदौर अनाज मंडी: चना कांटा, मूंग, मसूर में तेजी, दालों में घटबढ़

इंदौर। स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में मांग के कारण सप्ताहांत दलहन जिन्सों में तेजी हुई। चना, मूंग, मसूर के भाव में तेजी रही। वहीं दालों के भाव ऊपर नीचे हुए। चावल में उठाव सुधार लिए रहा। सप्ताहांत चना कांटा 5200 से 5225 रुपये खुलने के बाद 5200 से 5250 रुपये होकर थमा। मूंग 7400 से 8300 रुपये पर खुलने के बाद नीचे में 6400 रुपये बिकी। हालांकि सप्ताहांत इसमें सौदे 7800 से 8800 रुपये प्रति क्विंटल पर हुए। कारोबार में तुअर 8700 से 10600 रुपये खुलने के बाद 8700 से 10600 बताई गई। उड़द 7400 से 8500 रुपये खुलने के बाद 7400 से 8500 रुपये होकर बंद हुई। मसूर 5650 से 5675 रुपये के स्तर पर खुलने के बाद 5700 से ? 5750 रुपये होकर बंद हुई।

इंदौर किराना बाजार: शक्कर सस्ती, खोपरा गोला, हल्दी मजबूत

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में सप्ताहांत ग्राहकी ऊपर नीचे होती रही। शक्करकम हुई। खोपरा गोला, हल्दी में मजबूती दर्ज की गई। साबूदाना तथा खोपराबूरा में उठाव सुस्ती से भाव कम हुए। स्थानीय किराना बाजार में सोमवार को शक्कर 3850 से 3900 रुपये प्रति क्विंटल खुलने के शनिवार को 3840 से 3880 रुपये के स्तर पर थमी। शक्कर की दैनिक आवक 04 से 05 गाड़ी की रही। खोपरा गोला 110 से 125 रुपये खुलने के बाद कम होकर 115 से 130 रुपये के स्तर पर थमा। हल्दी में पूछपरख सुधार लिए बताई गई। इसमें 150 से 250 रुपये की रंगत पर सौदे हुए। खोपरा बूरा के दामों में कमी हुई। सप्ताहांत खोपरा बूरा में कामकाज 1900 से 3300 रुपये के स्तर पर चला। साबूदाना 6700 से 7800 की रेंज में बिका।

विश्व बैंक के अध्यक्ष ने भारत के स्कूलों में 'स्मार्ट क्लास' को सराहा

नई दिल्ली। गुजरात के गांधीनगर में रविवार को जी 20 देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की तीसरी बैठक हुई। बैठक के दौरान विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा, भारतीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और अमेरिकी ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन ने अर्थव्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपनी राय रखी। विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने भारत में शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे बदलावों पर अपनी राय रखी है।

उन्होंने कहा, बहुत सारे देश शिक्षा के क्षेत्र में अलग-अलग ढंग से काम करते हैं। भारत के गुजरात में कक्षाओं को स्मार्ट बनाने और हर स्कूल में कम से कम एक स्मार्ट क्लास रखने के रखने के विचार काम हो रहा है। बहुत सारे कार्यान्वयन हैं। असली बात डेटा और ट्रैकिंग है। मुझे लगता है कि हमें शिक्षा के क्षेत्र में ऐसे कार्य करने चाहिए जो सर्वोत्तम परिणामों की ओर ले जाए। जब संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत सहित कई अन्य देशों में करदाता हमें अपना पैसा देते हैं, तो वे इसे हमें बेहतर परिणाम के लिए देते हैं।

कितनी लड़कियां स्कूल जाती हैं उन्हें कितना लाभ मिला कितने लोग स्कूल गए और शिक्षा से लाभान्वित हुए कितने लोग एक कौशल केंद्र में गए और उस कौशल के कारण बेहतर नौकरी प्राप्त की वे यही चाहते हैं। वे सिर्फ यह नहीं जानना चाहते कि कितना पैसा आया।

पॉजिटिव बना हुआ है आवास क्षेत्र का मांग परिदृश्य

रियल एस्टेट कंपनी डीएलएफ के चेयरमैन राजीव सिंह देश के आवास क्षेत्र को लेकर उत्साहित हैं और उन्हें उम्मीद है कि तेजी से शहरीकरण, बेहतर संभावनाओं और घर की चाहत के कारण बिक्री की रफ्तार मजबूत बनी रहेगी। सिंह ने यह भी कहा कि इस क्षेत्र में भरोसेमंद और संगठित रियल एस्टेट कंपनियों की परियोजनाओं में अच्छी मांग देखी जा रही है। डीएलएफ के शेयरधारकों को 2022-23 की वार्षिक रिपोर्ट में एक संदेश में सिंह ने कहा कि आवास क्षेत्र में मजबूत मांग जारी है। उन्होंने कहा, ''शहरीकरण, बेहतर क्षमता, अनुकूल उपभोक्ता भावनाओं और घर की बढ़ती चाहत जैसे कारकों से घरों की मांग सकारात्मक बनी हुई है और ये रफ्तार बनी रहने की उम्मीद है।

चश्मों के लेंस बनाने वाली कंपनी भारत में करेगी 25000 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली। वैश्विक ऑप्टिकल लेंस (चश्मों के लेंस) कंपनी जीस समूह भारत के कर्नाटक में एक नए संयंत्र पर करीब 2,500 करोड़ रुपये का निवेश करेगा।

देश में समूह की इकाई कार्ल जीस इंडिया को उम्मीद है कि नए संयंत्र के पूरी तरह चालू होने पर लगभग 5,000 लोगों को रोजगार मिलेगा। भारत में परिचालन के 25 साल पूरे कर चुकी कंपनी ने 2027 तक 5000 करोड़ रुपये का कारोबार हासिल करने का लक्ष्य रखा है।

उन्होंने कहा, भारतीय बाजार में जो बड़ी चीजें आ रही हैं, उनमें से एक नई फैक्ट्री है जिसे हमने मंजूरी दी है, यह इन्वेस्ट इन कर्नाटक के साथ साझेदारी में है। कार्ल जेइस इंडिया के निदेशक और सीएफओ श्रेयस कुमार ने पीटीआई-भाषा से साक्षात्कार में कहा, हमने (बेंगलुरु) हवाई अड्डे के पास 34 एकड़ जमीन खरीदी है और नौ एकड़ और जमीन मिलने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि संयंत्र में शुरुआत में करीब 800 लोगों को रोजगार मिलेगा और पूरी क्षमता तक पहुंचने पर यह बढ़कर 5,000 हो जाएगा। कुमार ने कहा, यह जीस का सबसे बड़ा चश्मा लेंस निर्माण कारखाना होगा, लेकिन शायद दुनिया के सबसे बड़े कारखानों में से एक होगा।

उन्होंने कहा कि संयंत्र पर निर्माण कार्य इस महीने के मध्य तक शुरू होने की उम्मीद है और हम अक्टूबर 2024 तक कम से कम समानांतर तर्ज पर विनिर्माण शुरू कर सकते हैं।

जून में भारत के स्टील आयात में चीन, वियतनाम का हिस्सा बढ़ा

चीन और वियतनाम जैसे देशों का भारत के जून, 2023 के 4.84 लाख टन के स्टील आयात में हिस्सा सालाना आधार पर बढ़ा है। आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। स्टील मंत्रालय ने कहा कि जून में भारत का कुल स्टील आयात मासिक आधार पर 5.9 प्रतिशत और जून, 2022 की तुलना में 7.6 प्रतिशत बढ़ा है।

आंकड़ों के अनुसार, भारत के स्टील आयात में चीन, जापान, वियतनाम, सऊदी अरब, रूस, नेपाल और अमेरिका का हिस्सा पिछले साल के जून माह की तुलना में बढ़ा है। जून, 2022 में स्टील आयात में चीन का हिस्सा 26.1 प्रतिशत और वियतनाम का एक प्रतिशत था। वहीं जून, 2023 में भारत के स्टील आयात में चीन का हिस्सा बढ़कर 37.1 प्रतिशत हो गया है।

भारत का लक्ष्य 30 करोड़ टन स्टील उत्पादन क्षमता हासिल करना

वियतनाम का हिस्सा भी बढ़कर 4.8 प्रतिशत हो गया है। यह आंकड़ा इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि भारत ने अपनी स्टील उत्पादन क्षमता को 30 करोड़ टन पर पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। जून में भारत का तैयार स्टील का निर्यात मई की तुलना में 27.6 प्रतिशत घटकर 5.02 लाख टन रह गया। जून, 2022 की तुलना में इसमें 21.3 प्रतिशत की गिरावट आई।

जून में लौह अयस्क का दाम 3,900 रुपये प्रति टन पर रहा स्थिर

आंकड़ों से पता चलता है कि जून, 2023 में भारत के निर्यात में ब्रिटेन, मेक्सिको, रूस, इटली, पुर्तगाल और नेपाल का हिस्सा बढ़ा है।

जून में लौह अयस्क का दाम 3,900 रुपये प्रति टन पर स्थिर रहा। मई में भी यह इसी स्तर पर था। लौह अयस्क इस्पात विनिर्माण में काम आने वाला प्रमुख कच्चा माल है।

ग्लोबल म्यूचुअल फंड योजनाओं में निवेश सुधरने के आसार

अंतरराष्ट्रीय म्युचुअल फंड योजनाओं से लगातार निकासी ने नए निवेश की संभावना बढ़ा दी है। SBI MF और PGIM MF (पूर्व में प्रूडेंशियल इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट) ने हाल में अपनी योजनाओं को नए निवेश के लिए खोल दिया है। मार्च में, Edelweiss MF और Mirae MF ने अपनी योजनाओं को निवेश के लिए खोला और वे तब से लगातार निवेश स्वीकार कर रही हैं। MF अधिकारियों के अनुसार, संस्थागत योजनाओं से निकासी हाल के महीनों में बढ़ी है, क्योंकि निवेशकों ने वैश्विक बाजारों, खासकर अमेरिका में बड़ी तेजी के बाद मुनाफावसूली की है। अंतरराष्ट्रीय योजनाओं में प्रवाह पिछले तीन महीनों से कमजोर बना हुआ है और इनमें 875 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुई। Edelweiss MF में वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं प्रमुख (उत्पाद, विपणन एवं डिजिटल) निरंजन अवस्थी का कहना है, 'कई अंतरराष्ट्रीय फंडों ने पिछले 3 से 6 महीनों में अच्छा रिटर्न दिया है, और यही वजह है कि इनमें मुनाफावसूली दिखी है।

शार्ट न्यूज़

जोकोविच ने अल्काराज पर बनाई बढ़त, पहला सेट 6-1 से जीता

लंदन। विंबलडन 2023 ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट अपने अंजाम तक पहुंचने जा रहा है। आज पुरुष सिंगल्स के फाइनल में 23 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन सर्बिया के नोवाक जोकोविच का सामना वर्ल्ड नंबर-वन स्पेन के कार्लोस अल्काराज से जारी है। जोकोविच की वर्ल्ड रैंकिंग दो है। पहले सेट जोकोविच ने 6-1 से जीत लिया है। इससे पहले शनिवार को चेक गणराज्य की 24 वर्षीय मार्केटा वोंड्रोसोवा ने ट्यूनीशिया की ओंस जेब्यूर को 6-4, 6-4 से हराकर महिला सिंगल्स का खिताब जीता था। आज पुरुषों का भी चैंपियन मिल जाएगा। अगर जोकोविच फाइनल जीतते हैं तो यह उनका 24वां ग्रैंड स्लैम होगा और वह महिला-पुरुष मिलाकर सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतने के मार्ग्रेट कोर्ट के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे। साथ ही यह जोकोविच का कुल मिलाकर आठवां और लगातार पांचवां विंबलडन खिताब होगा। इन दोनों मामलों में वह पूर्व दिग्गज टेनिस प्लेयर रोजर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी करेंगे।

सैफ कप जीतने के बावजूद एशियन गेम्स में भाग नहीं ले पाएगी भारतीय टीम

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम लगातार दूसरी बार एशियाई खेलों में भाग नहीं ले पाएगी। एशियाई खेलों में फुटबॉल जगत की शीर्ष आठ टीमें भाग लेती हैं और टीम इंडिया इसमें शामिल नहीं है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने पहले योजना बनाई थी कि राष्ट्रीय सीनियर टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमैक थाईलैंड में किंग्स कप (7 सितंबर) के बाद चीन के हांगझू में 23 सितंबर से आठ अक्तूबर तक होने वाले एशियाई खेलों में अंडर-23 टीम ले जाएंगे। 2002 से, एशियाई खेलों में भाग लेनी वाली सभी फुटबॉल टीमों में खिलाड़ियों की उम्र 23 साल तक हो सकती है। हर टीम में सिर्फ तीन खिलाड़ी इससे ज्यादा उम्र के हो सकते हैं। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और सभी राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को भेजे गए पत्र में खेल मंत्रालय ने कहा है, टीम स्पर्धाओं के लिए केवल उन्हीं खेलों को शामिल किया जाएगा, जिन्होंने एशिया के भाग लेने वाले देशों के बीच आठवीं रैंकिंग हासिल की है। एशियाई खेलों में भाग लेने के लिए अंतिम एक वर्ष के प्रदर्शन पर विचार किया जाना चाहिए। रैंकिंग में भारत एशिया में टॉप-8 के आसपास भी नहीं है।

वास्को ने रेमन डियाज़ को बनाया मुख्य कोच

रियो डी जनेरियो। अर्जेंटीना के पूर्व अंतरराष्ट्रीय स्ट्राइकर रेमन डियाज़ को वास्को डी गामा ने 2023 के शेष सीज़न के लिए अपना मुख्य कोच नियुक्त किया है। 63 वर्षीय खिलाड़ी मौरिसियो बारबेरी की जगह लेंगे, जिन्हें ब्राजीलियाई सीरी ए सीज़न में क्लब की खराब शुरुआत के बाद जून के अंत में बर्खास्त कर दिया गया था। रियो डी जनेरियो ने एक बयान में कहा कि डियाज़ के साथ सहायक कोच एमिलियानो डियाज़ और जुआन रोमानज़ी भी शामिल होंगे। वास्को वर्तमान में 14 मैचों में केवल दो जीत के साथ 20-टीम स्टैंडिंग में 19वें स्थान पर है। वर्ष 1979 और 1982 के बीच अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम के लिए 22 बार चुने गए, डियाज़ ने 1995 में रिवर प्लेट के साथ अपने प्रबंधकीय करियर की शुरुआत की। तब से उन्होंने मेक्सिको की अमेरिका, ब्राजील की बोटाफोगो और पैराग्वे की लिबर्टाड सहित अन्य टीमों में काम किया है।

अमेरिका में गोलीबारी, चार की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में हुई गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई। स्थानीय पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी की घटना जॉर्जिया की राजधानी अटलांटा से लगभग 45 किमी दूर शनिवार सुबह लगभग 10ब्45 बजे दक्षिण-पश्चिमी हेनरी काउंटी में हैम्पटन शहर के डॉगवुड लेक्स क्षेत्र में हुई। हैम्पटन पुलिस प्रमुख जेम्स टर्नर ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पीड़ितों में तीन पुरुष और एक महिला थी। उन्होंने कहा कि पुलिस जासूस कम से कम चार अपराध स्थलों की जांच कर रहे हैं। पुलिस अभी भी संदिग्ध की तलाश कर रही है। संदिग्ध की पहचान 41 वर्षीय स्थानीय निवासी आंद्रे लॉन्गमोर के रूप में हुई है। हैम्पटन पुलिस विभाग ने संदिग्ध की एक तस्वीर और विवरण जारी किया, जिसके बारे में माना जा रहा है कि वह 2017 काली जीएमसी अकाडिया चला रहा था और एक काली हैंडगन ले जा रहा था।

सूडान में आरएसएफ ने किया ड्रोन से हमला, पांच की मौत, 22 घायल

खार्तूम। सूडान के सशस्त्र बलों ने कहा है कि अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) ने ड्रोन के जरिए ओमडुरमैन शहर में स्थित एक अस्पताल को निशाना बनाया है, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई और 22 अन्य घायल हो गए, जिनमें ज्यादातर नागरिक थे। सूडानी सेना ने शनिवार को बताया कि हमला राजधानी खार्तूम के उत्तर-पश्चिम में स्थिति ओमडुरमैन में सैन्य चिकित्सा कोर अस्पताल के आपातकालीन परिसर पर हुआ। सेना ने आरएसएफ पर अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून और युद्ध के सभी प्रावधानों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। बयान में कहा गया है कि अस्पताल के आपातकालीन परिसर में इसकी स्थापना के बाद से नागरिकों और सैन्य कर्मियों दोनों के आपातकालीन मामले समान रूप से आते हैं। सूडान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने पहले जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा था कि सैन्य अस्पताल के आपातकालीन विभाग में आरएसएफ के हमले में चार नागरिक मारे गए और चार अन्य घायल हुए हैं।

द. कोरिया में बारिश, भूस्खलन से मरने वाले की संख्या 30 हुयी

सोल। दक्षिण कोरिया में भारी बारिश और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या 30 से अधिक हो गई है, जबकि 10 से अधिक लोग लापता हैं। द. कोरिया की योजना न्यूज एजेंसी ने रविवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। इससे पहले एजेंसी ने शनिवार को केंद्रीय आपदा एवं सुरक्षा प्रतिवाद मुख्यालय का हवाला देते हुए अपनी रिपोर्ट में बताया था कि बाढ़ और भूस्खलन के बीच कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, सात घायल हो गए और तीन लापता हैं। आपदा अधिकारियों ने रविवार को कहा कि मरने वालों की संख्या 32 है। सबसे अधिक मौतें द. कोरिया के दक्षिण-पूर्वी प्रांत उत्तरी ग्योंगसांग में हुई हैं, जहां भूस्खलन और इमारत ढहने से 17 लोगों की जानें गयी हैं। अधिकारियों के मुताबिक दस से अधिक लोग लापता हैं और 13 शहरों और प्रांतों में 7,500 से अधिक लोगों को उनके घरों से निकाला गया है। द. कोरिया में 200 से अधिक सड़कें बंद हैं और सभी ट्रेनों का परिचालन निलंबित कर दिए गए हैं। रविवार को कुल 12 उड़ानें रद्द कर दी गईं।

इजरायल में न्यायिक सुधार के विरोध में हजारों लोग सड़कों पर उतरे

तेल अवीव। इजरायल में सरकार के विवादास्पद न्यायिक सुधार के विरोध में लगातार 28वें शनिवार को हजारों लोग तेल अवीव की सड़कों पर उतरे। रूस की न्यूज एजेंसी स्पूतनिक ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। प्रदर्शनकारियों ने शनिवार को पूरे इज़रायल में 150 स्थानों पर विरोध प्रदर्शन की घोषणा की। क्राउड सॉल्यूशंस के अनुमान के मुताबिक सिर्फ तेल अवीव में लगभग 150,000 लोग एकत्र हुए हैं। विरोध प्रदर्शन के आयोजकों ने कहा कि कुल मिलाक, शनिवार को पूरे इज़रायल में लगभग 400,000 लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इजरायल की संसद (नेसेट) ने सोमवार को पहले वाचन में सुधार के प्रमुख खंडों में से एक को पारित कर दिया, जिससे सरकार द्वारा लिए गए फैसलों को अनुचित ठहराकर उन्हें रद्द करने की सुप्रीम कोर्ट की शक्ति पर रोक लगा दी गई। यदि विधेयक प्रभावी हो जाता है, तो सरकार को अपने निर्णयों को बढ़ावा देने और अधिकारियों का चुनाव करने में अधिक शक्ति मिल जाएगी।

आईसीसी वुमेंस चैंपियनशिप : वर्षा बाधित मैच में बांग्लादेश ने भारत को हराया

मीरपुर। मारूफा अक्तर (29 रन पर चार विकेट) और राबया खान (30 रन पर तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत बांग्लादेश ने रविवार को आईसीसी वुमेंस चैंपियनशिप के एक वर्षा बाधित मुकाबले में भारत को 40 रन के विशाल अंतर से हरा दिया। बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुये 43 ओवर में 152 रन बनाये जिसके जवाब में भारतीय टीम 35.5 ओवर के खेल में 113 रनों पर सिमट गयी। दीप्ति शर्मा (20) भारत की ओर से सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं जबकि यास्तिका भाटिया (15) और अमनजोत कौर (15) ने टीम को हार से दूर रखने में संघर्ष किया। मेजबान टीम के खिलाफ पिछले मैच में शानदार प्रदर्शन करने वाली कप्तान हरमनप्रीत कौर आज सिर्फ पांच रन ही बना सकी वहीं स्मृति मंधाना (11) का बल्ला इस मैच में भी नहीं चल सका। बारिश के चलते मैदान गीला होने के कारण ओवरों की संख्या घटा कर 44-44 कर दी गयी थी। मारूफा ने हरमनप्रीत,स्मृति मंधाना,प्रिया पुनिया के विकेट जल्दी जल्दी झटक कर भारत की मुश्किलों में इजाफा किया जिससे भारत अंत तक उबर नहीं सका। वन डे मे पदार्पण करने वाली अमनजोत ने बल्ले और गेद से बेहतर प्रदर्शन कर अपने चयन को सही ठहराया। उन्होने बांग्लादेश के चार विकेट झटके जिसके कारण मेजबान टीम 152 के स्कोर पर ही सिमट गयी। बांग्लादेश की कप्तान निगार सुलताना (39) का विकेट उखाडने में हालांकि उन्हे काफी पसीना बहाना पड़ा।

वास्को ने रेमन डियाज़ को बनाया मुख्य कोच

रियो डी जनेरियो। अर्जेंटीना के पूर्व अंतरराष्ट्रीय स्ट्राइकर रेमन डियाज़ को वास्को डी गामा ने 2023 के शेष सीज़न के लिए अपना मुख्य कोच नियुक्त किया है। 63 वर्षीय खिलाड़ी मौरिसियो बारबेरी की जगह लेंगे, जिन्हें ब्राजीलियाई सीरी ए सीज़न में क्लब की खराब शुरुआत के बाद जून के अंत में बर्खास्त कर दिया गया था। रियो डी जनेरियो ने एक बयान में कहा कि डियाज़ के साथ सहायक कोच एमिलियानो डियाज़ और जुआन रोमानज़ी भी शामिल होंगे। वास्को वर्तमान में 14 मैचों में केवल दो जीत के साथ 20-टीम स्टैंडिंग में 19वें स्थान पर है। वर्ष 1979 और 1982 के बीच अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम के लिए 22 बार चुने गए, डियाज़ ने 1995 में रिवर प्लेट के साथ अपने प्रबंधकीय करियर की शुरुआत की। तब से उन्होंने मेक्सिको की अमेरिका, ब्राजील की बोटाफोगो और पैराग्वे की लिबर्टाड सहित अन्य टीमों में काम किया है।

पश्चिम से बदला लेकर दक्षिण क्षेत्र बना दलीप ट्राफी चैंपियन

बेंगलुरू । खेल के हर विभाग में पश्चिम क्षेत्र को पछाड़ते हुये दक्षिण क्षेत्र ने रविवार को दलीप ट्राफी चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम कर लिया।

पश्चिम क्षेत्र के कप्तान प्रियांका पंचाल (95) ने हार को टालने की पुरजोर कोशिश की मगर वासुकी कौशिक (36 रन पर चार विकेट) और साई किशोर (57 रन पर चार विकेट) की घातक गेंदबाजी के आगे उनकी टीम धराशायी हो गयी। दक्षिण क्षेत्र ने 14वीं बार दलीप ट्रॉफी का खिताब जीता है। इस जीत के साथ उसने पश्चिम क्षेत्र से पिछले साल मिली हार का बदला भी चुकता कर दिया। पिछले साल फाइनल में पश्चिम क्षेत्र ने दक्षिण क्षेत्र को 294 रन से हराया था। रविवार को दक्षिण क्षेत्र को जीत के लिये पांच विकेट की दरकार थी जिसमें सबसे बड़ी बाधा अंगद की तरह क्रीज पर पांव जमाये पांचाल थे। कवरप्पा ने हालांकि यह बाधा जल्द दूर कर दी जब उनकी गेंद पर पांचाल विकेट के पीछे लपक लिये गये। बाकी का काम साई किशोर ने एक के बाद एक विकेट चटकाते हुये पूरा कर दिया। अतीत सेठ (9) और धर्मेंद्रसिंह जडेजा (15) ने आठवें विकेट के लिए 23 रन जोड़े लेकिन वह हार को टालने में विफल रहे। दक्षिण क्षेत्र ने पहले बल्लेबाजी करते हुये पहली पारी में 213 रन बनाये थे जिसके जवाब में पश्चिम की पहली पारी 146 रनों पर सिमट गयी थी। 67 रन की लीड के साथ दक्षिण के बल्लेबाजों ने दूसरी पारी शुरू की और 230 रन बना कर पश्चिम को जीत के लिये 298 रनो का लक्ष्य दिया।

श्रीशंकर ने एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जीता रजत

बैंकॉक। एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में लंबी कूद प्रतिस्पर्धा में मुरली श्रीशंकर ने शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुये शनिवार को रजत पदक अपने नाम किया। पलक्कड़ के 24 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने छठे प्रयास में 8.37 मीटर की बड़ी छलांग लगाकर न केवल पदक जीता बल्कि पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए स्थान भी पक्का कर लिया। प्रतियोगिता के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में श्रीशंकर ने कहा मैने पिछले दो महीनों से प्रतिस्पर्धा नहीं की है। वे मुख्य रूप से एशियाई चैंपियनशिप के लिए तैयारी कर रहे हैं। उनके पास तैयारी के लिए अच्छा समय था, और मैं पिछले सप्ताह स्विट्जरलैंड से आया था। यू तांग लिन की 8.40 की छलांग भी मेरे लिए आश्चर्य की बात थी, लेकिन ऐसी बड़ी प्रतियोगिताओं में मुझे अपना धैर्य बनाए रखना होगा, और मेरा मानना है कि मैंने अच्छा काम किया है। मैने छठे प्रयास में यह मुकाम हासिल किया। उन्होने कहा यह सब वार्म-अप पर निर्भर करता है। शरीर को गर्म करने के लिए, हमें बहुत समय बिताना पड़ता है, लेकिन साथ ही, इसका हमारी फिटनेस पर असर नहीं पड़ना चाहिए।

मेसी ने इंटर मियामी के साथ किया आधिकारिक करार

एजेंसी

वाशिंगटन। अर्जेंटीना को फीफा वर्ल्ड कप का खिताब दिलाने वाले लियोनल मेसी ने इंटर मियामी क्लब के साथ आधिकारिक करार कर लिया है। क्लब की नंबर 10 शर्ट पहने हुए 36 वर्षीय महान खिलाड़ी का एक वीडियो शनिवार को इंटर के सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया गया था।

क्लब ने बाद में इसकी पुष्टि की कि दिसंबर 2025 तक मेसी इंटर मियामी क्लब के लिए ही खेलेंगे। मेसी ने कहा, मैं इंटर मियामी और संयुक्त राज्य अमेरिका में अपने करियर का अगला कदम शुरू करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। यह एक शानदार अवसर है और हम साथ मिलकर इस खूबसूरत सफर को जारी रखेंगे। विचार यह है कि हमने जो उद्देश्य निर्धारित किए हैं उन्हें हासिल करने के लिए मिलकर काम करें। मैं यहां अपनी नई टीम में खेलने के लिए बहुत उत्सुक हूं।

पूर्व बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन स्टार 21 जुलाई को मैक्सिको के क्रूज़ अजुल के खिलाफ लीग कप मैच में इंटर मियामी के लिए पदार्पण करेंगे।

जून में मेसी ने घोषणा की कि वह फ्लोरिडा संगठन में शामिल होने के लिए पीएसजी छोड़ रहे हैं, जिसका आंशिक स्वामित्व इंग्लैंड के पूर्व कप्तान डेविड बेकहम के पास है।

फॉरवर्ड ने तब से कहा है कि वह अपने करियर के आखिरी चरण का आनंद लेने के लिए उत्सुक हैं, उन्होंने पिछले दिसंबर में कतर में अर्जेंटीना के लिए फीफा विश्व कप जीतने का अपना अंतिम लक्ष्य हासिल कर लिया है।

एमएलएस कमिश्नर डॉन गार्बर ने कहा, हमें बहुत खुशी है कि दुनिया के महानतम खिलाड़ी ने इंटर मियामी और मेजर लीग सॉकर को चुना। उनका निर्णय हमारी लीग और उत्तरी अमेरिका में हमारे खेल के पीछे की गति और ऊर्जा का प्रमाण है।

मेसी मौजूदा समय में दुनिया के सबसे उम्दा फुटबाल खिलाड़ी माने जाते हैं। उन्होंने अपने करियर में अब तक दो बार विश्व कप गोल्डन बॉल विजेता, तीन बार यूईएफए पुरुष खिलाड़ी ऑफ द ईयर पुरस्कार जीता है।

अमेरिका में 11 करोड़ लोग हीटवेव की चपेट में

कैलिफोर्निया की डेथी वैली में 54 डिग्री होगा तापमान; सरकार बोली- लोग घरों में रहें

वॉशिंगटन । भारत में जहां लोग तेज बारिश और बाढ़ जैसे हालातों से परेशान हैं। वहीं, अमेरिका में लगातार बढ़ते पारे ने लोगों को जीना मुश्किल कर दिया है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका में अगले हफ्ते तापमान खतरनाक लेवल पर पहुंचने वाला है। इसकी चपेट में 11 करोड़ 30 लाख लोग हैं।

फ्लोरिडा, कैलिफोर्निया और वॉशिंगटन में इसे लेकर एडवाइजरी जारी की जा चुकी हैं। अमेरिका की नेशनल वेदर सर्विस ने लोगों से कहा है कि वो अपने सेहत के साथ कोई रिस्क ने लें। अमेरिका में गर्मी कितनी ज्यादा है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि शनिवार को अमेरिका के एरिजोना राज्य में तापमान 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था।

डेथ वैली में 54 डिग्री पार करेगा पारा

अमेरिका के मौसम विभाग ने बताया है कि कैलिफोर्निया की डेथ वैली में अगल हफ्ते पारा 54 डिग्री तक पहुंच जाएगा। डेथ वैली दुनिया की सबसे गर्म जगहों में से एक है। अगले हफ्ते पारा और चढ़ने के बाद ये दुनिया का अब तक का सबसे ज्यादा तापमान हो जाएगा।

हेल्थ डिपार्टमेंट ने कहा है कि ये हीट उन लोगों के जानलेवा साबित हो सकती है। जिनके पास कुलिंग के उचित साधन नहीं हैं। अमेरिका में गर्मी की वजह से हर साल 700 लोगों की मौत होती है।

यूरोप की स्पेस एजेंसी ने इटली, स्पेन, फ्रांस, जर्मनी और पोलैंड में गर्मी को लेकर अलर्ट जारी किया है। इटली ने रोम और फ्लोरेंस समेत अपने 16 शहरों के लिए हीटवेव की चेतावनी जारी की है। रोम में तापमान 44 डिग्री तक जा सकता है। सरकार ने लोगों से 11 से शाम 6 बजे तक धूप में न रहने की सलाह दी है। हफ्ते की शुरुआत में ही इटली में तेज धूप में काम करने की वजह से एक कंस्ट्रक्शन वर्कर की मौत हो गई। स्पेन के कैनरी आइलैंड में तापमान बढ़ने से जंगल की आग शुरु हो गई हैं। यहां 500 लोगों को सुरक्षित जगहों पर भेजा गया है। वहीं, ग्रीस में भी लोग गर्मी से परेशान हैं। ग्रीस में जंगल में आग लगने का खतरा बढ़ गया है। 2021 में भी जंगल में आग लगने की बड़ी घटना हुई थी।

दुनिया में पड़ रही गर्मी के पीछे क्लाइमेट चेंज

अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया के आधे हिस्से में पड़ रही गर्मी की वजह क्लाइमेट चेंज है। क्लाइमेट साइंस को लेकर काम करने वाले प्रोफेसर रिचर्ड एलन ने बताया है कि जिस तरह से इंसान पर्यावरण में ग्रीन हाउस गैस छोड़ रहे हैं। ये हीटवेव इसी का नतीजा हैं। हमें जल्द से जल्द इसे रोकने के लिए सही कदम उठाने होंगे। 2021 में लैंसेट प्लेनेटरी हेल्थ में प्रकाशित एक स्टडी के मुताबिक दुनिया में हर साल 50 लाख से ज्यादा लोगों की मौत बहुत ज्यादा गर्मी या बहुत तेज ठंड के कारण हो रही है। और इनमें आधे से ज्यादा जान गंवाने वाले एशिया से हैं।

जापान में तापमान बढ़ने पर 'हीटस्ट्रोक अलर्ट' जारी

टोक्यो । जापान में रिकॉर्ड स्तर के उच्च तापमान ने देश के कई हिस्सों को झुलसा दिया जिसके बाद रविवार को 'लू-अलर्ट' जारी किया गया जबकि अन्य क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश हुई। राष्ट्रीय प्रसारक एनएचके ने दर्शकों को चेतावनी दी कि गर्मी जानलेवा स्तर पर है क्योंकि राजधानी टोक्यो सहित कुछ स्थानों पर तापमान लगभग 40 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया है। सरकार ने देश के 47 प्रान्तों में से 20 के लिए 'हीटस्ट्रोक अलर्ट' जारी किया, मुख्य रूप से पूर्व और दक्षिण पश्चिम में, जिससे कई लाख लोग प्रभावित हुए हैं। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार टोक्यो के उत्तर में गुनमा प्रान्त के किरयू शहर में पारा 39.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया जबकि पश्चिमी टोक्यो में हाचियोजी में पारा 38.9 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। जापान का अब तक का उच्चतम तापमान 41.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था जो पहली बार 2018 में सैतामा के कुमागाया शहर में दर्ज किया गया और फिर 2020 में शिज़ुओका के हमामात्सू शहर में दर्ज किया गया था। मौसम एजेंसी के आंकड़ों के अनुसार कुछ स्थानों पर रविवार को चार दशकों से अधिक समय में सबसे अधिक तापमान दर्ज किया गया, जिसमें फुकुशिमा प्रान्त का हिरोनो शहर 37.3 डिग्री सेल्सियस और हॉट स्प्रिंग रिज़ॉर्ट शहर नासुशिओबारा 35.4 डिग्री सेल्सियस शामिल है।

वीडियो पत्रकार मरणोपरांत सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित

पेरिस। रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष के दौरान बखमुट के पास एक रॉकेट हमले में मारे गये पत्रकार अरमान सोल्डिन (32) को मरणोपरान्त 'लीजन ऑफ ऑनर' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉं ने एजेंस फ्रांस-प्रेसे (एएफपी) समाचार एजेंसी को भेजे गए एक पत्र में सोल्डिन की 'बहादुरी' की सराहना की। पत्रकारों की सुरक्षा समिति के अनुसार, सोल्डिन रूस के आक्रमण के बाद से यूक्रेन में मारे गए कम से कम 17 पत्रकारों में से एक है। राष्ट्रपति के गुरुवार को आदेश से उन्हें यह सम्मान दिया गया - पूरे फ्रांसीसी समाज से इस पुरस्कार से सम्मानित होने वाले 358 नागरिकों में सोल्डिन एक है। एनेसी शहर के एक खेल के मैदान में चाकू से हमला करने वाले का पीछा करने के लिए 'बैकपैक हीरो' कहे जाने वाले हेनरी डी एन्सेल्मे को दो अन्य हस्तक्षेप करने वाले लोगों के साथ सम्मानित किया गया है। राष्ट्रपति मैक्रॉन ने अपने वीडियो पत्रकार की 'चरित्र की ताकत, उनकी यात्रा और उनकी ड्राइव' की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, अरमान सोल्डिन ने आपके संपादकीय कर्मचारियों के जुनून को मूर्त रूप दिया - सच बताने, कहानियां बताने और साक्ष्य इकट्ठा करने का जुनून। यह एक उद्देश्य के लिए जुनून था- सूचना देने का कर्तव्य।

मास्क ने अमेरिका पर लगाया पाखंड का आरोप

वाशिंगटन। अरबपति उद्यमी एलोन मस्क ने क्लस्टर हथियारों का इस्तेमाल करने वाले अन्य देशों की कड़ी निंदा करने और अब इन हथियारों को यूक्रेन भेजने के लिए अमेरिका पर पाखंड का आरोप लगाया है। मस्क ने शनिवार को ट्विटर पर लिखा, अमेरिका ने क्लस्टर बमों का इस्तेमाल करने वालों को हमेशा दुष्ट बताया है, लेकिन अब हम उन्हें इस्तेमाल के लिए भेज रहे हैं? इससे कोई फायदा नहीं होगा। भाग्य को विडंबना पसंद है, लेकिन पाखंड से नफरत है। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा कि अमेरिका ने हताशा के कारण कीव को क्लस्टर हथियार प्रदान करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा, मैं लोगों के लिए सर्वोत्तम परिणाम चाहता हूं। रूस के पास यूक्रेन की तुलना में कम से कम चार गुना तोपखाने और दस गुना गोला-बारूद है। हमारे पास यूक्रेन भेजने के लिए सामान्य गोला-बारूद खत्म हो गया है, इसलिए अब हताशा में उन्हें क्लस्टर बम भेजें, खुद को कमजोर कर रहे हैं। पेंटागन के संचालन के लिए संयुक्त स्टाफ निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल डगलस सिम्स ने गुरुवार को एक ब्रीफिंग में बताया कि यूक्रेन को संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ-साथ अन्य देशों से क्लस्टर युद्ध सामग्री प्राप्त हुई है। रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू ने 11 जुलाई को चेतावनी दी थी कि यदि अमेरिका कीव को क्लस्टर युद्ध सामग्री की आपूर्ति करता है तो रूसी सेना यूक्रेनी सशस्त्र बलों के खिलाफ उसी तरह के हथियारों का उपयोग करने के लिए मजबूर होगी, जिनका उनके पास प्रचुर मात्रा में स्टॉक है।

अफगानिस्तान सड़क दुर्घटना में दो की मौत, 13 घायल

अयबक। उत्तरी अफगानिस्तान के समांगन प्रांत में शनिवार देर रात एक सड़क दुर्घटना में कम से कम दो सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई और 13 लोग घायल हो गए। प्रांतीय पुलिस कार्यालय ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिसकर्मियों ने बयान में कहा है कि दुर्घटना तब हुई जब दो सुरक्षाकर्मियों को ले जा रही एक मोटरसाइकिल प्रांतीय राजधानी अयबक शहर के आसपास के क्षेत्र जुहराबी में एक यात्री बस से टकरा गई। इस हादसे में दो सुरक्षाकर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई और एक महिला सहित 13 अन्य घायल हो गए। लापरवाही से गाड़ी चलाना, खराब निर्मित सड़कें और भीड़भाड़ वाली सड़कों पर यात्रा के दौरान सुरक्षा उपायों की कमी पहाड़ी देश में सड़क दुर्घटनाओं के मुख्य कारण हैं।

अमेरिका के पास हथियार खत्म हुए

यूक्रेन ने क्लस्टर बम इस्तेमाल किए तो हम भी देंगे जवाब : पुतिन

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने अमेरिका के यूक्रेन को क्लस्टर बम देने के फैसले की आलोचना की है। पुतिन ने कहा है कि अमेरिका के सारे हथियार खत्म हो गए हैं। इसलिए वो अब यूक्रेन को प्रतिबंधित हथियार सप्लाई कर रहा है। रूसी टेलिविजन को दिए एक इंटरव्यू में पुतिन ने कहा कि अगर यूक्रेन हमारे खिलाफ क्लस्टर बमों का इस्तेमाल करेगा तो हम भी इसका कड़ा जवाब देंगे। पुतिन ने कहा कि रूस के पास भी क्लस्टर बम हैं। हालांकि, उन्होंने अभी तक जंग में उनका इस्तेमाल नहीं किया है।

अमेरिका ने यूक्रेन को सौंपे क्लस्टर बम

अमेरिका के रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने गुरुवार को बताया है कि उन्होंने क्लस्टर हथियारों को यूक्रेन को सौंप दिया है। ज्वाइंट स्टाफ जे3 के संचालन निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल डगलस सिम्स ने कहा कि बम यूक्रेन को पहुंचा दिए गए हैं। यूक्रेनी ब्रिगेडियर जनरल ओलेक्जेंडर तार्नवास्की ने सीएनएन को दिए एक इटरव्यू में भी इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा है कि अमेरिका ने उन्हें हथियार दे दिए हैं, लेकिन अभी तक उनका इस्तेमाल नहीं किया गया है। अमेरिका के मित्र देशों ने भी यूक्रेन को क्लस्टर बम देने पर आपत्ति जताई थी।

क्लस्टर बम एक ऐसा हथियार है, जिसे हवा में रिलीज करने पर कई छोटे-छोटे बम निकलते होते हैं। ये छोटे बम साधारण बमों की तुलना में ज्यादा इलाके को प्रभावित करते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित

संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

गौरवशाली भारत
नई दिल्ली
सोमवार 17 जुलाई 2023
Www.gauravshalibharat.com

शार्ट न्यूज

चोरी के डेढ़ लाख रुपये के साथ 02 अभियुक्त गिरफ्तार

रमेश कुमार शर्मा/गौरवशाली भारत

तुलसीपुर/बलरामपुर। थाना तुलसीपुर पुलिस ने चोरी के मामले में दो अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में बलरामपुर जेल भेज दिया गया। जिसे लेकर तुलसीपुर थाना में 186/23 धारा 379/411 अभियोग दर्ज किया गया था। प्रभारी निरीक्षक तुलसीपुर प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि रविवार को जोखू उर्फ लालबाबा पुत्र स्वर्गीय अयोध्या प्रसाद निवासी लौकहवा थाना महाराजगंज तराई जनपद बलरामपुर, 02 बजरंगी पुत्र स्वर्गीय सीताराम निवासी फिरोजपुर महाराजगंज तराई हलपता लालबोझी थाना महाराजगंज तराई जनपद बलरामपुर को सर्विलांस टीम के सहयोग से नथुनिया मोड़ के पुल के पास जर्जर मकान जनपद बलरामपुर से गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त के पास से चोरी किए गए डेढ़ लाख रुपये बरामद कर न्यायिक हिरासत में न्यायालय भेज दिया गया।

आदर्श नगर पालिका परिषद बलरामपुर में मोहर्रम को लेकर की गई बैठक, साफ-सफाई को लेकर दिए गए निर्देश

रमेश कुमार शर्मा/गौरवशाली भारत

बलरामपुर। मुस्लिमों समुदाय के गमजुदा माहौल में मनाए जाने वाले त्यौहार मोहर्रम की तैयारियों को लेकर आदर्श नगर पालिका परिषद बलरामपुर के अध्यक्ष डॉक्टर धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरु ने बैठक की। तैयारियों को लेकर अध्यक्ष ने सफाई नायकों को सख्त निर्देश दिए हैं। जिन इमाम चबूतरो से होकर ताजिया रखी जानी हैं, उसके आस पास कहीं भी गंदगी नहीं होनी चाहिए। साथ ही सभी वार्डों में सफाईकर्मी मुस्तैद रहें। बैठक में सभी वार्डो के सदस्य, विद्युत विभाग के लोग भी मौजूद रहे। अध्यक्ष ने वार्डो के सदस्यों से ताजिया रखने व निकलने को लेकर सुझाव भी मांगा, जिससे सुचारू रूप से त्यौहार सम्पन्न हो सके। उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों से रास्ते में पड़ने वाले तार-खंभे को दुरुस्त करने को लेकर भी निर्देश दिए की जिससे कोई अप्रिय घटना न घटे। अध्यक्ष ने सभी लोगों से अमन व भाईचारे के साथ त्यौहार मानने की अपील की। अनिल वाल्मीकि,जल प्रबंधन,राजेश सक्सेना,विद्युत प्रबंधन,बहोरन सिंह सफाई इस्पेक्टर को निर्देशित किया गया

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की सदस्य पहुंची पीड़ित राजेंद्र के घर

सोनभद्र। एक सप्ताह की समयावधि के बीच सुर्खियों में रहा सोनभद्र। सोनभद्र के बहुआर गाँव से अपने ननिहाल बालडीह गया था दलित राजेंद्र पुत्र श्रीराम जहाँ बिजली की लाइन ठीक करने को विभाग के लाइन मैन ने राजेंद्र से जूते चटवाये और मारपीट की तथा कान पकड़ कर राजेंद्र ने उठक- बैठक की थी बेबशी और लाचारगी के आलम में। डॉ0 अंजु बाला सदस्य राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने बऊआर गांव निवासी पीड़ित राजेन्द्र के घर जाकर मुलाक़ात की और घटना के सम्बन्ध में पूरी विस्तृत जानकारी हासिल की। डॉ अंजु बाला ने सरकार द्वारा अनुमन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। पीड़ित ने प्रशासन द्वारा की गयी कार्यवाही पर संतुष्टि जताने की खबर है। एक हफ्ते में इसी प्रकार की दूसरी घटना मानवता को शर्मसार करती सामने आई जो ग्यारह जुलाई को हुई थी जिले में जूता चाट के बाद कान को पेशाबदान बनाना और उसमें पेशाब करने की। दोनों घृणित कार्य दलित के साथ हुए। अभी राष्ट्रीय अनुसूचित जाति की सदस्य पेशाब कान्ड के पीड़ित तक नहीं पहुँची हैं। पीड़ित राजेंद्र के घर बउआर पहुँची डॉश मधु बाला। इस मौके पर जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह, पुलिस अधीक्षक डॉश यसवीर सिंह सहित अन्य सम्बंधितगण उपस्थित रहे।

झांसी प्रशासन ने लोगों को नदी के बीच टापुओं पर न जाने की दी सलाह

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी जिला प्रशासन ने लगातार हो रही बारिश के कारण बांधों से पानी छोड़े जाने और इस वजह से नदियों के उफान पर होने की स्थिति के मद्देनजर जिले में नदी किनारे बसे गांवों के लोगों से नदी के बीच बने टापुओं पर न जाने की सलाह रविवार को दी। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने जनपद के समस्त आमजन से अपील करते हुए कहा कि प्रदेश में हो रही लगातार बारिश के कारण डैम से पानी छोड़ा जा रहा है। जिस कारण नदियां उफान पर हैं, इसके दृष्टिगत नदी किनारे बसे गांव के ग्रामीण किसी भी दशा में नदी के मध्य टापू पर ना जाएं और ना ही नदी के किनारे किसी भी तरह की गतिविधि करें। उन्होंने आह्वान किया कि आप सभी सुरक्षित रहें और अन्य लोगों को भी सुरक्षित रहने की सलाह दें। जिलाधिकारी ने अब तक माताटीला बांध से लगभग 36895 क्यूसेक पानी छोड़े जाने के कारण कई गांव प्रभावित होने की संभावना को देखते हुए नदी के किनारे बसे गांवों को सतर्क रहने की हिदायत दी।

हिमाचल के ब्यास में आई बाढ़ में बहे एनएचएआई के तीन अरब

शिमला। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में ब्यास नदी में बाढ़ से फोरलेन को लगभग तीन अरब का नुकसान हुआ है। किरतपुर से मनाली तक का निरीक्षण करने के बाद नेशनल हाईवे अथारिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) की टीम ने प्रारंभिक तौर पर यह आकलन किया है। अधिकारियों का कहना है कि मंडी से मनाली तक सबसे अधिक नुकसान हुआ है। टीम ने रविवार को बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुई सड़क का जायजा लिया। मनाली से पतलीकूहल तक टीम पहुंची और फील्ड में तैनात अधिकारियों को जल्द से जल्द सड़क बहाल करने के आदेश दिए। टीम में एनएचएआई के क्षेत्रीय अधिकारी अब्दुल बासित, प्रोजेक्ट डायरेक्टर वरुण चारी, कुल्लू के क्षेत्रीय इंजीनियर अशोक चौहान, एसडीएम मनाली रमन कुमार शर्मा, सेवानिवृत्त अधिकारी विनोद आनंद मौजूद रहे। बासित ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग को भारी नुकसान हुआ है। अथॉरिटी की प्राथमिकता जल्द से जल्द सड़क खोलना है। जहां कम नुकसान हुआ है, वहां दो से तीन दिन में सड़क खुल जाएगी। कुछ स्थानों पर एक सप्ताह का समय भी लग सकता है।

समान पक्षी विहार को सारस की शरण स्थली के रूप में किया जाएगा विकसित

राज्य पक्षी सारस के संरक्षण के लिए योगी सरकार ने बनाई योजना, सारस संरक्षण के लिए सरकार को 70 लाख रुपये का प्रस्ताव बनाकर भेजा

आगरा। योगी सरकार द्वारा प्रदेश के राज्य पक्षी सारस के संरक्षण के लिए चलाई जा रही मुहिम का असर दिखने लगा है। इसी कड़ी में राष्ट्रीय चंबल सेंचुरी प्रोजेक्ट की डीएफओ ने समान पक्षी विहार को सारस की शरण स्थली के रूप में विकसित करने की विशेष योजना बनाई। इसके तहत सारस के संरक्षण के लिए वन विभाग समान पक्षी विहार में धान की बुआई करेगा और वहां टीले बनाए जाएंगे। सारस संरक्षण के लिए सरकार को 70 लाख रुपये का प्रस्ताव बनाकर भेजा गया है। इसकी स्वीकृति मिलते ही कार्य शुरू हो जाएगा।

राष्ट्रीय चंबल सेंचुरी प्रोजेक्ट की डीएफओ आरुषि मिश्रा ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा समान पक्षी विहार को ईको टूरिज्म का बड़ा केंद्र बनाने के लिए प्लानिंग की जा रही है।समान पक्षी विहार में ग्रीष्म काल में राज्य पक्षी सारस की संख्या भी सुखद रहती है। पिछले साल ग्रीष्मकालीन गणना में वन विभाग ने 98 सारस रिकार्ड किए थे। इस साल 95 सारस दर्ज हुए हैं। उन्होंने बताया कि सारस संरक्षण योजना के तहत समान पक्षी विहार का चयन किया है। समान पक्षी विहार का हैबिटेट खेत खलिहान वाला है। यहां पर एक से डेढ़ फुट तक पानी या दलदल जैसा हैबिटेट है। जो हैबिटेट सारस के अनुकूल है। राज्य पक्षी सारस के संरक्षण के लिए 70 लाख रुपये का एक प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा गया है।

इस बजट में वन विभाग समान पक्षी विहार से जलकुंभी हटाएगा। वैसे यह सारस का प्राकृतिक हैबिटेट नहीं हैं। यहां पर वन विभाग छोटे- छोटे टीलों का निर्माण करेगा।

जिससे सारस के प्राकृतिक आवास बनाए जा सके। इसके साथ ही उन्हीं टीलों पर धान की बुआई भी की जाएगी। जिससे सारस को अपने प्राकृतिक आवास से भोजन के लिए दूर न जाना पड़े।

5 वर्ग किमी में फैला है क्षेत्र

बता दें कि आगरा मंडल के मैनपुरी जिले में समान पक्षी विहार अभयारण्य है। जो पांच वर्ग किलोमीटर के दायरे में फैला है। सन 1990 समान पक्षी विहार बना था। जिसे सन् 2019 में संयुक्त राष्ट्र ने रामसर साइट का दर्जा दिया। समान पक्षी विहार में हर साल दिसंबर से फरवरी तक देसी- विदेशी पक्षियों का जमघट रहता है। समान पक्षी विहार में तीन माह से अधिक समय तक हजारों रंग- बिरंगे पक्षी रहते हैं।

प्रकृति-संस्कृति भारत व नेपाल की साझी विरासत : गौतम

भारत-नेपाल मैत्री संबंध को पौधरोपण

वीरगंज(नेपाल)। अंतर्राष्ट्रीय साहित्य-संस्कृति-प्रकृति मंच के तत्वावधान में रविवार को वीरगंज,नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर के परिसर में पर्यावरण समृद्धि और भारत-नेपाल मैत्री संबंध की मधुरता की शुभकामना को लेकर पौधरोपण किया गया ।मंच के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष साहित्यकार राजीव गौतम के नेतृत्व में साहित्यकार प्रो. प्रमोद पाण्डेय हेरम्ब , साहित्यकार बृजमोहन तिवारी,इतिहासकार विजय किशोर पाण्डेय , नेपाली साहित्य की प्रो. उमा मिश्रा खरैल, कवयित्री सुश्री अस्मिता पटेल, सामाजिक कार्यकर्ता सुबोध कुमार सिंह , जंगबहादुर पटेल आदि बुद्धिजीवियों ने पीपल, बेल , अशोक आदि के पौधे लगाए ।मौके पर साहित्यकार राजीव गौतम ने कहा कि संस्कृति -प्रकृति नेपाल व भारत की साझी विरासत है इसके संरक्षण की जरुरत है। इससे पूर्व नेपाल के प्रसिद्ध उपन्यासकार गणेश लाठ की अध्यक्षता में हुई बैठक में अंतर्राष्ट्रीय साहित्य-संस्कृति-प्रकृति मंच की नेपाल राष्ट्र ईकाई के गठन की रुपरेखा तैयार की गई ।बैठक में साहित्यकार श्री लाठ और लेखक प्रो. प्रमोद पाण्डेय हेरम्ब को मंच की नेपाल राष्ट्र ईकाई के विस्तृत गठन हेतु अधिकृत किया गया ।इस अवसर पर मंच के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव गौतम को प्रो.प्रमोद द्वारा भोजपुरी में भाष्य किए गए गीता ज्ञान दर्शन और उपन्यासकार श्री लाठ के पुरस्कृत अंग्रेजी उपन्यास अनुराधा भवन भेंट कर सम्मानित किया गया।

नेपाल की माटी पर भारत के साहित्यकार ने किया मधुर मैत्री पौधरोपण।

बेल का पेड़ लगातीं नेपाली साहित्य की प्रो. उमा मिश्रा व कवयित्री अस्मिता पटेल।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन की आत्मकथा का विमोचन

नयी दिल्ली । छत्तीसगढ़ के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन द्वारा लिखित आत्मकथा 'बैटल नॉट यटओवर' का रविवार को विमोचन किया गया। इंडियन कॉन्फ्रेंस आफ इंटेलेक्चुअल की ओर से यहां आयोजित सेमिनार में राष्ट्रीय विधि आयोग के अध्यक्ष ऋतुराज अवस्थी और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश एवं ओडिशा के पूर्व मुख्य न्यायाधीश वी गोपाल गौडे ने पुस्तक का विमोचन किया। इस अवसर पर श्री हरिचंदन का अभिनंदन भी किया गया। मूल रूप से उड़िया भाषा में लिखी इस आत्मकथा का अंग्रेजी अनुवाद प्रसिद्ध लेखक एवं अकादमी पुरस्कार विजेता प्रोफेसर भगवान जय सिंह ने किया है। इस अवसर पर श्री हरिचंदन ने कहा कि अपनी आत्मकथा में उन्होंने अपने जीवन के संघर्षों और उनसे मिली सीख को साझा किया है। उन्होंने कहा कि वह अपने पिता स्वर्गीय परशुराम हरिचंदन की देशभक्ति से प्रेरित थे जिन्होंने अन्याय के खिलाफ लड़ना सिखाया। उन्होंने कहा मेरे रिश्तेदारों और शुभचिंतकों की प्रेरणा से यह पुस्तक इस रूप में सामने आई है। राज्यपाल ने कहा कि वह जिस भी पद पर रहे, उन्होंने हमेशा न्याय के लिए काम किया और अन्याय के खिलाफ मुखर रहे। पुस्तक में उनके राजनीतिक संघर्षों, आपातकाल के दौरान संघर्ष, उस समय ओडिशा के राजनीतिक परिदृश्य, लोगों के कल्याण के लिए मंत्री के रूप में उनके द्वारा की गई पहल के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है। सेमिनार को डॉ विजयानंद सिंह ने संबोधित किया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राज्यपाल श्री हरिचंदन की पुस्तक के बारे में दिये गये संदेश का वाचन किया। केन्द्रीय साहित्य अकादमी के सचिव के श्रीनिवास राव, प्रख्यात लेखक प्रो.डॉ. विजयानंद सिंह समेत कई गणमान्य हस्तियां मौजूद रही।

जलवायु परिवर्तन के मद्देजर फसलों की नई किस्मों का विकास : तोमर

नयी दिल्ली। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने जलवायु परिवर्तन को गंभीर चुनौती बताते हुए रविवार को कहा कि विश्व की खाद्य जरूरतों को पूरा करने के लिए फसलों की नई-नई किस्मों का विकास किया गया है, जो उत्पादन एवं उत्पादकता को सतत बनाए रखने में सक्षम हैं।

तोमर ने कृषि अनुसंधान परिषद के 95वां स्थापना और प्रौद्योगिकी दिवस को संबोधित करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन विश्व के समक्ष एक गंभीर चुनौती है, जिसका आधुनिक तकनीक से मुकाबला किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण फसलों और बागवानी फसलों का उत्पादन बढ़ाना और खेती में जल की बचत करना एक प्रमुख चुनौती है। पिछले सात-आठ वर्षों के दौरान कृषि के क्षेत्र में तकनीक का उपयोग बढ़ा है और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद में भी इसकी गति को बनाए रखा गया है। कृषि मंत्री ने कहा कि वैज्ञानिक अथक परिश्रम कर प्रयोगशालाओं में नई-नई तकनीक का विकास करते हैं, जिसका खेतों तक पहुंचना बहुत जरूरी है। इससे सबसे अधिक किसानों को फायदा होगा, जो उसका असली हकदार हैं।

उन्होंने कहा कि एक समय फसलों का उत्पादन बढ़ाने के लिए रसायनिक उर्वरकों के प्रयोग पर अधिक जोर दिया गया था। कुछ क्षेत्रों में किसानों ने रसायनिक उर्वरकों का अंधाधुंध प्रयोग किया, जिसके कारण जमीन की उरवरा शक्ति घटने लगी है। सरकार ने इस परिस्थिति को देखते हुए जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने का निर्णय लिया है। इससे खेती की लागत कम होगी और जमीन की उरवरा शक्ति भी बढ़ेगी। सरकार ने खेती की इस पद्धति को मिशन मोड में रखा है और इसके लिए बजट में 1500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

नाबालिग बालिका का विवाह रोका गया, चार लोगों के खिलाफ एफआइआर दर्ज

जिला बाल संरक्षण इकाई व थाना एचटीयू टीम के त्वरित कार्यवाही का प्रभावी असर

सोनभद्र। सोलह साल की नाबालिग बालिका की शादी पर लगा विराम, सक्रिय प्रशासन के सामर्थ्य का पड़ा पूर्ण प्रभाव नाबालिग के विधि विहीन विवाह रोकने में। विश्वस्त सूत्रों के हवाले से मिली थी सूचना। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना चोपन अन्तर्गत एक ग्राम में लगभग उम्र 16 वर्ष की नाबालिग बालिका की शादी राजस्थान के निवासी लडके के साथ हो रही थी जिसे तत्काल संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह व पुलिस अधीक्षक डा0 यशवीर सिंह के निर्देश पर जिला बाल संरक्षण अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा द्वारा जिला बाल संरक्षण इकाई से संरक्षण अधिकारी रोमी पाठक, गायत्री दुबे, ओ आर डब्ल्यू शेषमणि दुबे व थाना ए0एच0टी0यू प्रभारी उप निरीक्षक हरिदत्त पाण्डेय , मुख्य आरक्षी धनञ्जय यादव की संयुक्त टीम गठित कर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही किये जाने हेतु आदेशित किया गया। संयुक्त टीम द्वारा तत्काल सम्बन्धित थाना चोपन से समन्वय स्थापित करते मौके पर पहुंचे जहाँ नाबालिग बालिका की शादी हो रही थी। टीम द्वारा बालिका के माता पिता से बालिका के उम्र के सम्बन्ध में साक्ष्य चाहा गया प्राप्त साक्ष्य के आधार पर बालिका की उम्र 16 वर्ष पायी गयी।

हरकत में आई टीम द्वारा नाबालिग बालिका को अपनी अभिरक्षा में लेते हुए थाना चोपन पहुंची और नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करते हुए जिला बाल संरक्षण इकाई टीम द्वारा बालिका को बाल गृह बालिका मे आवासित कराया गया। ओ आर डब्ल्यू शेषमणि दुबे द्वारा बताया गया कि नाबालिग बालिका की उम्र 16 वर्ष है जो बाल विवाह अधिनियम के अन्तर्गत अपराध की श्रेणी में आता है। इसके दृष्टिगत बाल विवाह मे संलिप्त चार व्यक्तियों के विरुद्ध थाना चोपन पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कराया गया । मौकेपर सावित्री देवी अध्यक्ष महिला सुरक्षा एवं जन सेवा ट्रस्ट, ग्राम स्वराज समिति चोपन फील्ड कार्यकर्ता संजय सिंह आदि उपस्थित रहे।

विनिवेशधिकत एवं जागरुकता शिविर होंगे आयोजित

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकारण एवं राष्ट्रीय महिला आयोग के हुए निर्देश

सोनभद्र। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राष्ट्रीय महिला आयोग ने भारत के विभिन्न राज्यों के विनिविशेषधिकता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किये जाने का निर्देश दिया गया है। इसके अनुपालन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सोनम के अध्यक्ष अशोक कुमार यादव प्रथम जनपद न्यायाधीश सोनभद्र के नेतृत्व में 15.07.2023 दिन शनिवार को अपरान्त 01.00 बजे तहसील घोरावल तथा जनपद सोनभद्र क ग्राम बर्दिया के पंचायत भवन परिसर में भी एहसानुल्लाह खान, प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र विशेष न्यायाधीश (एस0सी0एस0टी0)/ गैंगेस्टर एक्ट, सोनमंद की अध्यक्षता में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। आयोजित हुए विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर में श्रीमती विनीता सिंह, सिविल जज सीडी सोनभद्र, डाश गणेश प्रसाद, जनरल फिजीशियन एन0सी0डी0, सोनभद्र, डा0 दीप्ती सिंह, संयुक्त चिकित्सालय, सोनमद, ज्ञानेन्द्र कुमार यादव, तहसीलदार घोरावल, अजनी कुमार राय, थाना अध्यक्ष घोरावल शशांक शेखर काल्यान, विशेष लोक अभियोजक एस0सी0/एसटी कोर्ट, रोशन लाल यादव, रिसोर्स परसन, श्रीमती कंचन सिन्हा, रिसोर्स परसन, सुश्री नाहीद परवीन, एडवोकेट एवं ग्राम प्रधान बर्दिया तहसील घोरावल, सोनभद्र आदि लोग उपस्थित हुए।

विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का संचालन सत्यारमण त्रिपाठी, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल, सोनभद्र द्वारा किया गया। इनके द्वारा भरण पोषण पर उपस्थित महिलाओं को विस्तृत रूप से अवगत कराया गया। जनपद सोनभद्र की तहसील घोरावल के तहसीलदार ने महिलाओं से सम्बन्धित शासन की विभिन्न जनोपयोगी एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में उपस्थित जनसमूह को विस्तृत रूप से जैसे शिक्षा, स्वास्थ एवं आवास आदि योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की ।

डा0 गणेश प्रसाद द्वारा शिविर में उपस्थित महिलाओं को महिला पोषण एवं डॉ दीप्ती सिंह ने सर्वाइकल कैंसर से होने वाली समस्याओं एवं उसके बचाव व उसके उपचार के संबंध विस्तृत रूप से अवगत कराया गया। श्रीमती विनीता सिंह, सिविल जज, सीनियर डिवीजन सोनभद्र द्वारा घरेलू हिंसा से सम्बन्धित कानून पर उपस्थित महिलाओं को विस्तृत जानकारियों से अवगत कराते हुए कहा कि अगर आप शिक्षित रहेगी तभी यह अपने अधिकारों को प्राप्त कर सकती है। इसलिए आप स्वयं अपने घर की सभी लड़कियों एवं महिलाओं की शिक्षा पर विशेष ध्यान दें। एहसानुल्लाह खान, प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद, द्वारा अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुये शिविर में उपस्थित महिलाओं को महिलाओं से सम्बन्धित प्राधिकरण एवं शासन द्वारा जारी तमाम योजनाओं के सम्बन्ध में विस्तृत रूप से अवगत कराया साथ ही यह भी बताया कि प्राधिकरण द्वारा भरण पोशण तलाक एवं धारा 496 ए दहेज उत्पीडन आदि मामलों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र द्वारा संचालित मध्यस्थता केन्द्र में सुलह समझौता के माध्यम से निस्तारित कराया जाता है।

शिवराज आज स्कूल चले हम अभियान का करेंगे शुभारंभ

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 17 जुलाई को 'स्कूल चलें हम अभियान 2023' का शुभारंभ करेंगे। आधिकारिक जानकारी के अनुसार राज्य स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम शाजापुर जिले के गुलाना में नव-निर्मित सीएम राइज विद्यालय में होगा। कार्यक्रम का सजीव प्रसारण दूरदर्शन एवं आकाशवाणी सहित अन्य संचार माध्यमों पर पूर्वान्ह 11 बजे से किया जायेगा। सभी जिलों की सभी शासकीय शालाओं में कार्यक्रम का सजीव प्रसारण दिखाया जाएगा। मुख्यमंत्री गुलाना में 24 करोड़ की लागत से बनकर तैयार हुए प्रदेश के पहले सीएम राइज़ स्कूल भवन का लोकार्पण भी करेंगे। कार्यक्रम में सभी शालाओं में शाला प्रबंधन समितियों, शाला प्रबंधन तथा विकास समितियों की विशेष बैठक एवं अभिभावक- शिक्षक बैठक की जाएगी। कार्यक्रम में शाला के पूर्व विद्यार्थी एवं जन-प्रतिनिधि भी आमंत्रित होंगे। 'स्कूल चलें हम अभियान' को जन आंदोलन बनाने की दृष्टि से 17 से 19 जुलाई तक प्रदेश की सभी शासकीय शालाओं में जन-समुदाय की सहभागिता में 'भविष्य से भेंट' कार्यक्रम किए जाएंगे।

जनपद की चार तहसीलों में हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

सोनभद्र। जिले की चारों तहसीलों में ''सम्पूर्ण समाधान दिवस'' का आयोजन जुलाई महीने के तीसरे शनिवार को किया गया। तहसील राबर्ट्सगंज में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) सहदेव कुमार मिश्र की अध्यक्षता में किया गया। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह, उप जिलाधिकारी सदर निखिल यादव ने शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को बड़े ही सरलभाव से सुना और निस्तारण के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। अपर जिलाधिकारी ने कहाकि शिकायतकर्ताओं की शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से किया जाय, इसमें किसी प्रकार की शिथिलता व लापरवाही न बरती जाय। प्रकरणों का समाधान सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के मौके पर पुलिस व राजस्व कार्मिकों की टीम द्वारा किया जायेगा और जो मामले एक या दो दिन के अन्दर निस्तारित नहीं होंगे, उनका निस्तारण मौके पर जाकर किया जायेगा। ''सम्पूर्ण समाधान दिवस'' में अपर जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि ग्राम स्तर के समस्या का समाधान सम्बन्धित अधिकारी जिम्मेदारी के साथ निभायें, अनावश्यक रूप से छोटे कार्मिकों व शिकायतकर्ताओं को परेशान न होना पड़ें। सम्पूर्ण समाधान दिवस में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0), अपर पुलिस अधीक्षक, उप जिलाधिकारी सदर आदि ने 130 शिकायतें सुनते हुए मौके पर ही 03 मामलें निस्तारित किये और 02 टीम को क्षेत्र में भेजकर 02 प्रकरणों को निस्तारित किये गये।